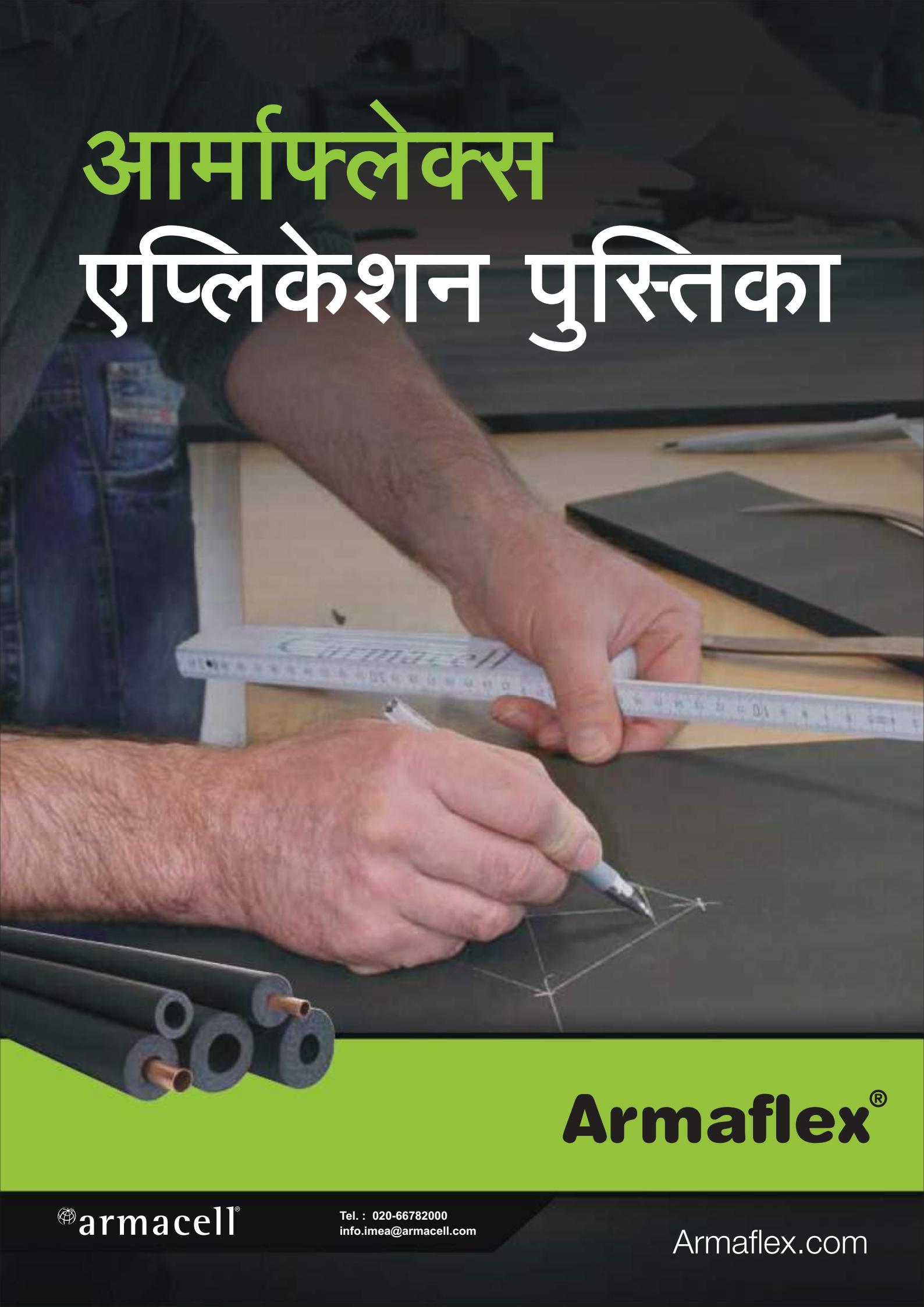


आर्माफ्लेक्स एप्लिकेशन पुस्तका



Armaflex®

 **armacell**

Tel. : 020-66782000
info.imea@armacell.com

Armaflex.com

विषय सूची

विस्तृत	०५
आर्माफ्लेक्स के साथ कार्य करना	०५
आर्माफ्लेक्स लगाने के लिए उपकरण	०५
आर्माफ्लेक्स एडेसिव के इस्तेमाल का सही प्रयोग	०६
• आर्माफ्लेक्स एडेसिव ५२०	०६
• आर्माफ्लेक्स एडेसिव एचटी ६२५	०६
• आर्माफ्लेक्स अल्टिमा ७००	०६
• आर्माफ्लेक्स डक्टसिल	०७
• आर्माफ्लेक्स पाईपसिल	०७
• एडेसिव उपयोग में लाने के लिए निम्न लिखित बातोंपर ध्यान दें	०७
• जंग संरक्षक प्राईमर लगा पाईप	०८
सपाट जोड़ सीलबंदी की प्रक्रिया	१०
बाह्य वातावरण में आर्माफ्लेक्स का उपयोग	११
रेफ्रिजरेशन और ए.सी का इन्स्युलेशन की प्रक्रिया	१२
स्टेनलेस स्टील पाईप को इन्स्युलेट की प्रक्रिया	१२
पाईप्स और फिटिंग्स	१३
आर्माफ्लेक्स ट्युबस से पाईप्स और फिटिंग्स को इन्स्युलेट की प्रक्रिया	१३
• रोधक ट्यूबों काटना	१३
• नये पाईप पर स्लीव्ह-ऑन विधि से इन्स्युलेशन लगाने की प्रक्रिया	१४
• वर्तमान स्थित पाईप पर स्नैप ऑन तरीके से इन्स्युलेट करने की प्रक्रिया	१५
• आर्माफ्लेक्स स्वयं चिपकनेवाली (सेल्फ सील) ट्युब के जरिये पाईप को इन्स्युलेट करने की प्रक्रिया	१६
• ट्युब के साथ बहु इन्स्युलेशन की प्रक्रिया	१८
• आर्माफ्लेक्स आकार पट्ट (टेमप्लेट) का उपयोग /इस्तेमाल करने की प्रक्रिया	२०
• १० कोण वाले मोड पर आर्माफ्लेक्स ट्युब इन्स्युलेशन लगाने की प्रक्रिया	२०
• आर्माफ्लेक्स ट्युब के उपयोग से ४५ कोण का पाईप मोड बनाने	२१
• आर्माफ्लेक्स ट्युब के उपयोग से मध्य में एक मोड हिस्सा (२+१) जोड़ने की प्रक्रिया	२१
• आर्माफ्लेक्स ट्युबके उपयोग से मध्य में दो मोड हिस्सो (२+२) से जोड़ने की प्रक्रिया	२१
• आर्माफ्लेक्स ट्युब के उपयोग से मध्य में तीन मोड हिस्सो (२+३) से जोड़ने की प्रक्रिया	२२
• आर्माफ्लेक्स ट्युब के उपयोग से क्रॉसपीस जुड़ाव करने की प्रक्रिया	२२
• आर्माफ्लेक्स ट्युब के उपयोग से वाय ट्युब बनाने की प्रक्रिया	२३

• आर्माफिलेक्स ट्युब के उपयोग से घुमा हुआ टी. बनाने की प्रक्रिया	२३
• आर्माफिलेक्स ट्युब के उपयोग से टी. बनाने की प्रक्रिया	२४
-- २ --	
युग्मन से जुड़े हुए पाईप (कपलींग पाईप जॉईट्स) के ऊपर इन्स्युलेशन करने की प्रक्रिया	२५
• विधि १ : अतिकाय (ओव्हर साईज) ९० कोणवाला पाईप मोड़	२५
• विधि २ : समतल ९० कोणवाला पाईप मोड़	२५
आर्माफिलेक्स ट्युब के उपयोग से कोणीय “टी” बनाने की प्रक्रिया	२६
• विधि १	२६
• विधि २	२७
आर्माफिलेक्स ट्युब के उपयोग से सिकुड़े पाईप पर इन्स्युलेशन बनाने की प्रक्रिया	२८
आर्माफिलेक्स के शीट (चादर) से पाईप पर इन्स्युलेशन करने की प्रक्रिया	२९
आर्माफिलेक्स शीट (चादर) से द्विमुख - मोड बनाने की प्रक्रिया	३२
आर्माफिलेक्स शीट (चादर) से वॉल्व पर इन्स्युलेशन करने की प्रक्रिया	३५
आर्माफिलेक्स शीट के उपयोग से वाल्व का नेक-टी (T) / पाईप-टी (T) / स्पिंडल नेक बनाने की प्रक्रिया	३७
आर्माफिलेक्स शीट से ‘D-बॉक्स’(अंग्रेजी के ‘डी’ आकार का डिब्बा) बनाकर ‘वॉल्व इन्स्युलेशन’ करने की प्रक्रिया	४०
“खसका/टहनी (ऑफसेट) कोण और मोड (बैंड) कोण” में पाईप के जोड़ बनाने की प्रक्रिया	४३
स्ट्रेनर (झरनी), स्ट्रेनर वॉल्वस (झरनी वॉल्व) और मुड़े हुए सिट वॉल्व बनाने की प्रक्रिया	४५
फलौंज (पाँख) बॉक्सेस बनाने की प्रक्रिया	४८
सकेंट्रीक सिकुड़ा (कॉन्सेन्ट्रीक रिड्यूसर) इन्स्युलेशन बनाने की प्रक्रिया	५०
अवृत्ताकार सिकुड़ा (एक्सेन्ट्रीक रिड्यूसर) इन्स्युलेशन बनाने की प्रक्रिया	५१
आर्माफिलेक्स शीट से दो-हिस्से वाला मोड विस्तार सहित बनाने की प्रक्रिया	५२
आर्माफिलेक्स शीट से स्ट्रेनर (झरनी) वॉल्व को इन्स्युलेट करने की प्रक्रिया	५३
आर्माफिलेक्स इन्स्युलेटेड पाईप सपोर्ट्स को लगाने की प्रक्रिया	५७

--३--

पाईप के सपोर्ट्स के ऊपर इन्स्युलेशन (एनकॉप्सुलेटिंग) लगाने की विधि	५८
दूसरे पाईप भारवाहक ढाँचा (सपोर्ट्स) पर इन्स्युलेशन करने की प्रक्रिया	५९
अर्माफिक्स एक्स पाईप सपोर्ट को लगाने कि प्रक्रिया	६०
आर्माफ्लेक्स ट्यूब के साथ रिजीड पी.यू. फोम से बने क्लैम्प (जकड़) पक्षे जकड़ से किये जोड़ का आरेखीय चित्र	६१
डक्ट्स् (नाली)	६२
आर्माफ्लेक्स शीट से आयाताकार डक्ट को इन्स्युलेट करने की प्रक्रिया	६२
आर्माफ्लेक्स आयाताकार डक्ट (नली) को इन्स्युलेशन करने की विधि	६५
आर्माफ्लेक्स से नाली के ब्रैकेट को इन्स्युलेट करने की प्रक्रिया	६६
• आर्माफ्लेक्स ट्यूब से नाली के ब्रैकेट पर इन्स्युलेशन	६६
• आर्माफ्लेक्स शीट से नाली ब्रैकेट पर इन्स्युलेशन करने की प्रक्रिया	६७
आर्माफ्लेक्स शीट से वर्तुलाकर नाली को इन्स्युलेशन करने की प्रक्रिया	६८
व्हेसल्स और टैंक्स	६९
आर्माफ्लेक्स शीट के साथ व्हेसल्स और टैंक्स का इन्स्युलेशन करने की प्रक्रिया	६९
• शीट को विभिन्न माप में काटने के लिये अनुसूची बनाये	६९
• बड़े व्हेसल्स और टैंक्स के लिये आर्माफ्लेक्स शीट का लेआउट बनाए	६९
• चिपकाने की विधि	७०
• बहु परत जोड़ करने की प्रक्रिया	७१
• विचित्र आकार	७१
• बाहरी वातावरण मे कार्य करने की प्रक्रिया	७१
आर्माफ्लेक्स शीट से छोटे (१.५ मिटर से कम व्यासवाले) टैंक्स और व्हेसल्स पर इन्स्युलेशन बनाने की प्रक्रिया	७२
बड़ी व्हेसल्स (१.५ मि. से बड़ा व्यास) पर मुख्य प्रारंभिक प्रक्रिया	७४
अतिरिक्त विशेष उपयोग	७६
आर्माफ्लेक्स शीट के उपर अतिरिक्त मेटल आवरण (कवच)	७६
आर्माफ्लेक्स शीट को जमीन की तह के नीचे लगाने की विधि	७६
प्लास्टिक पाईप पर आर्माफ्लेक्स इन्स्युलेशन बनाने की विधि	७७
--४--	
संदर्भ	७८
• स्टेनलेस स्टील के उपर आर्माफ्लेक्स से इन्स्युलेशन करने की प्रक्रिया	७८

• ठंडे वातावरण में आर्माफ्लेक्स से लगाने के लिये निर्देश	७८
• आर्माफ्लेक्स सेल्युलर ग्लास पर लगाना	७८
• अतिरिक्त तरीके से आर्माफ्लेक्स से लगाने के लिये निर्देश	७८
गणना उपकरण	७८
• आर्मविन	७८
आर्माफ्लेक्स के उत्पादन	७९
• क्लास ओ आर्माफ्लेक्स	७९
• क्लास ओ आर्माफ्लेक्स प्लस	७९
• आर्मसाऊंड सुपर सायलेंस डक्टलायनर	७९
• आर्माफ्लेक्स आलु	७९
• आर्मचेक् सिल्हर ३५०	७९
• आर्मचेक् जी सी	७९
• आर्माफिक्स पाईप सपोर्ट	८०
• आर्माफ्लेक्स साहाय्यक उपकरण (अॅक्सेसरीज)	८०

जनरल

आर्माफिलेक्स के साथ कार्य करना

- अच्छी गुणवत्ता के कलपुंजों का उपयोग, विशेषतः धारदार चाकू, आर्माफिलेक्स का ताजा चिपकाने का पदार्थ, क्लीनर और अच्छा ब्रश
- अंडाकार ट्यूबस को हमेशा समतल भाग सतह रखकर काटना चाहिए।
- साफ आर्माफिलेक्स सामग्री का प्रयोग करें – कोई धूल, गंदगी, तेल या पानी सतह पर ना हो, अगर है तो आर्माफिलेक्स क्लीनर से साफ करें।
- सही ढंग से नापी गई सामग्री प्रयोग करें। सील करते वक्त जोड़ो को ना खींचें, हमेशा एक दूसरे के साथ दबाए रखें।
- कभी भी चालू कार्यरत और सिस्टमस में इन्स्युलेशन लगाने का काम ना करें। इन्सुलेंट फ्लांट को शुरू करने से पहले ३६ घंटे तक प्रतीक्षा करें – इससे चिपकाने का कार्य पूरी तरह से ठीक होता है।
- सामान्यतः अतिरिक्त आर्माफिलेक्स टेप की आवश्यकता नहीं है। स्वयं चिपकानेवाला आर्माफिलेक्स टेप बट और अधोमुखी जोड़ (लॉगीट्युडनल जॉइन्ट) और सिवन को जोड़ने के लिये एकमेव फिक्सिंग एजेंट के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। आवश्यक होने पर ही जहाँ पहले से ही आर्माफिलेक्स एडेसीव्ह उपयोग में लाया है वहाँ ३६ घंटे के बाद ही एडेसीव्ह टेप चिपकाया जाए ताकि एडेसीव्ह सालवेंट का गैस निकल जाये।
- इन्सुलेशन स्थापित करने के तुरंत बाद आर्माफिनिश ९९ रंग उपयोग में ला सकते हैं। यू वीसंरक्षण देने के लिए ६ दिन के भीतर दूसरी परत चढ़ाए। (पेज ११ पर देखें – आर्माफिलेक्स का बाहरी उपयोग)

आर्माफिलेक्स लगाने के लिए उपकरण

	मुड़नेवाला स्केल/टेप		स्ट्रेट एज
	अनियमित आकार अंकित करने के लिये चॉक		नमूना (आर्माफिलेक्स के प्रत्येक डिब्बे पर छपा हुआ)
	सिल्वर इंक का मार्कर पेन		कैंची
	परकार		छोटे-स्थिर कड़ा ब्रश

	केलिपर्स (व्यासमापक परकार)		स्मुथ स्पैचुला
	७५ मि.मि शॉर्ट नाईफ़* (छोटा चाकू)		सर्व साधारण व्यास वाले पाईप को सिरे पर काटकर शार्प करे. पाईप के अंत में शार्प कीजिये
	३०० मि.मि लांग नाईफ़* (छोटा चाकू)		सतह पर ग्लु लगानेके लिये रोलर्स
	शार्पनिंग स्टोन*		ग्लुमास्टर

*एक तीन चाकू का सेट और धार लगाने के लिये पत्थर (शार्पनिंग स्टोन) यह सब टूल किट में उपलब्ध है।

आर्माफ्लेक्स के इस्तेमाल का सही प्रयोग

आर्माफ्लेक्स एडेसिव ५२०

आर्मफ्लेक्स एडेसिव ५२० विशेष रूप से आर्मफ्लेक्स को आसानी से जोड़ने के लिए विकसित किया गया था। यह मध्यम तापमान से लेकर +१५० सें. तक मजबूती से और सुरक्षित रूप से सतह में जुड़ जाता है। यह क्रतु परिवर्तन में अबाधित तथा लंबे समय तक चलता है।

आर्माफ्लेक्स एडेसिव एच टी ६२५

आर्मफ्लेक्स एडेसिव एच टी ६२५ विशेष रूप से एच टी/आर्मफ्लेक्स इन्सुलेशन को जोड़ने के लिये विकसित किया गया था। यह मध्यम तापमान से लेकर +१५० सें* तक सुरक्षित रूप से सतह से जुड़ जाता है। जब एच टी आर्मफ्लेक्स इस्तेमाल कर रहे हो, तो सिर्फ एडेसिव अँडेसिव्ह एच टी का इस्तेमाल करे, इसके अतिरिक्त यह आर्मसेल इस्तेमाल कर रहे इलास्टोमेरिक इन्सुलेशन सामग्री के साथ भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

*जब तापमान - ५० डिग्री के नीचे या +१५० के ऊपर हो तो हमारे ग्राहक सेवा विभाग से परामर्श लीजिये।

आर्माफ्लेक्स अल्टिमा ७००

आर्मफ्लेक्स ७०० एडेसिव, जो एक निर्धारित विधि के अनुसार बनाई गयी है। यह विशेष रूप से आर्मफ्लेक्स अल्टिमा और अन्य इन्सुलेशन सामग्री पर आधारित आमप्रिने सिन्थेटिक रबर पर विशेष रूप से इस्तेमाल की जाती है। इस एडेसिव का उपयोग -५० सेल्सिअस से +१५० सेल्सिअस तापमान तक भी किया जा सकता है।

आर्माफ्लेक्स डक्टसिल

नॉनड्रीप, संपर्क बनाये रखनेवाला गोंद आर्माफ्लेक्स डक्टसिल मानक उत्पादनों की तुलना में अधिक तेजी से और आसानी से लगाया जा सकता है। यह अत्यंत गाढ़ा होने के कारण थिक्स्कोट्रापिक जेल के जैसा हिलाकर उपयोग में नहीं ला सकते। काफी समय इस्तेमाल न होने पर भी यह न्यूनतम मात्रा में सॉल्वैट्स रिलीज करता है। इस एडेसिव का उपयोग +५ और +८५ डिग्री सेल्सियस तापमान के दरम्यान किया जाता है। आर्माफ्लेक्स डक्टसिल को १ साल तक संग्रहित किया जा सकता है।

आर्माफ्लेक्स डक्टसिल एडेसिव विशेष रूप से आर्माफ्लेक्स शिट्स को लगाने के लिये विकसित किया गया है। आर्माफ्लेक्स के अन्य उत्पादनों (सिवाय एच टी / आर्माफ्लेक्स) आर्माफ्लेक्स डक्टसिल एडेसिव का उपयोग करके लगाये जा सकते हैं।

आर्माफ्लेक्स पाईपसिल

इलास्टोमेरिक इन्सुलेशन ट्युब्स पर इस्तेमाल करने के लिये आर्मसेल ने आर्माफ्लेक्स पाईपसिल ऑडेसिव्ह को विकसित किया है। यह ऑपरेटिंग तापमान -२५ से +९० डिग्री सेल्सियस तक इस्तेमाल हो सकता है।

आर्माफ्लेक्स पाईपसिल एडेसिव सिन्थेटिक रबर पर आधारित सभी आर्मसेल इन्सुलेशन सामग्री पर लगाने के लिये उपयुक्त है। (सिवाय एच टी / आर्माफ्लेक्स और आर्माफ्लेक्स अल्टिमा)

आर्माफ्लेक्स इस्तेमाल के सामान्य निर्देशों के अलावा डिस्परशन एडेसिव के उपयोग के लिये अतिरिक्त निर्देश है। इसके इस्तेमाल से पहले आर्मसेल तकनीकी ग्राहक सेवा टीम से व्यावहारिक निर्देश और सलाह जरूरी हैं।

एडेसिव उपयोग में लाने से पहले निम्नलिखीत सावधानियाँ बरतें।

एडेसिव की स्थिति की जाँच करें। एडेसिव के डिब्बे जहां भी संभव हो एक ठंडी जगह में संग्रहित किये जाने चाहिए, डिब्बे फ्रॉस्ट से भी मुक्त रखे जाने चाहिये।

परिवहन, संग्रह और संग्रह समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए उत्पादन डाटा शीट देखना।

- १ जहाँ एडेसिव लगाना हो वहाँ सतहों पर धूल, गंदगी, तेल या पानी हो तो इन दूषित करनेवाले सभी घटकोंको हटा दिया जाना चाहिए, उन सतहों को काम शुरू करने से पहले आर्माफिलेक्स क्लीनर से साफ किया जाना चाहिए। इसके अलावा एडेसिव लगाना शुरू करने से पहले सभी सतहें शुष्क होनी चाहिए।
- २ एडेसिव के डिब्बे पर दिये गये निर्देशों पर ध्यान दीजिये। काम के दौरान छोटे डिब्बे का उपयोग करें ताकि एडेसिव जल्दी से गाढ़ा न हो जाये। आवश्यकतानुसार बड़े डिब्बे में से रिफिल कर सकते हैं और जब उपयोग नहीं करना हो तो डिब्बे बंद रखें, जिससे एडेसिव को गाढ़ा होने से रोका जा सके।
- ३ एडेसिव उपयोग में लाने के लिये सही तापमान १५ सेल्सिअस से २० सेल्सिअस है। अगर तापमान ० सेल्सिअस के नीचे हो तो एडेसिव का उपयोग नहीं करते। एडेसिव अगर ठंडा है, तो गर्म पानी की एक बाल्टी में रख कर गर्म किया जा सकता है। अगर तापमान ५ सेल्सियस नीचे हो तो चिपकानेवाली सतहों पर या चिपकने वाली फिल्म पर संक्षेपण (कंडेनसेशन) दिखाई दे सकता है। ऐसी स्थिति में एडेसिव लगाना उचित नहीं।
- ४ डिब्बा खोलने के बाद अच्छी तरह से एडेसिव को मिलाईये। अगर लंबे समय तक ऐसे ही खुला छोड़ दिया तो एडेसिव में मौजूद भारी घटक डिब्बे के नीचे, तल में जमा हो सकते हैं। एडेसिव को प्रभावी ढंग से सक्रिय करने के लिये इन्ह समय समय पर उपयोग करने से पहले अच्छी तरह से मिश्रित किया जाना चाहिए।

जंग संरक्षक प्राइमर लगा पाईप

एडेसिव उपयोग में लाने से पहले, अगर पाइप की रक्षा के लिए जंग बाधा प्राइमर लगाया है तो उसकी जाँच करें। साधारणतः इपोक्सी रेजिन या पॉलियुरेथीन के आधार पर बने हुए आर्माफिलेक्स एडेसिव सभी कोटिंग सिस्टम के साथ इस्तेमाल हो सकते हैं। आर्माफिलेक्स अॅडेसिव डामर, कोलतार या लाल सीसा लगी सतहों पर इस्तमाल नहीं हो सकता। एडेसिव उपयोग में लाने के लिए निम्न लिखित बातोंपर ध्यान दें –

- १ छोटे, कठोर दांतो वाले एक ब्रश का उपयोग करें और सतह को साफ करें। अनुप्रयोग में तेजी लाने के लिए बड़े क्षेत्र में रोलर या ग्लुमास्टर का इस्तेमाल किया जा सकता है।
- २ एडेसिव लगाते समय उचित दबाव बनाये रखें। किनारों पर ज्यादा खिंचाव न दें।
- ३ दोनों सतहों पर एडेसिव पतली परत समान रूप से लगाये।
- ४ जब आर्माफिलेक्स अन्य सामग्री पर (उदा. मेटल्स) लगाना हो तो पहले आर्माफिलेक्स पर एडेसिव लगा के फिर अन्य साफ सतह पर लगाइये।

- ५ एडेसिव को शुष्क होने दे। परिवेश, आर्द्रता एवं तापमान के अनुसार सूखने की कालावधि अलग अलग होने की संभावना है। सूखने का प्रारंभिक परीक्षण नाखूनों द्वारा निर्धारित किया जा सकता है। उंगली के नाखून के अग्रभाग पर अगर चिपचिपहट महसूस न हो और अगर सतह खुद ही चिपचिपा न हो, तो जोड़ोंको बंद किया जा सकता है। जब इन दोनों सूखी सतहों को एक साथ जोड़ा जाता है तो अधिक चिपकने वाला मजबूत जोड़ बनता है।
- ६ चिपकाई हुई सतह को एक साथ दबाया जाना चाहिए और उसे खींचना नहीं चाहिये। चिपकाये हुए सिवन को ऊपर की ओर मुँह कर के न रखें। बाहरी वातावरण में काम करते वक्त सिवन को हमेशा सूरज की रोशनी से दूर रखें।
- ७ जब दबाव के साथ बिना दरार वाले कोनों को जोड़ा जाता है, ऐसे समय गीला एडेसिव लगाने की पद्धतिका पालन करना उचित होगा। सिवन को थोड़ा चौड़ा करके आर्मफ्लेक्स एडेसिव की पतली परत सभी बाजू से अच्छी तरीके से दोनों सतहों पर ब्रश से लगाना चाहिये और एक साथ दबाना चाहिये। ऐसी परिस्थिती में कुछ समय खुला रखने की आवश्यकता नहीं है।
- ८ तुम्हारे उपकरणों को साफ करने के लिये तथा दूषित धातु की सतह और पाउडर लगाई हुई सतहों को साफ करने के लिये आर्मफ्लेक्स क्लिनर का उपयोग करें।
- ९ स्थिरता समय : आर्मफ्लेक्स ५२०/६२५ / आर्मफ्लेक्स अल्टिमा ७०० / आर्मफ्लेक्स डक्टसिल / आर्मफ्लेक्स पाईपसिल : ३६ घंटे ।

सूचना : एडेसिव को पतला करने के लिए आर्मफ्लेक्स क्लिनर का इस्तेमाल उचित नहीं है। ठंडी जगहों पर एडेसिव के आसानी से लगाने के लिए उसे उबलते हुए पानी के उपर गरम कर ले।

गरम और आर्द्र परिस्थितीयों में एडेसिव को इस्तेमाल में लाने की प्रक्रिया :

गरम और आर्द्र जगहों पर एडेसिव के द्रावक का जल्दी वाष्पीकरण होता है। जिससे एडेसिव के ऊपर नमी के कारण पतली परत जम जाती है। इस कारण एडेसिव की विश्वासार्हता कम होकर परिणाम स्वरूप वो दोनों सिवन मजबूतीसे जोड़ नहीं पायेगी।

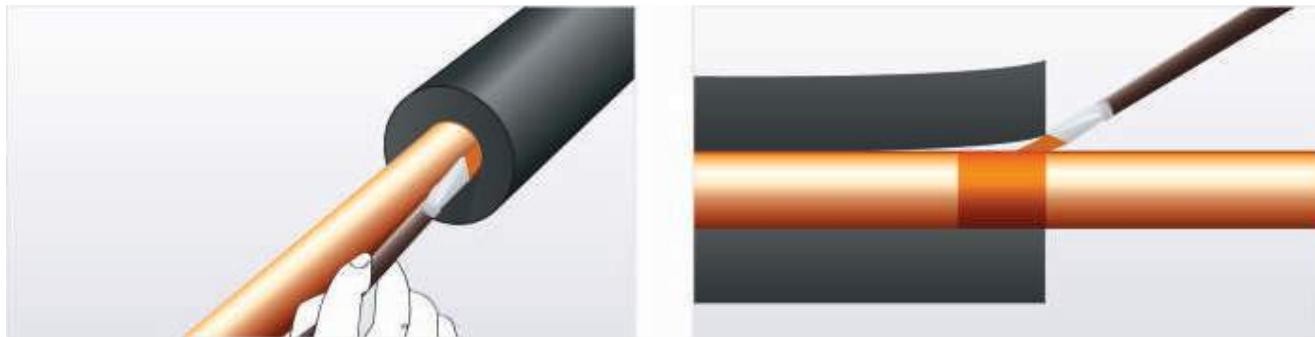
इन परिस्थितीयों में संप्रयोग नियमों के लिए निम्नलिखित बातों का ध्यान रखें-

- दोनों सतहों पर आर्मफ्लेक्स एडेसिव की एकसमान पतली परत लगाए।
- अन्य जोड़ों को सामान्य तरीके से जोड़ने की विधि के विपरीत, जिन दोनों सतहोंको चिपकाना है उन्हें, एडेसिव गीला हो तभी एकसाथ पकड़कर दबाव के साथ चिपकाए।

सूचना – स्थिरता समय कम होने की वजह से एडेसिव को सीमित जगह पर ही लगा सकते हैं। वातावरण की आर्द्रता, तापमान, मोटाई और प्रयोग के समय अन्य बातों को ध्यान में रखकर एडेसिव परत की मोटाई १ मिटर तक रखें।

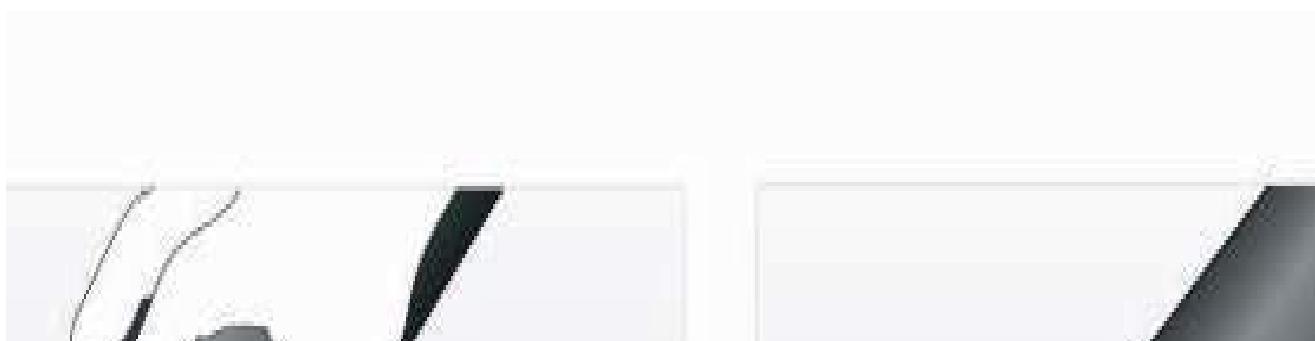
लगाये गए एडेसिव को तनाव या सिवन पर सॉल्वेंट के जमाव से बचाने के लिए, सिवन को एक साथ जोड़ने के तुरंत बाद आर्माफ्लेक्स टेप से बंद करें। टेप को हर २० से.मि. दूरी पर ९० कोण पर लगाएं।

सपाट जोड़ सीलबंदी की प्रक्रिया



१ जब पाईप ठंडा हो (अर्थात् उपयोग में ना हो) तब आर्माफ्लेक्स शीट/ट्युब को एडेसिव इस्तेमाल करके पाईप की सतह पर लगाएं।

२ एडेसिव परत की चौड़ाई कम से कम इन्स्युलेशन की मोटाई के बराबर हो।



३ अंततः गीले एडेसिव से बंद करने के लिए, नाखून से ट्युब/शीट जोड़ (बट) हिस्सों को थोड़ा दूर करके एक पतली परत पतले ब्रश से लगाएं।

४ जोड़ को उंगलियों और अंगूठे से मजबूत और समान दबाव देकर काम पूरा करें।

सूचना – इसके अतिरिक्त, जब पाईप गरम हो (उपयोग में हो या बाहरी वातावरण में हो) तब भी उपरोक्त विधि से काम करने की हम सलाह देते हैं।

बाह्य वातावरण में आर्माफिलेक्स का उपयोग

जब भी आर्माफिलेक्स का उपयोग बाह्य वातावरण में करें (एच टी/आर्माफिलेक्स के अलावा) तब जरुरी है कि उसे पेंट करें, और ढँककर रखें।



आर्माफिलेक्स - यह पानी मिश्रित संरक्षक रंग है। अल्ट्रावॉयलेट संरक्षण के लिये दो परतें लगाना जरुरी है।

पहली परत इन्स्युलेशन लगाने के तुरंत बाद लगाएं। दूसरी परत सात दिन के अंदर लगाना जरुरी है।

२ सामान्यत खपत (लिटर/क्षेत्रफल (एम))

	एल/एम ^३	एम ^३ /एल	गीली फिल्म/एम एम	सूखी फिल्म एम एम
प्रथम परत	०.२७५	३.६	०.२७५	०.१३
द्वितीय परत	०.२७५	३.६	०.२७५	०.१३
कुल	०.५५०	९.८	०.५५०	०.२६



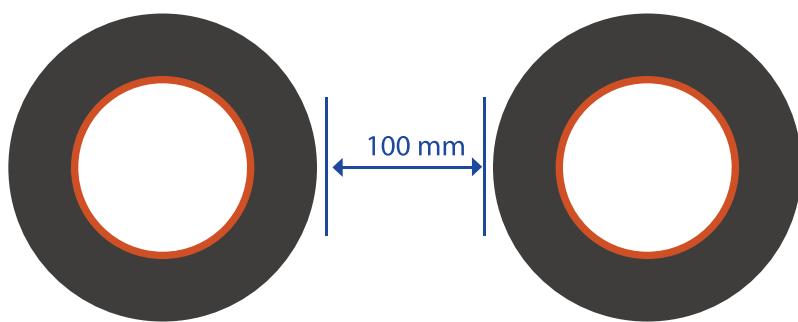
अल्ट्रावॉयलेट अवरोधक एच.टी - आर्माफिलेक्स का इस्तेमाल बाह्य वातावरण में, बिना अतिरिक्त अल्ट्रावॉयलेट संरक्षण के, किया जा सकता है।



यदि अतिरिक्त मेकेनिकल संरक्षण अथवा खराब मौसम से संरक्षण जरुरी हो तो आर्मा - चेक कवरिंग सिस्टीम का उपयोग करे, जो जो एक गैर धातु आवरण का विकल्प प्रदान करता है। कृपया इसके प्रयोग के लिये आर्मचिक लगाने की नियमावली को पढ़ ले।

रेफ्रिजरेशन और ए.सी का इन्स्युलेशन की प्रक्रिया

- आर्माफ्लेक्स लगाने से पहले जंग पाईप और टैंक की सतहों को जंग मुक्त करे। सामान्यतः एंटी-करोजन (जंगरोधक) इपॉक्सी या पॉलियुरीथीन युक्त रंग आर्माफ्लेक्स के साथ एडेसिव के लिए उपयुक्त है। कृपया अधिक जानकारी के लिये “जंगनिरोधक पाईप” पढ़े।
- सामान्य प्रचलित इन्स्युलेशन विधि में वाष्प रोधक सिल में जरा सी भी दरार होने से आर्द्रता इन्स्युलेशन के सतह के अंदर प्रवेश कर सकती है, किंतु आर्माफ्लेक्स एडेसिव के पाईप के छोर पर इस्तेमाल से तथा और अधिक मात्रा में एडेसिव को टी, एलबो, सपोर्ट्स में जोड़ो पर मजबूती से लगाने से पानी और वेपर से पूरी तरह बचाव होता है।
- इस तरह पाईप पर आर्माफ्लेक्स लगाने से, इन्स्युलेशन सिस्टम को अलग अलग भागों में बाँटा जा सकता है। जिससे किसी भी भाग में हुए नुकसान (डैमेज) का आसानी से पता लगता है।
- जोड़े हुए भागों पर समान मोटाई का इन्स्युलेशन लगाए।
- एकदम सटे हुए बर्फिले पानी के पाईप पर तथा रेफ्रिजरेटर इक्वीपमेन्ट पर इन्स्युलेशन ना लगाए। इन्स्युलेटेड इक्वीपमेन्ट के बीच में उचित रूप से खाली जगह छोड़े। जिससे सहज संवहन (कन्वेक्शन) हो। सहज संवहन (कन्वेक्शन) के कारण हवा का आंदोलन ठंडे पाईपों का कंडेसेशन से बचाव करता है।



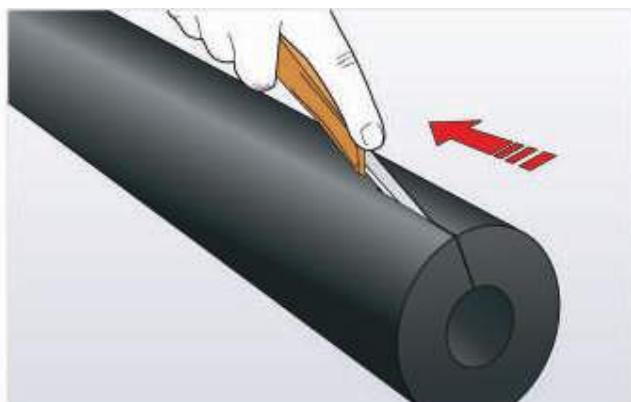
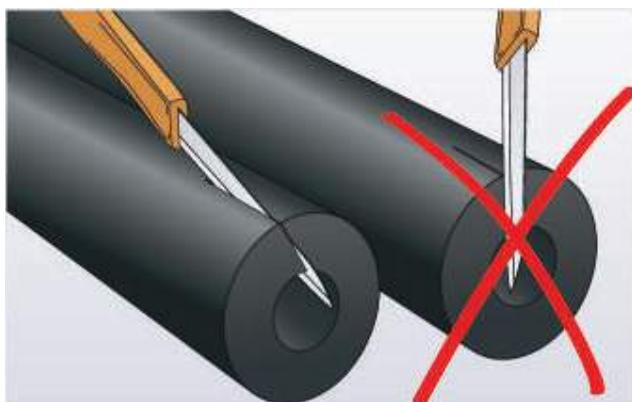
स्टेनलेस स्टील पाईप को इन्स्युलेट की प्रक्रिया

स्टेनलेस स्टील पाईप को आर्माफ्लेक्स से इन्स्युलेट करनेसे पहले हमारे ग्राहक सेवा विभाग से परामर्श करें।

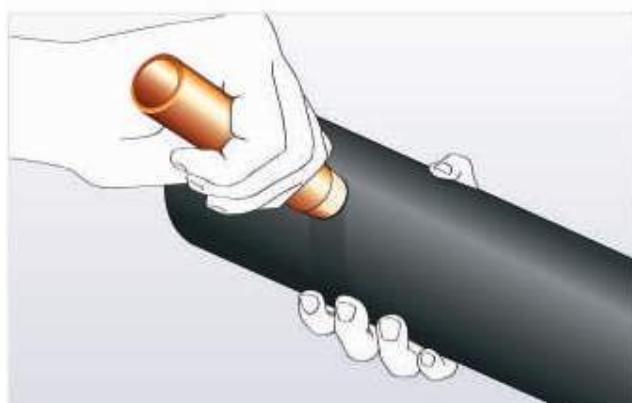
पाईप्स और फिटिंग्स

आर्माफ्लेक्स ट्युबस से पाईप्स और फिटिंग्स को इन्स्युलेट की प्रक्रिया

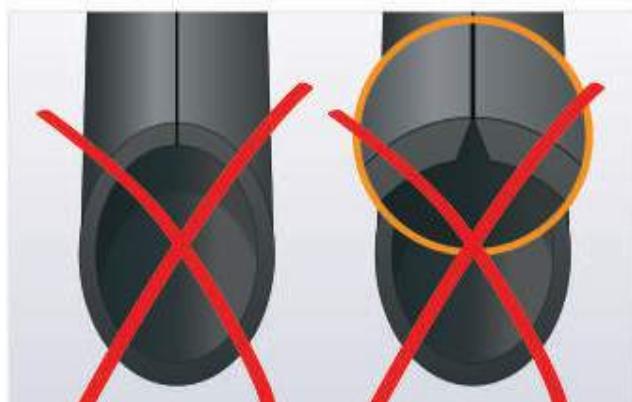
आर्माफ्लेक्स नली को (ट्युब) काटने का तरीका



धारवाला चाकू इस्तमाल करे, काटते वक्त चाकू को सतह के साथ न्यूनतम कोण में रखे।



पाईप में छेद करने के लिये धार किये हुए पाईप के टुकड़े का इस्तेमाल करें।



हमेशा नली (ट्युब) को सपाट सतह की तरफ काटे।

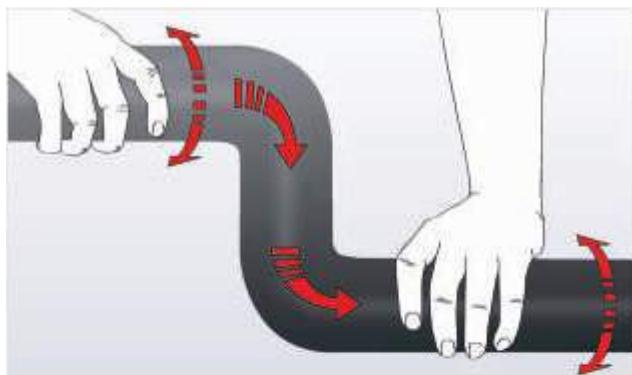
नये पाईप पर स्लीव्ह-ऑन विधि से इन्स्युलेशन लगाने की प्रक्रिया

मुख्यतः आर्माफलेक्स ट्युब आसानी से मुड़े हुए पाईप पर चढ़ाई जा सकती है।

लेकिन संकीर्ण मुड़े हुए पाईप पर (जैसे कि छोटे छेद वाला पाईप) इन्स्युलेशन में बाक पड़ने सेउसकी मोटाई कम हो सकती है। रेफ्रिजनरेशन और कंडिशनिंग के क्षेत्र में इन्स्युलेशन की मोटाई का अनुमान लगाना और कठिन होता है, और इस कारण इन्स्युलेशन की परत पर आर्द्धता जम सकती है। स्वयं-चिपकने वाले ट्युब को पाईप के मुड़े हुए क्षेत्र पर लगाते समय दबाव के कारण चिपकने वाली परत सीवन से बाहर आ सकती है।

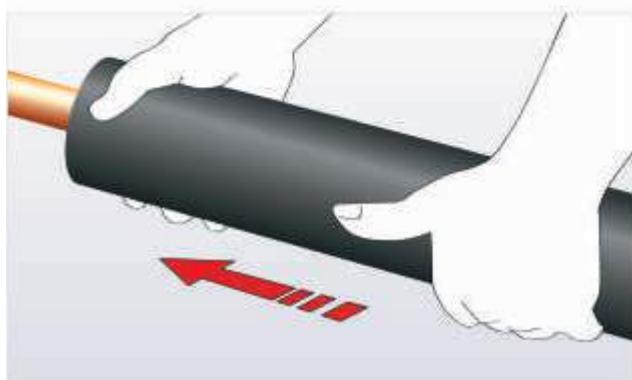
इन स्थितियों में निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना जरूरी है।

अगर इन्स्युलेशन में बांक आता है या एडेसिव सीवन पर दबाव आता है तो मुड़े हुए पाईप को सलीके से सही हिस्से में काटे (कृपया पृष्ठ २३ पर दिये गये “आर्माफलेक्स ट्युबके उपयोग से मध्य मे एक मोड़ हिस्सा (२+१) जोड़ने की प्रक्रिया” देखें) इन परिस्थितियों में हमारी सलाह है कि स्टैंडर्ड नॉन स्टिक एडेसिव ट्युबस ही इस्तेमाल में लाये।

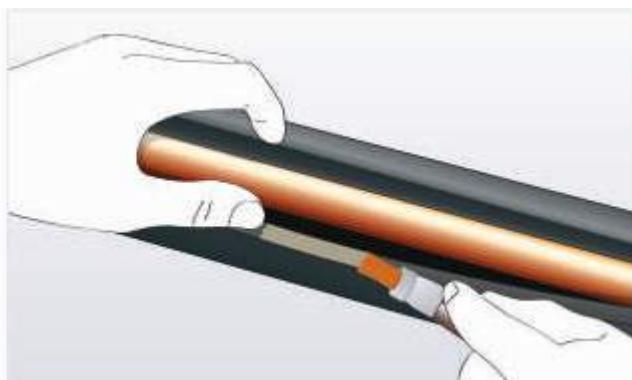
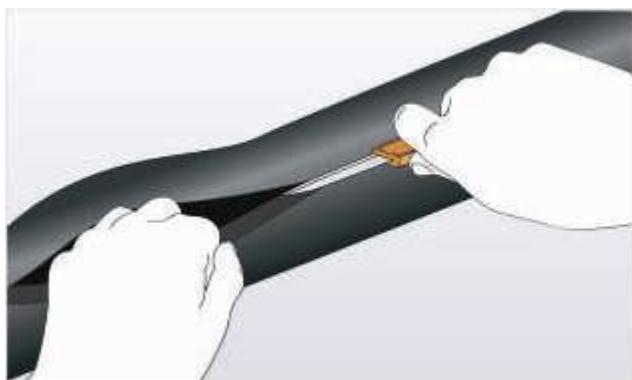


सूचना :- आर्माफलेक्स ट्युब को नली के साथ खींचने का प्रयास ना करें। इससे इन्स्युलेशन टूट सकता है।

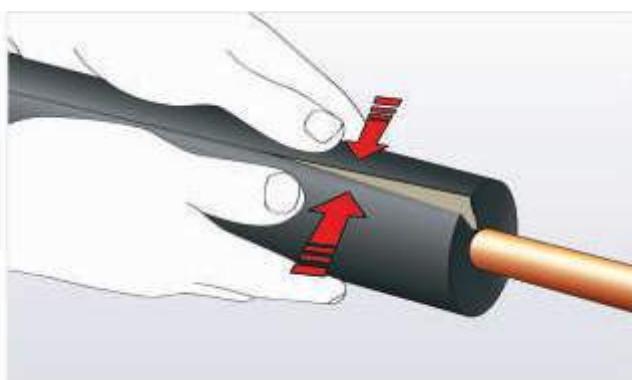
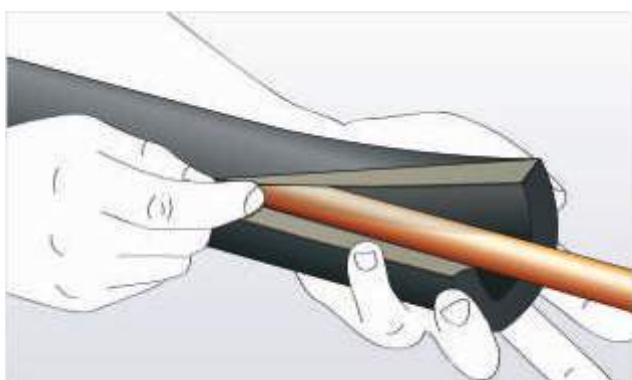
हमेशा आर्माफलेक्स ट्युब को पाईप पर, नीचे बताये गये तरीके से चढ़ाएं।



वर्तमान स्थित पार्झप पर स्नैप ऑन तरीके से इन्स्युलेट करने

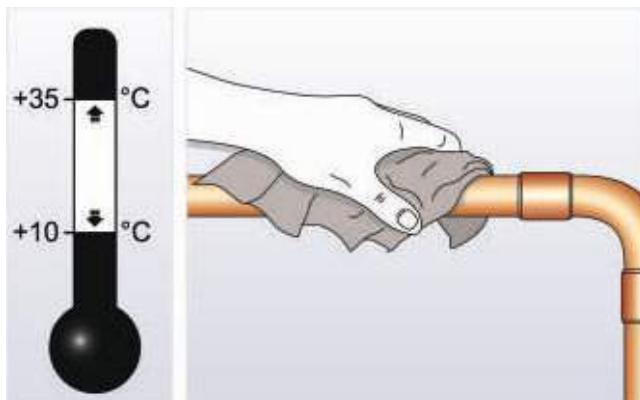


- १ धारदार चाकू से ट्युब की ऊपरी (बिनकटी) सतह को पूर्ण लंबाई में काटे।
- २ कटी हुई ट्युब को साफ पार्झप पर चढ़ाये तथा आर्माफ्लेक्स एडेसिव की पतली परत काटे हुए ट्युब के दोनों भागों को छोटे ब्रिस्टल ब्रश से पूर्ण लंबाई तक लगाए।

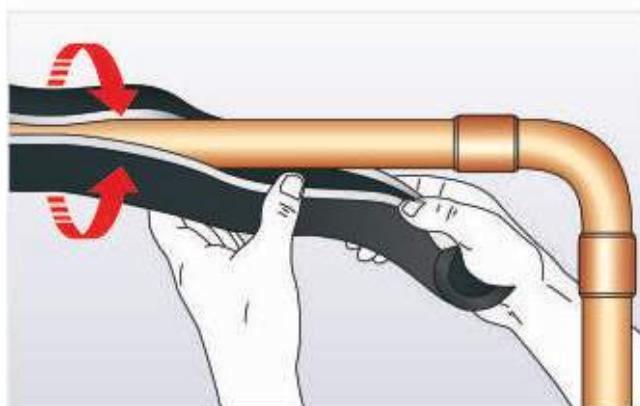


- ३ एडेसिव को सूखने दे, सूखे हुए एडेसिव का उंगलियों के नाखून से परीक्षण करे।
- ४ पार्झप सिवन खोले, किनारों को लाईन में लाकर और सम दबाव देकर जोड़े।

आर्माफलेक्स स्वयं चिपकनेवाली (सेल्फ सील) ट्युब के जरिये पाईप को इन्स्युलेट करने की प्रक्रिया



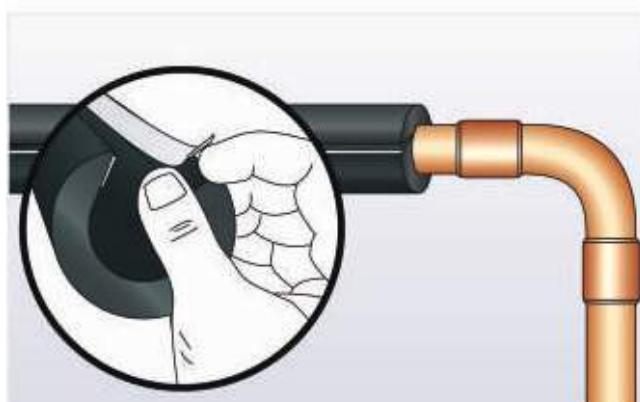
पाईप पर जमी हुई धूल, कचरा, तेल और पानी साफ करें। जरुरी होने पर आर्माफलेक्स क्लीनर इस्तेमाल करें। बाहरी तापमान $+10^{\circ}\text{C}$ से $+35^{\circ}\text{C}$ सेल्सियस में आर्माफलेक्स लगाये।



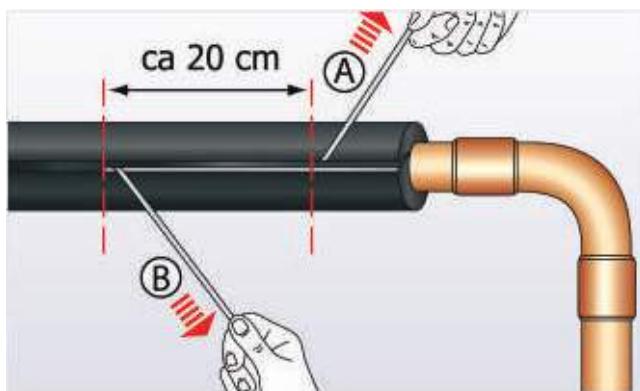
पहले से काटा हुआ आर्माफलेक्स पाईप के ऊपर चढ़ाये। ध्यान रहे रिलीज पेपर अभी तक स्वयं-एडेसिव पट्टी को सुरक्षित रखे हुए हैं।



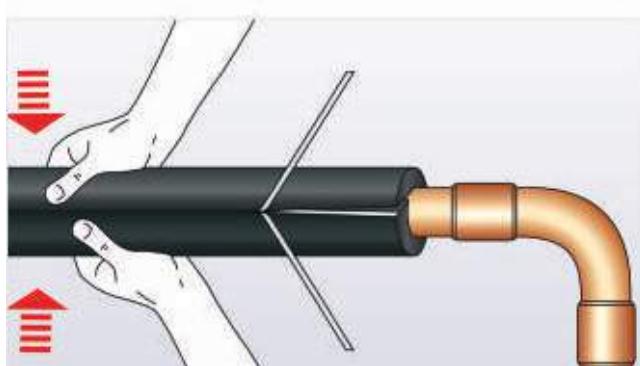
चढ़ाये हुए आर्माफलेक्स को ठीक करे जिससे कि कटे हुए भाग तक आसानी से पहुँचा जा सके।



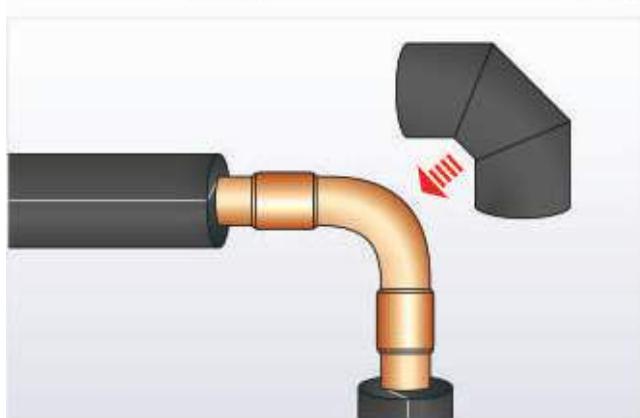
सफेद रिलीज पेपर के छोर को देखे (खोजे)।



सफेद इन्स्युलेशन संरक्षक पेपर को दोनों सतहों से खींचकर निकालें। कृपया ध्यान दें। पेपर दोनों

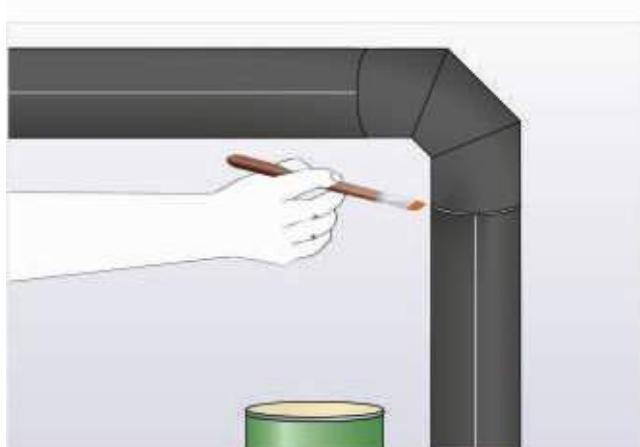


सतहों से निकालना बहुत जरुरी है।



दरार को बंद करे और दबाव दें। ताकि जोड़ पक्का हो जाये।

ऐसे ही उपर दिये तरीके से सभी सीधे पाईप को इन्स्युलेट करें। अंततः एल-बो, टी मोड़ इत्यादि को इन्स्युलेट करने की विधि के लिये कृपया पृष्ठ २३ पर दिये गये ("आर्मफिलेक्स ट्युब के उपयोग से मध्य में एक मोड़ हिस्सा (२+१) जोड़ने की प्रक्रिया") देखें।

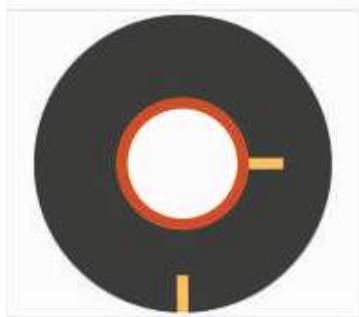


सूचना: साधारणतः आर्मफिलेक्स ट्युब आसानी से मुड़े हुए (बेंड) पाईप पर चढ़ाया जा सकता है, लेकिन संकीर्ण मुड़े हुए पाईप पर (छोटी त्रिज्यावाला / टाईट बेंड) मोड़ पर लगे इन्स्युलेशन में बांक पड़ने से उसकी मोटाई कम हो सकती है। रेफ्रिजनेशन और कंडिशनिंग के क्षेत्र में इन्स्युलेशन की मोटाई का अनुमान लगाना और कठिन होता है, और इस कारण इन्स्युलेशन की परत पर आर्द्धता जम सकती है। स्वयं-चिपकने वाले ट्युब को लगाने में पाईप के मुड़े हुए क्षेत्र में दबाव के कारण चिपकने वाली परत सीवन से बाहर आ सकती है।

इन स्थितियों में निम्न बातों का ख्याल रखना जरुरी है। अगर इन्स्युलेशन में बांक आता है या एडेसिव सीवन पर दबाव आता है तो मुड़े हुए पाईप को सलीके से सही हिस्से में काटें।

पाईप पर बहु परत इन्स्युलेशन की प्रक्रिया

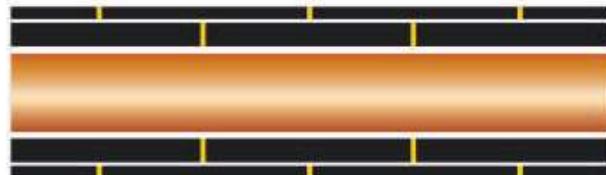
पाईप पर क्रमबद्ध इन्स्युलेशन : अनुप्रस्थ काट दृश्य (क्रॉस सेक्शन)



ट्यूब के साथ बहु इन्स्युलेशन की प्रक्रिया

दूसरी बड़ी वाली ट्यूब के अंदरूनी व्यास का चयन पहली ट्यूब के बाहरी व्यास के हिसाब से तय करें।

- पाईप पर क्रमबद्ध इन्स्युलेशन की प्रक्रिया : अधोमुखी काट दृश्य (लॉगिट्युडनल)



पीले रंग की लाईन चिपकाए हुए एडेसिव की परत दर्शाती है।

टयुब और चादर एकत्रित जोड़ के बहु परत इन्स्युलेशन की प्रक्रिया

यदि पहली पाईप का व्यास अधिक बड़ा हो तो (कृपया पृष्ठ क्र. ३१ पर दिये “आर्माफ्लेक्स चादर विवरण” देखें) हम यह सलाह देते हैं कि दूसरी परत आर्माफ्लेक्स चादर की हो जिस कारण यह आसानी से पहली पाईप के बाहरी व्यास से जुड़ जायेगी।

आर्माफ्लेक्स चादर से पाईप पर बहु परत इन्स्युलेशन की प्रक्रिया

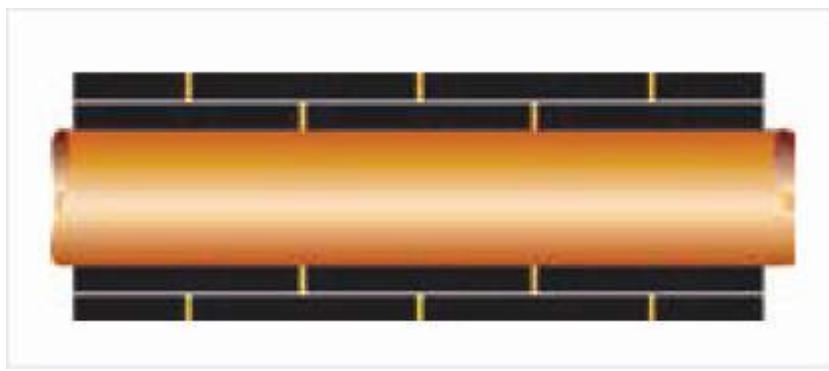
साधारणत: आर्माफ्लेक्स चादर से ८९ मि.मि. तक बाहरी व्यासवाले पाईप पर इन्स्युलेशन कर सकते हैं। इन्स्युलेशन परत की उचित मोटाई पाईप के बाहरी व्यास के अनुसार पृष्ठ नं ३१ पर दिये हुए तर्फते को देखकर करें।

सूचना :-

दूसरी पाईप या चादर के छोर पहली आर्माफ्लेक्स परत से चिपके होना आवश्यक है। अगर अंदरुनी इन्स्युलेशन की परत निकलने की आशंका हो तो उसे अच्छे से चिपकाना जरुरी है। जब पाईप का व्यास ६०० मि.मि. से ज्यादा हो तो पाईप के दोनों सतहों पर पूरी तरह से एडेसिव लगाना आवश्यक है।

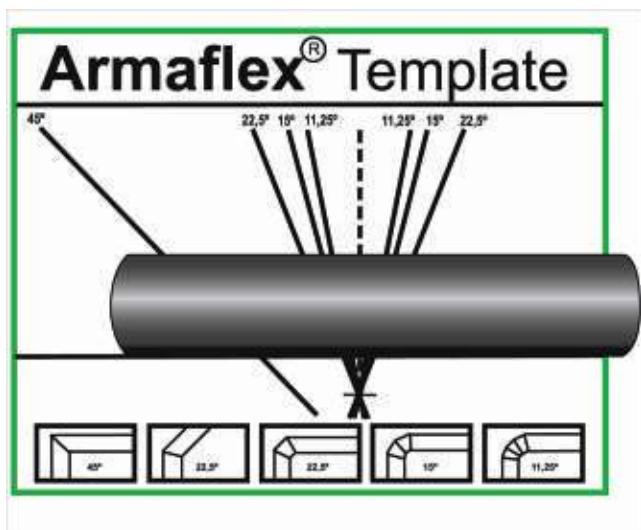
इन्स्युलेशन के निचली बाजू को जंग से बचाने के लिये (सी यु आय) पुरी सतह पर एडेसिव लगाना उचित है।

समतल क्षेत्र वाले चादर की बहु परत इन्स्युलेशन की प्रक्रिया



- बहु परत इन्स्युलेशन करते समय पहली परत लगाने के लिये संपूर्ण क्षेत्र में एडेसिव लगायें।
- दूसरी परत को आर्माफ्लेक्स की पहली परत के साथ मजबूती से जोड़ें।
- समतल वस्तु के नीचेवाले हिस्से में संपूर्ण व्यास क्षेत्र में एडेसिव लगायें।
- **साधारणत:** दूसरी परत के बट जोड़ों (बट जॉइन्ट्स) और लंबी सीवन वाले क्षेत्र को पहली परत वाले बट जोड़ों (बट जॉइन्ट्स) और लंबी सिवन वाले क्षेत्र से दूरी बनाकर रखें।

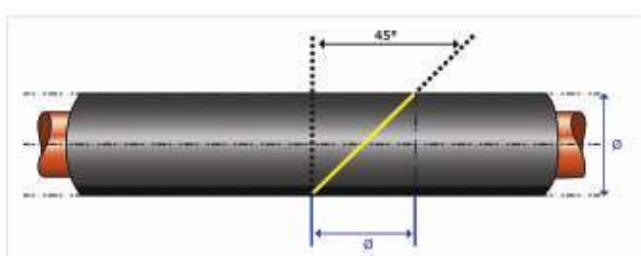
आर्माफ्लेक्स आकार पट्ट (टेम्प्लेट) का उपयोग / इस्तेमाल करने



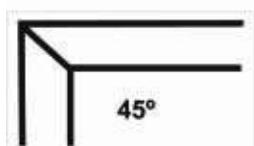
आर्माफ्लेक्स का इस्तेमाल करके मोड बनाना (बैंड्स) और टी बनाने के लिये ट्युबस को विविध कोण में काटना जरुरी है। इस विधि को आसान और शीघ्र बनाने के लिये प्रत्येक आर्माफ्लेक्स पेटी पर लगे आकार पट्ट (टेम्प्लेट) का उपयोग करें।

- १ आर्माफ्लेक्स टेम्प्लेट की एक प्रति मेज पर (वर्क टेबल) अथवा कार्यशाला में उचित जगह पर लगाये रखें।
- २ आर्माफ्लेक्स ट्युबस को समस्तर आधार रेखा (बेस लाईन) के साथ समांतर रखें।

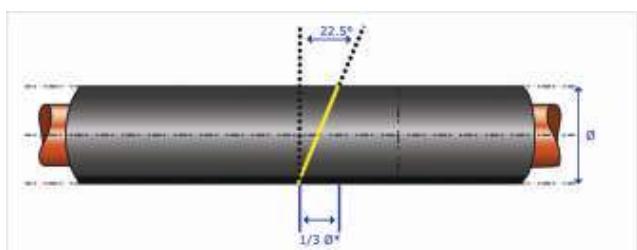
१० कोण वाले मोड पर आर्माफ्लेक्स ट्युब इन्स्युलेशन लगाने



सूचना – पीले रंग की रेखा काटने की जगह निर्देशित करती है। सही कोण के चयन के लिये आर्माफ्लेक्स टेम्प्लेट, जो कि ट्युब पेटी पर लगाई गई है, का उपयोग करें।



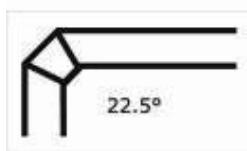
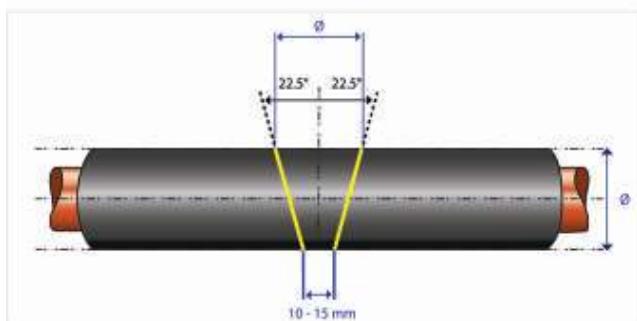
आर्माफ्लेक्स ट्युब के उपयोग से ४५ कोण का पाईप मोड बनाने



०* ४५ कोण बनाने के लिये व्यास (\varnothing) का प्रयोग मोटे अनुमान के तौर पर किया गया है।

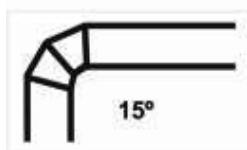
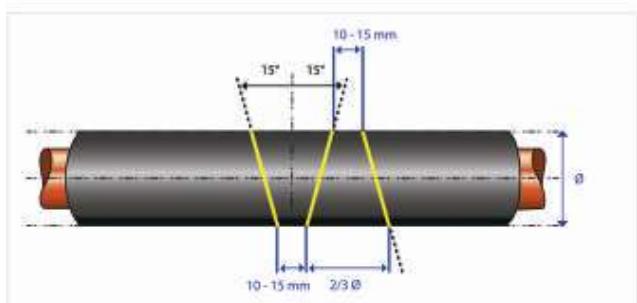
सूचना – पीले रंग की रेखा काटने की जगह निर्देशित करती है। सही कोण के चयन के लिये आर्माफ्लेक्स टेम्पलेट, जो कि ट्युब पेटी पर लगाई गई है, का उपयोग करें।

आर्माफ्लेक्स ट्युब के उपयोग से मध्य में एक मोड हिस्सा (२+१) जोड़ने की प्रक्रिया



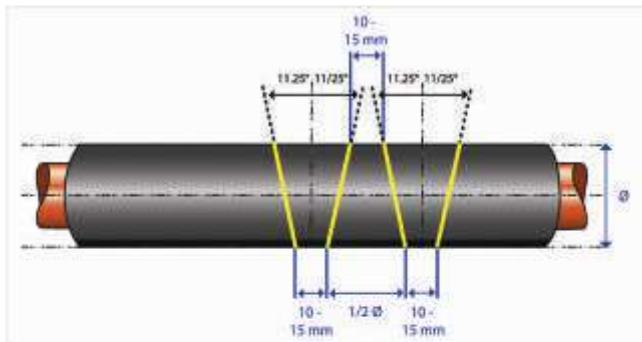
सूचना – पीले रंग की रेखा काटने की जगह निर्देशित करती है। सही कोण के चयन के लिये आर्माफ्लेक्स टेम्पलेट, जो कि ट्युब पेटी पर लगाई गई है, का उपयोग करें।

आर्माफ्लेक्स ट्युबके उपयोग से मध्य में दो मोड हिस्सो (२+२) से जोड़ने की प्रक्रिया

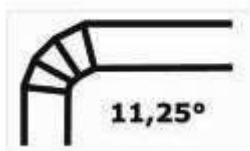


सूचना – पीले रंग की रेखा काटने की जगह निर्देशित करती है। सही कोण के चयन के लिये आर्माफ्लेक्स टेम्पलेट, जो कि ट्युब पेटी पर लगाई गई है, का उपयोग करें।

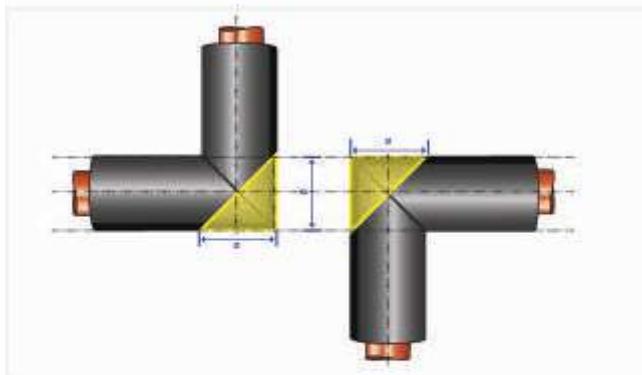
आर्माफ्लेक्स ट्युब के उपयोग से मध्य में तीन मोड़ हिस्सों (२+३) से जोड़ने की प्रक्रिया



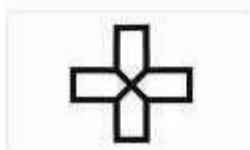
सूचना – पिले रंग कि रेखा काटने की जगह निर्देशित करती है। सही कोण के चयन के लिये आर्माफ्लेक्स टेम्पलेट, जो कि ट्युब पेटी पर लगाई गई है, का उपयोग करें।



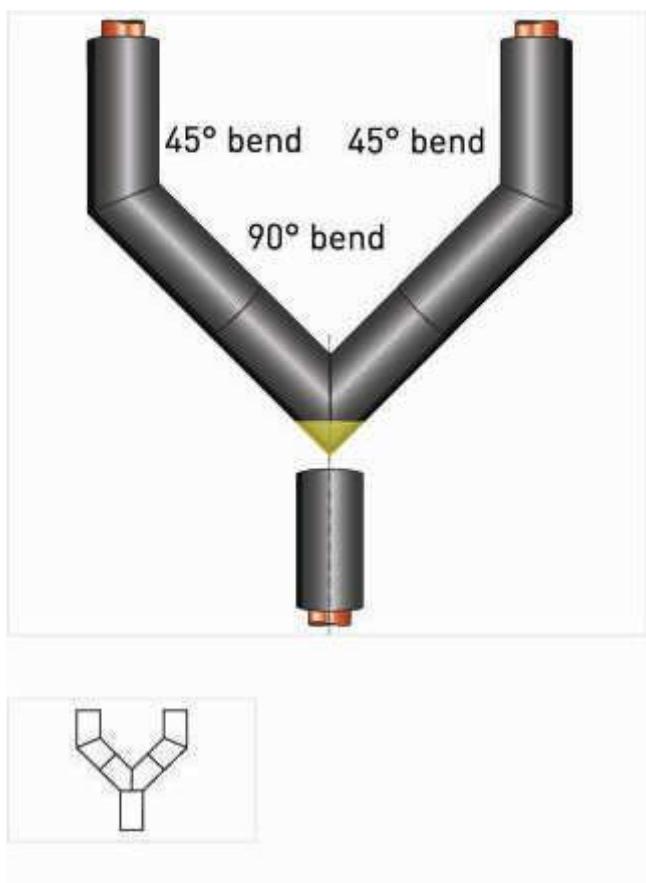
आर्माफ्लेक्स ट्युब के उपयोग से क्रॉसपीस जुड़ाव करने की प्रक्रिया



सूचना – पीले रंग की रेखा काटने की जगह निर्देशित करती है। सही कोण के चयन के लिये आर्माफ्लेक्स टेम्पलेट, जो कि ट्युब पेटी पर लगाई गई है, का उपयोग करें।



आर्माफ्लेक्स ट्युब के उपयोग से वाय ट्युब बनाने की प्रक्रियासूचना



सूचना – पीले रंग की रेखा काटने की जगह निर्देशित करती है। सही कोण के चयन के लिये आर्माफ्लेक्स टेम्पलेट, जो कि ट्युब पेटी पर लगाई गई है, का उपयोग करें।

०० उसके बाद दो ४५ कोण मोड़ पार्सप और एक ९० कोण मोड़ पार्सप बनाएं।

आर्माफ्लेक्स ट्युब के उपयोग से घुमा हुआ टी. बनाने की प्रक्रियासूचना

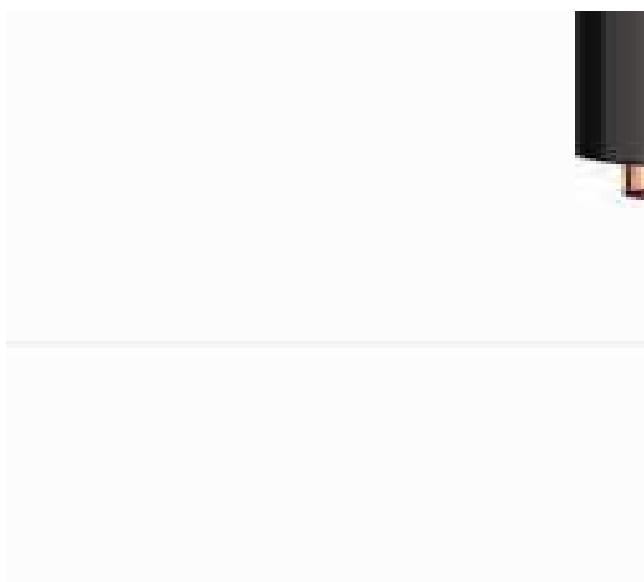


सूचना – पीले रंग की रेखा काटने की जगह निर्देशित करती है। सही कोण के चयन के लिये आर्माफ्लेक्स टेम्पलेट, जो कि ट्युब पेटी पर लगाई गई है, का उपयोग करें।

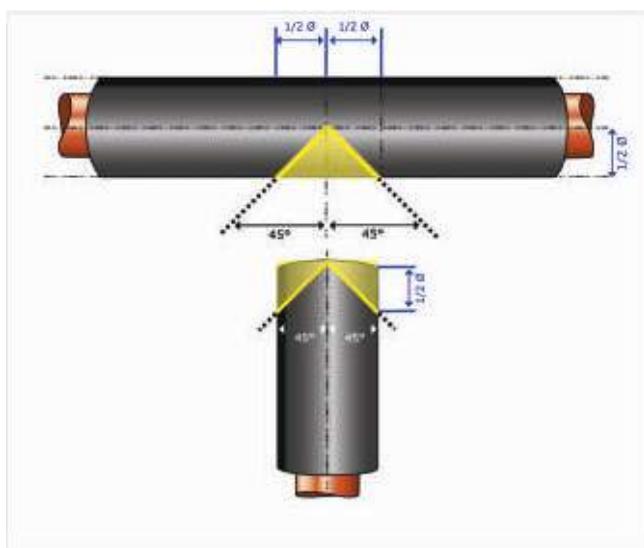
आर्माफ्लेक्स ट्यूब के उपयोग से टी. बनाने की प्रक्रिया

विधि क्रं. १: छिद्र किये गये पाईप से “टी” बनाए

सूचना – पीले रंग की रेखा काटने की जगह निर्देशित करती है।



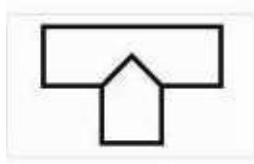
- १ ट्यूब के दोनों छोर ४५ कोण में (जैसे कि दर्शाया गया है) शाखा बनाने के लिये काटिए। कलमी जोड़ (मीटर ब्लॉक) या आर्माफ्लेक्स टेम्प्लेट का उपयोग करें।
- २ ट्यूब के प्राथमिक हिस्से के लिये ९० कोण की फन्नी (वेज) बनाए। यह फन्नी शाखा वाले पाईप के बाहरी व्यास के बराबर होना जरुरी है।
- ३ पहले से कटे हुए टुकड़ों को एडेसिव जोड़कर टी बनाए।
- ४ टी आकार में बनाए गए टुकड़ों को बाजुओं पर तेज धारवाले चाकू से काटे। सिवन पर एडेसिव लगाए, और थोड़ा सूखने के बाद जोड़ दें।



विधि क्रं. २: कलमी जोड़ (मीटर ब्लॉक) पाईप से “टी” बनाए

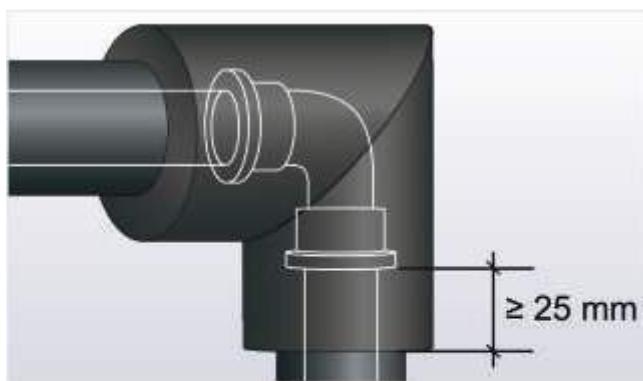
सूचना – पीले रंग की रेखा काटने की जगह निर्देशित करती है। सही कोण के चयन के लिये आर्माफ्लेक्स टेम्प्लेट, जो कि ट्यूब पेटी पर लगाई गई है, का उपयोग करें।

- १ पहले से काटे हुए टुकड़ों को लगाके टी बनाएं।
- २ टी में बनी दरारों को खोले और पाईप के ऊपर चढ़ाए / बिठाए।



युग्मन से जुड़े हुए पार्ट्स (कपलींग पार्ट्स जॉईंट्स) के ऊपर इन्स्युलेशन करने की प्रक्रिया

विधि १ : अतिकाय (ओव्हर साईज) ९० कोणवाला पार्ट्स मोड़



पार्ट्स पर युग्मन (कपलींग) के किनारे तक आर्माफ्लेक्स ट्युब चढ़ाएं और एडेसिव से चिपकाये।

- फिटिंग आच्छादन, जो कि अतिकाय (ओव्हर साईज) ट्युब से बनाया गया है, के छिद्र का व्यास अंदर लगनेवाले पार्ट्स के बाहरी व्यास के बराबर रखें। फिटिंग कव्हर को पार्ट्स के ऊपर युग्मन (कपलींग) के दोनों बाजू २५ मि.मि. ज्यादा जगह व्यास करके लगाएं। (यह दूरी इन्स्युलेशन लगाने की विधि’’)

- पार्ट्स की मोटाई के अनुसार २५ मि.मि. से ज्यादा रखें।) फिटिंग कव्हर दिये हुए विधि के अनुसार बनाये (पृष्ठ २२ पर “९० पर कोण वाले मोड पर आर्माफ्लेक्स ट्युब इन्स्युलेशन लगाने की विधि”)
- पार्ट्स मोड पर सरकाए गए भाग को चीरकर सीवन में एडेसिव लगाये और थोड़ा सूखने पर लगा दें और गीले सील से अतिच्छादित करें।

विधि २ : समतल ९० कोणवाला पार्ट्स मोड



- फिटिंग कव्हर (ढक्कन), जो कि आर्माफ्लेक्स ट्युब से बनाया गया है, का अंदरूनी व्यास पैचदार फिटिंग के बाहरी व्यास के हिसाब से हो। फिटिंग के दोनों सिरे पर कव्हर कम से कम ४० मि.मि. ज्यादा व्यास रखें।

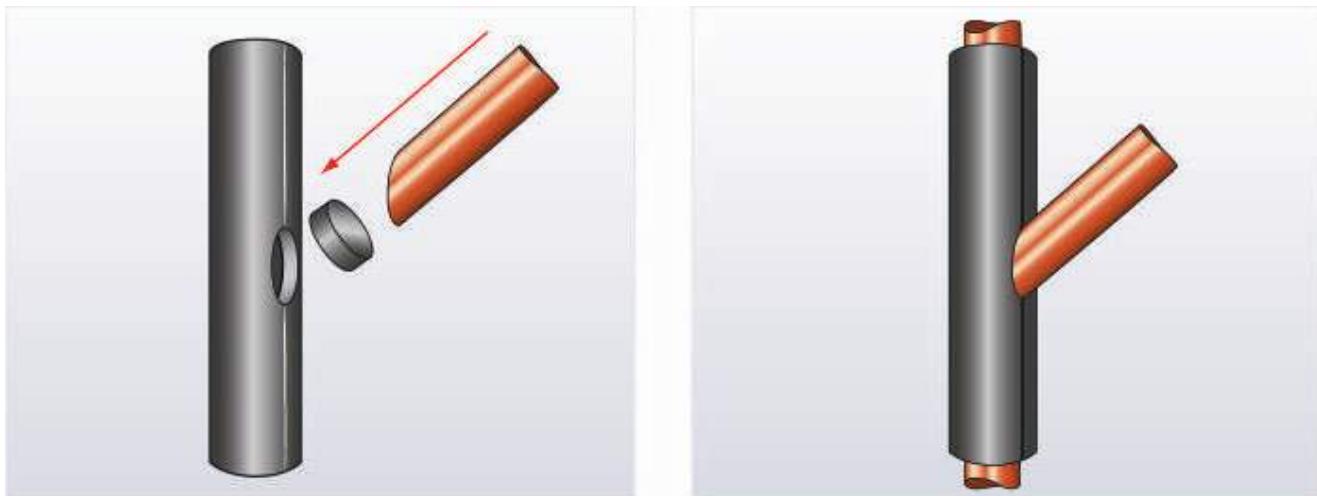
- ३५ मि.मि. व्यास पार्ट्स के लिये दो फन्नी के आकार के दो भाग १६० कोण में मध्य रेखा के

ऊपर और नीचे के दोनों सिरों पर लगाए। बड़े व्यास वाले पार्ट्स के लिये चार भाग ९० कोण में लगाए। फन्नी का टेपर उसी बिन्दु पर मिले जहा से फिटिंग शुरू होता हो और ऐसे आकार के होने चाहिए, जिससे आर्माफ्लेक्स का भीतरी व्यास/मोटाई आनेवाले पार्ट्स के बाहरी व्यास के बराबर हो जाए। रिड्युसर के सिवन पर एडेसिव लगाए।

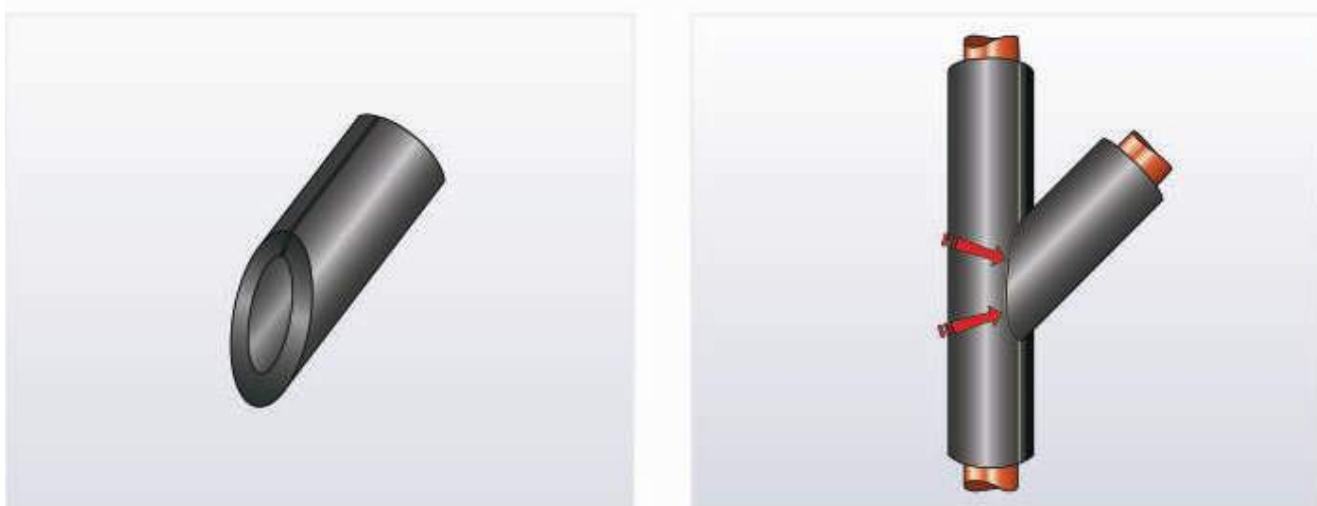
- पार्ट्स मोड पर सरकाए गए भाग को चीरकर सीवन में एडेसिव लगाये और थोड़ा सूखने पर लगा दे। अंत में आखिरी सिरों को आर्माफ्लेक्स एडेसिव (गीला) लगाकर जोड़ दें।

आर्माफ्लेक्स ट्युब के उपयोग से कोणीय “टी” बनाने की प्रक्रिया

विधि क्र. १:



१ उचित व्यास का तांबे का धार किया हुआ पाईप लेकर उससे मुख्य पाईप को ढँकने वाली ट्युब में छिद्र कीजिए, ब्रांच पाईप के हिसाब से कोण बनाने में सहायता बरतें।



२ ट्यूब के अंत में ब्रांच पाईप में कटे हुए हिस्से के समानांतर ४५ का कोण बनाये, धारदार चाकू से ब्रांच पाईप में अर्धवृत्त काटे, कटी हुई जगह अधिक गहरी होना उचित है।

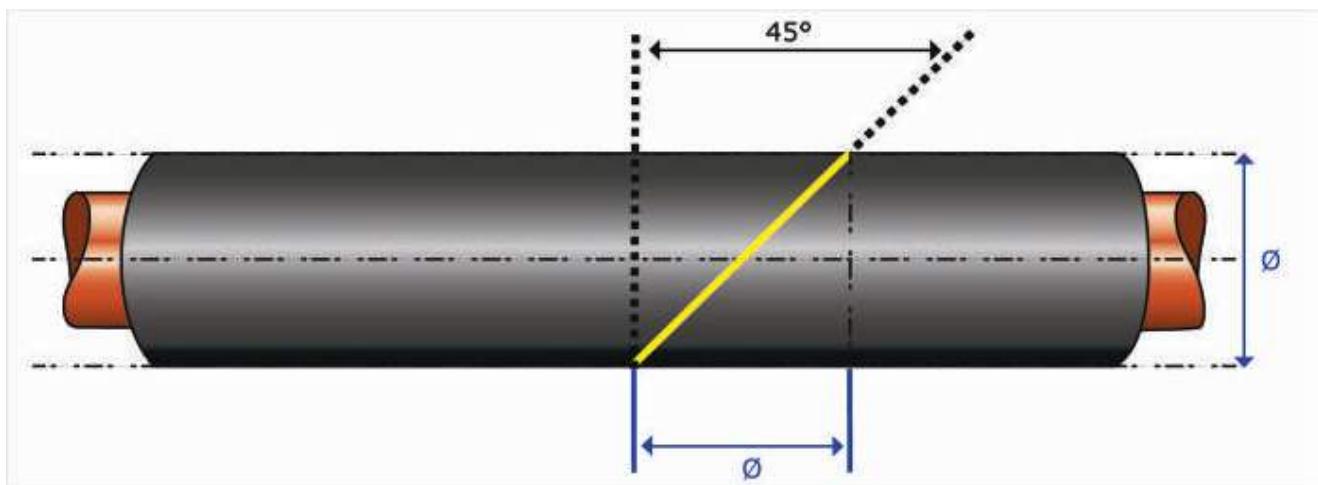
३ दोनों टुकड़ों को आर्माफ्लेक्स एडेसिव से जोड़े।

४ आकार दिये हुए टुकड़े के सीवन को एडेसिव से चिपकाये और सूखने दे।

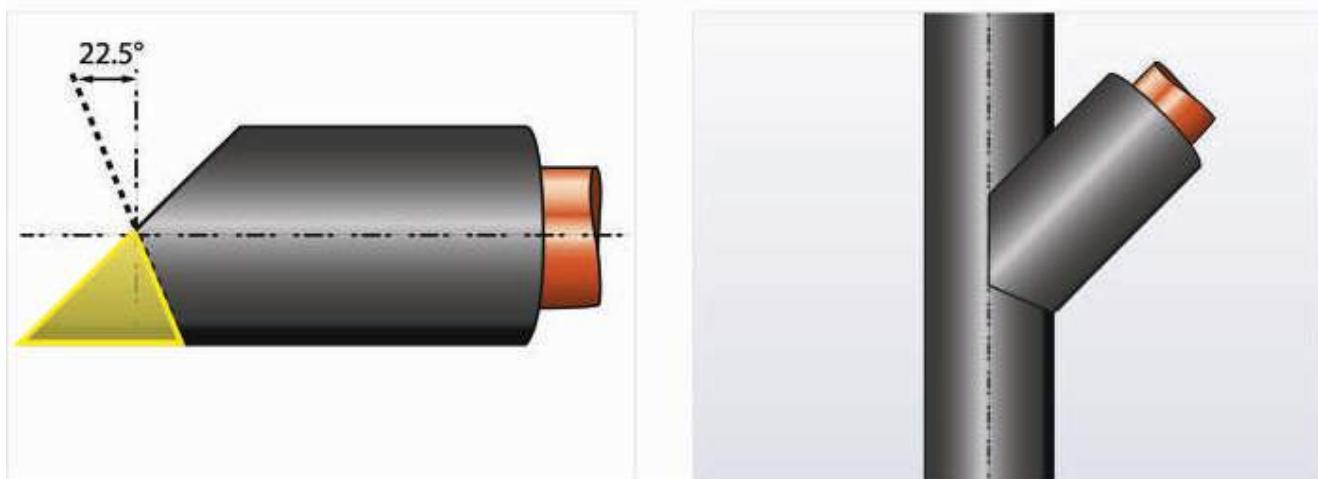
विधि क्र. २:

सूचना – पीले रंग की रेखा काटने की जगह निर्देशित करती है। सही कोण के चयन के लिये आर्माफ्लेक्स टेम्पलेट, जो कि ट्यूब पेटी पर लगाई गई है, का उपयोग करें।

१ ऊपर दिये हुए निर्देशानुसार ४५ कोण में काटे।



सूचना – पीले रंग की रेखा काटने की जगह निर्देशित करती है। सही कोण के चयन के लिये आर्माफ्लेक्स टेम्पलेट, जो कि ट्यूब पेटी पर लगाई गई है, का उपयोग करें।

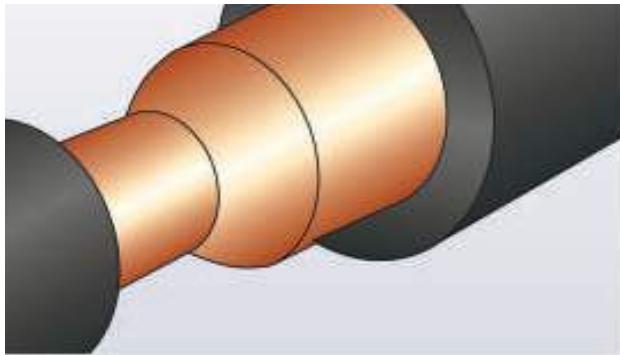


२ ४५ कोणवाला ट्यूब का टुकड़ा इस्तेमाल करें, और ऊपर दिये निर्देशानुसार उस पर २२.५ का कोण बना के टुकड़ा काटे।

३ पाईप के सीधे हिस्से पर लगे इन्स्युलेशन को स्पर्श करनेवाले ट्यूब के अंदरुनी भाग को घिस दें।

४ सब सींवनों पर गीला सील लगाये।

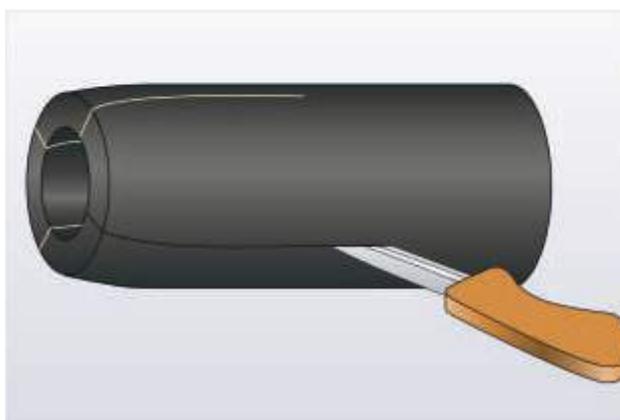
आर्माफलेक्स ट्युब के उपयोग से सिकुड़े पाईप पर इन्स्युलेशन बनाने की प्रक्रिया



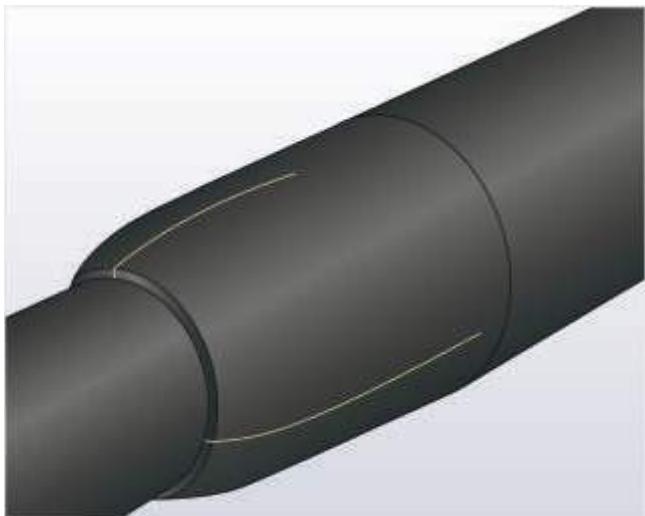
सिकुड़े पाईप पर इन्स्युलेशन



बड़े व्यास वाले ट्युब में से टुकड़े काटे और सिवन को एडेसिव से चिपकाये।



सिकुड़े पाईप साइज में काटने की विधिदोर्णों सिरों पर आनेवाले दबाव को ध्यान में रखकर ५ मि.मि. अतिरिक्त काटे, सपाट सतह में काटे।



सिवन और बट जॉइन्ट को एडेसिव लगाकर चिपकाना।

आर्माफ्लेक्स के शीट (चादर) से पाईप पर इन्स्युलेशन करने की प्रक्रिया

क्लास ओ आर्माफ्लेक्स ट्यूब १६० मि.मि. तक व्यास वाले पाईप के लिये तथा आर्माफ्लेक्स अल्टिमा एच.टी./आर्माफ्लेक्स एन एच/आर्माफ्लेक्स ट्यूब ८९ मि.मि. तक व्यासवाले पाईप के लिये उपलब्ध है। बड़े पाईप, डक्ट और टंकी के लिये तथा ६०० मि.मि. से अधिक व्यासवाले पाईप की संपूर्ण सतह पर इन्स्युलेटेड आर्माफ्लेक्स शीट (चादर) इस्तेमाल करें।

सही साईज के ट्यूब उपलब्ध होने पर भी कई बार शीट (चादर) इस्तेमाल करना फायदेमंद होता है, हालाकि इसके इस्तेमाल में मोड़ पर सीवन पर ज्यादा तनाव न आने पाये, इसकी सावधानी बरतना जरुरी है।

यह तनाव इन्स्युलेशन की मोटाई बढ़ने पर या पाईप का व्यास कम होने से बढ़ता है। कृपया विविध मोटाई की उपयोगिता के लिये नीचे दी गई तालिका को देखें। (एच टी/आर्माफ्लेक्स और एन एच आर्माफ्लेक्स के लिये यह मोटाई अलग हो सकती है।)

इस्तेमाल करते समय का बाहरी तापमान तनाव को प्रभावित कर सकता है। बाहरी तापमान ५ डिग्री सेल्सियस के बराबर या ज्यादा हो। आर्माफ्लेक्स शीट (चादर) इस्तेमाल करते वक्त नीचे दिया हुआ तालिका देखें।

क्लास ओ आर्माफ्लेक्स शीट (चादर)	पाईप का बाहरी व्यास मिमि.				
	≥ 88.9	≥ 99.8	≥ 139	≥ 159	≥ 808
सी ओ-१०-एमएम	●	●	●	●	●
सी ओ-१३-एमएम	●	●	●	●	●
सी ओ-१६-एमएम	●	●	●	●	●
सी ओ-१९-एमएम	●	●	●	●	●
सी ओ-२५-एमएम		●	●	●	●
सी ओ-३२-एमएम			●	●	●
सी ओ-५०-एमएम					●

सूचना – क्लास ओ आर्माफ्लेक्स ट्युब अलग अलग मोटाई के लिये बनाया गया है। सी ओ आर्माफ्लेक्स शीट (चादर) की मोटाई चुनते वक्त इसका खास ख्याल रखें।

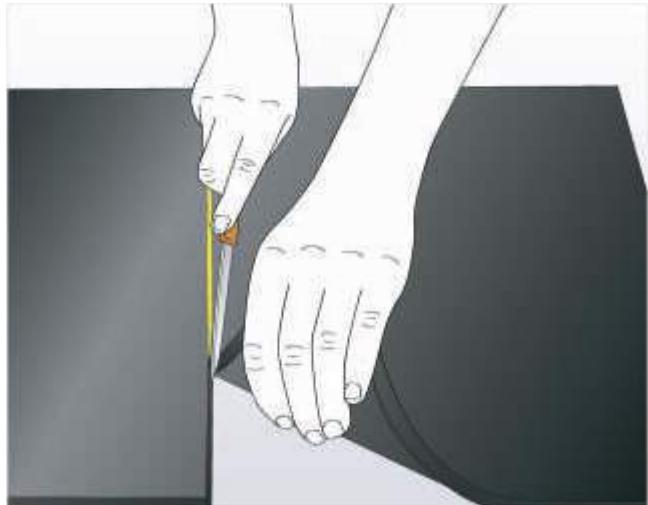
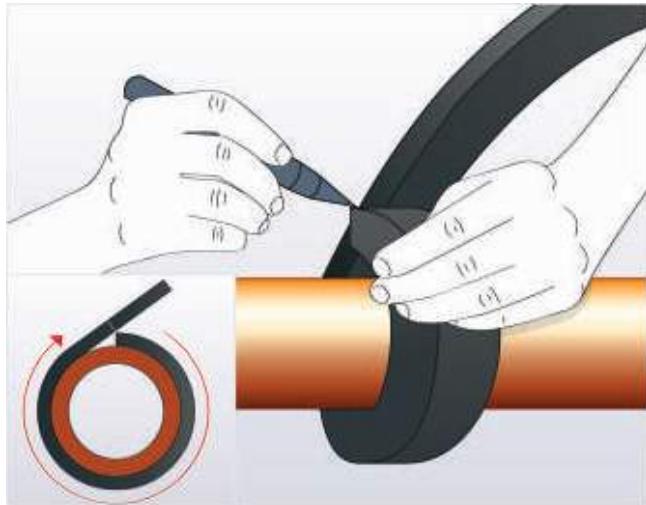
एच टी/आर्माफ्लेक्स*	पाईप का बाहरी व्यास मिमि.			
	≥ 88.9	≥ 99.8	≥ 139	≥ 159
६ एमएम	●	●	●	●
१० एमएम	●	●	●	●
१३ एमएम	●	●	●	●
१९ एमएम	●	●	●	●
२५ एमएम			●	●
३२ एमएम				●

* एचटी / आर्माफ्लेक्स शीट (चादर) ६मि.मि. और ३२ मि.मि. मोटाई में उपलब्ध नहीं है।

आर्माफ्लेक्स शीट (चादर) से बड़े पाईप को इन्स्युलेशन करने की प्रक्रिया

१ पाईप का सर्कमफरन्स (परिधि) निश्चित करें।

महत्वपूर्ण सूचना – हमेशा आर्माफ्लेक्स शीट (चादर) की पट्टी लेकर उचित मोटाई (नाप लेकर) तय करें।



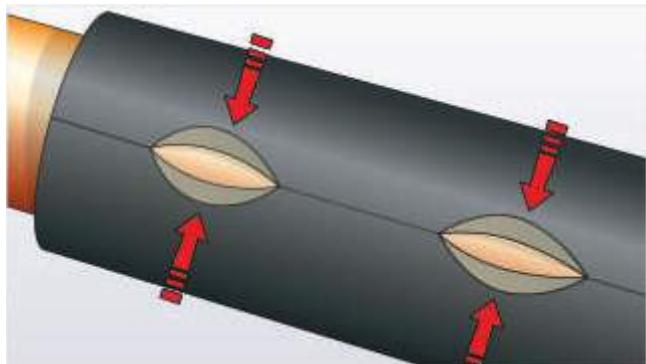
सूचना – पट्टी को ना खींचें।

२ आर्माफ्लेक्स शीट (चादर) उचित नाप में काटें। कटी हुए सतह पर आर्माफ्लेक्स एडेसिव की पतली परत लगाए और सूखने दें।

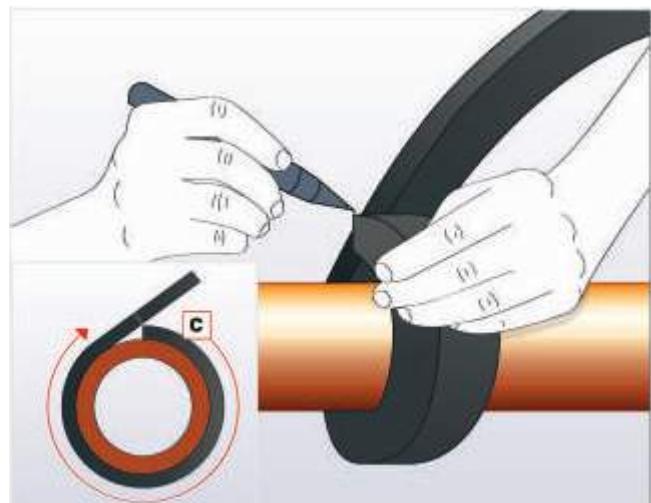
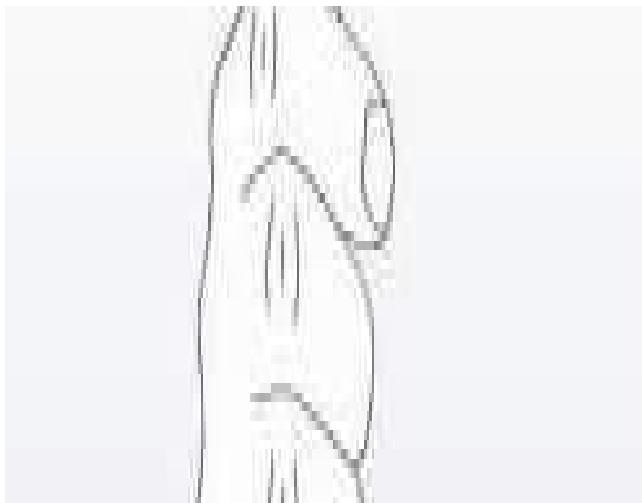
३ दोनों छोर परे तथा मध्य में दबाव दें। संपूर्ण सीवन को मध्य से शुरुआत करके, बंद करें।

सूचना – सीवन को पुनर्श्च खुलने से बचाने के लिये एडेसिव को उचित मात्रा में किनारों पर लगाए।

पहले से खुले हुए डिब्बे से एडेसिव लेकर इस्तेमाल करते वक्त वह कितने दिनों से खुला है और इस्तेमाल करने योग्य है अथवा नहीं, इसकी जाँच कर ले।



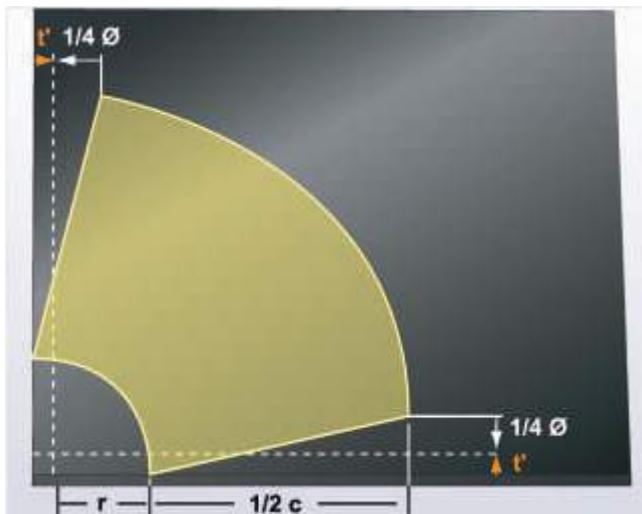
आर्माफ्लेक्स शीट (चादर) से द्विमुख - मोड बनाने की प्रक्रिया



मोड की अंतर्गत त्रिज्या (रेडीयस) "r" निश्चित करने के लिये ऊपरी सतह से एक लंब डाले और एक पट्टी लेकर हॉरिजॉन्टल (आड़ी) लाईन बनाले। उस बिंदु पर जहाँ ये दोनों रेखाएँ मिले, वह त्रिज्या "r" का मूल बिंदु है। यह मोड़ के गले की त्रिज्या (थोट रेडीयस) है।

वर्टीकल (सीधी) और हॉरिजॉन्टल (आड़ी) कगार पर अतिरिक्त जगह (काटने के लिये) छोड़कर नाप ले और शीट (चादर) पर अंकित करें।

आर्माफ्लेक्स शीट (चादर) की उचित मोटाई की एक पट्टी लेकर पाईप का सर्कमफरन्स (परिधि) नापे, और इस नाप का आधा नाप शीट (चादर) पर अंकित करें।

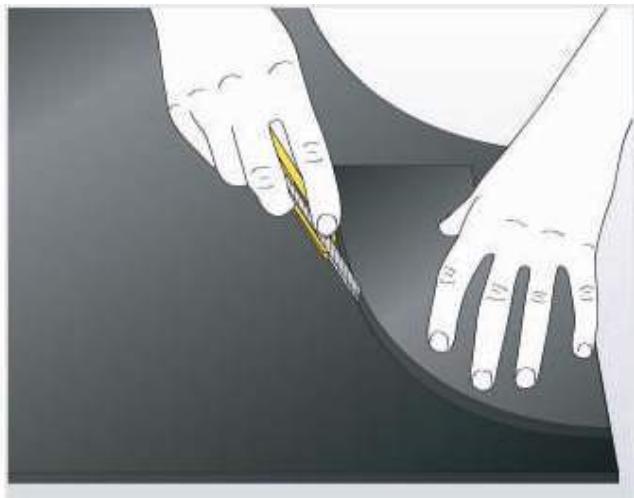
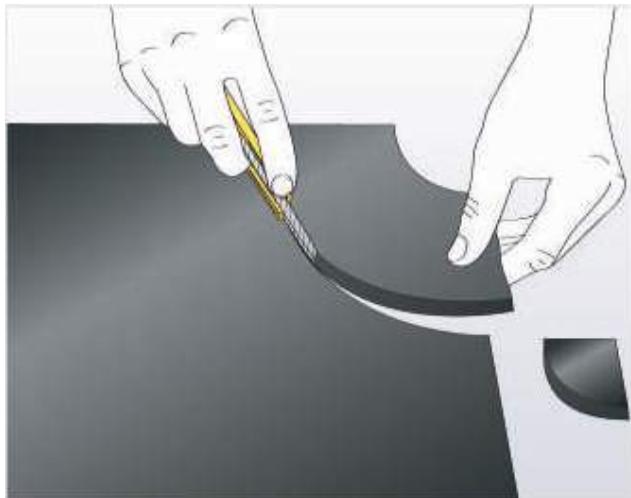


दोनों वृत्तांशों (आर्क) को शीट पर अंकित करें।

r = मोड़ की अंतर्त्रिज्या (मि.मि.)

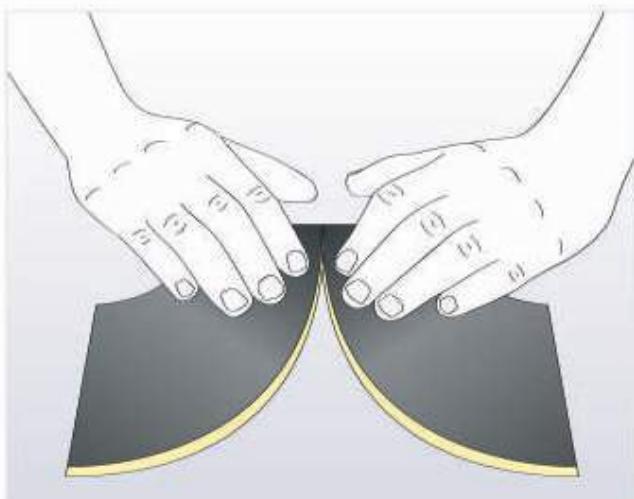
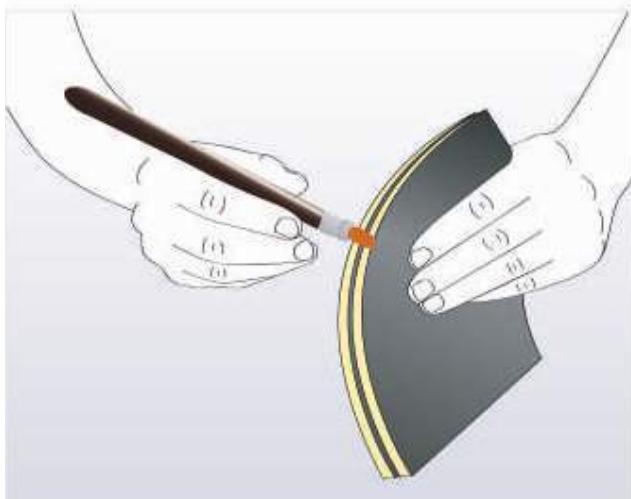
$1/2 c$ = पाईप सर्कमफरन्स का आधा (मि.मि.)

t = इन्स्युलेशन मोटाई (मि.मि.)



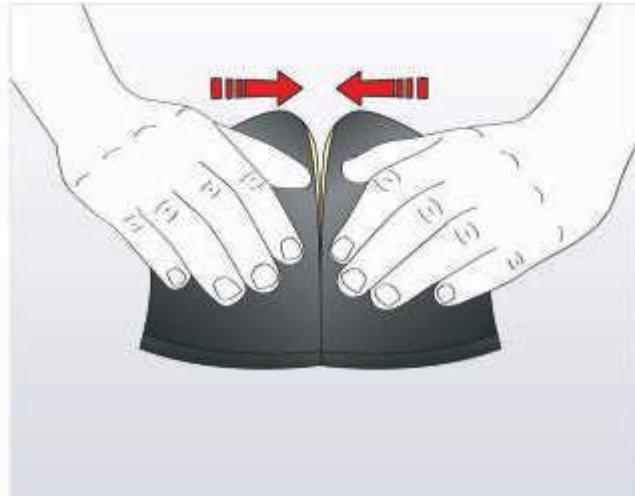
एल-बो का पहला हिस्सा काटे।

पहले हिस्से को टेम्प्लेट की तरह इस्तेमाल करते हुए शीट पर रखकर दूसरा हिस्सा काटे।



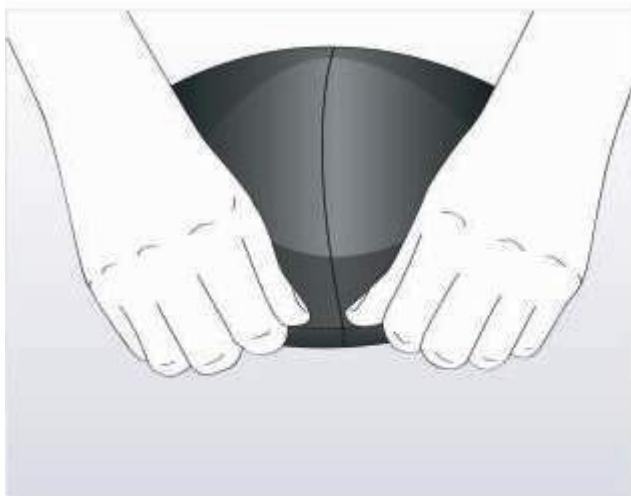
दोनों हिस्सों की खुरदरी सतहों को अंदर की ओर रखकर कगार पर एडेसिव लगाये।

एडेसिव को सूखने दे। (नाखून से जाँच करें) और दोनों हिस्सों को एक बाजू से दबाए ताकि छोटा सिवन बने।



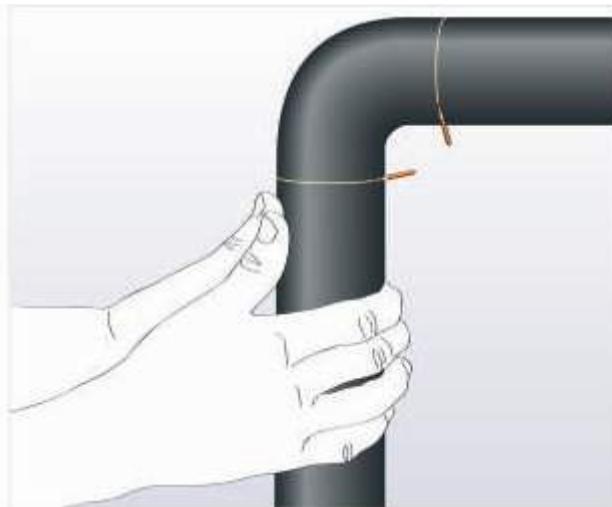
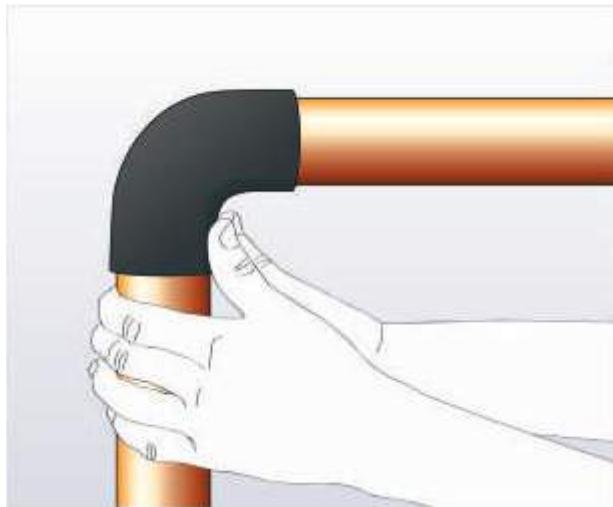
बाद में दूसरी बाजू की सतहें, छोटा सिवन बनाके, जोड़े।

बाद में बीच वाली जगह पर दबाकर बची हुई जगह मजबूती से जोड़े।



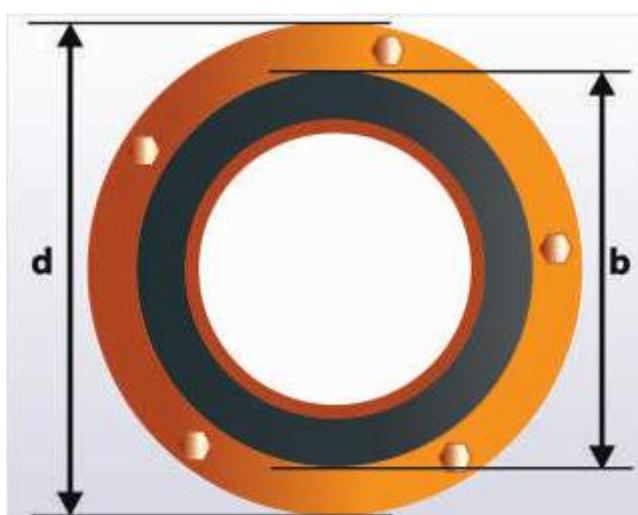
एकत्रित किये हुए हिस्से घुमाये और सिवन पर अंदर की बाजू दबाकर जोड़े ताकि, एडेसिव लगा हुआ एक मजबूत जोड़ संपूर्ण मोटाई पर मिले।

आर्माफिलेक्स एडेसिव अंदर की बाजू से दोनों कणारों पर लगाये।



मोड़ पाईप पर इन्स्युलेशन कवहर लगाये। एडेसिव को सूखने दे और बाद में दोनों सतहों को दबाकर जोड़े। सब जोड़ों में तरल एडेसिव लगाकर थोड़ा दबाएँ और मोड़ पाईप का काम पूरा करें।

आर्माफ्लेक्स शीट (चादर) से वॉल्व पर इन्स्युलेशन करने की प्रक्रिया



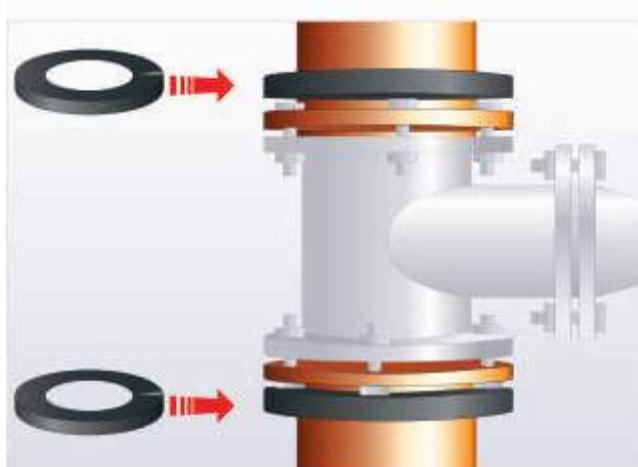
वॉल्व के मुँह पर कटा हुआ लोहे का अथवा प्लास्टिक का टुकड़ा बिछाएं, जिससे काम करने में सुविधा हो।

पाईप को फ्लैंज (पाँख) तक इन्स्युलेशन लगाये और नाप ले।

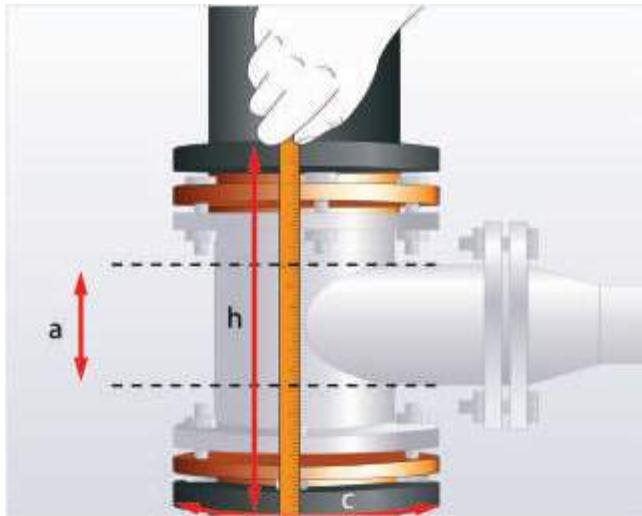
b = इन्स्युलेटेड पाईप का सर्कमफरन्स (परिधि)

d = फ्लैंज (पाँख) रिंग की गहराई

दोनों चकतियाँ (डिस्क) बनाएँ:



इन्स्युलेशन पाईप और फ्लैंज (पाँख) के हिसाब से त्रिज्या लेकर आर्माफ्लेक्स शीट पर दो वर्तुल अंकित करे। पहले बाहरी हिस्सा काटकर (डिस्क) चकती बनाये, बाद में बीच में काटे। और कट आउट बनाये। चकती (डिस्क) एक बाजू काटे और इन्स्युलेशन पाईप पर चढ़ाकर चिपकाएं।



वॉल्व का आवरण बनाए।

नाप या मात्रा की इकाई

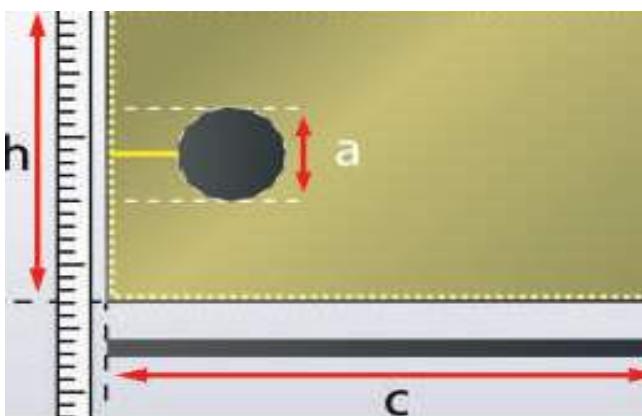
h = दोनों चकतियों के बीच की दूरी (बाहरी सतहों से)
 a = स्पिंडल के गले/तंग भाग का (नेक) का व्यास

c = चकती का सर्कमफरन्स (परिधि)

आवश्यक सूचना – नाप लेते वक्त हमेशा आर्माफ्लेक्स शीट (चादर) की उचित मोटाई की पट्टी नापे। पट्टी को ना खींचे।

ऊँचाई(h), सर्कमफरन्स/ c और स्पिंडल व्यास (डायमिटर)(a) इनको शीट (चादर) पर अंकित करें।

टिप – अंकित किये हुए नाप से कट-आउट ५ मि.मि. कम रखें।



टिप – फ्लैंज (पाँख) रहित स्पिंडल के लिये सुझाव के अनुसार, कट-आउट पहले आर्माफ्लेक्स शीट (चादर) के एक चौथाई भाग (फ्रार्टर) पर अंकित करें।

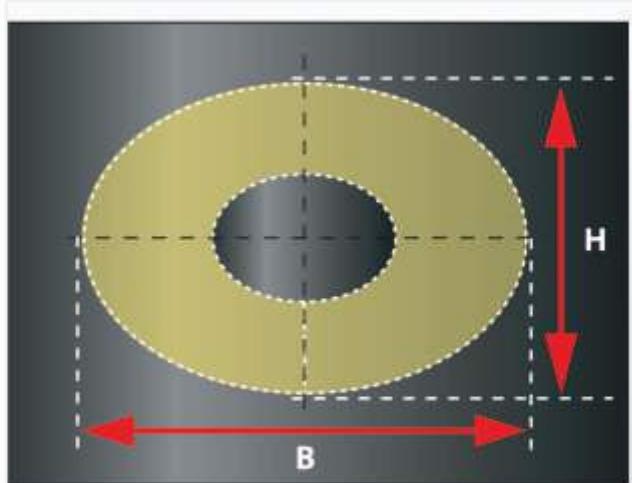
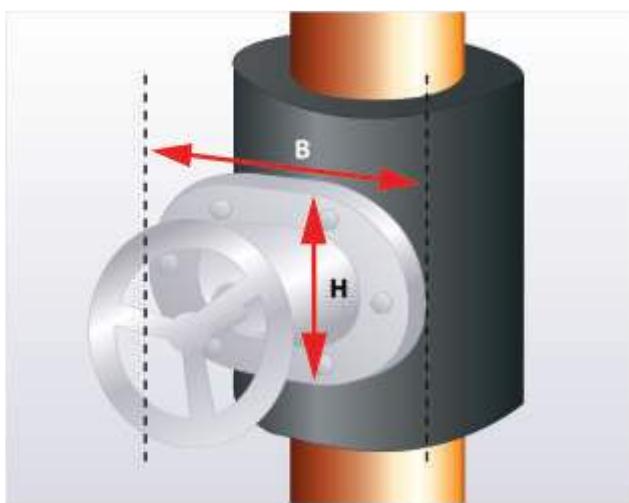


आवरण शीट से काटकर वाल्व पर लगाए, आर्माफ्लेक्स एडेसिव की पतली परत वॉल्व आवरण के सिवन पर लगाए, हवा से सूखने दे और उचित दबाव देकर जोड़े।

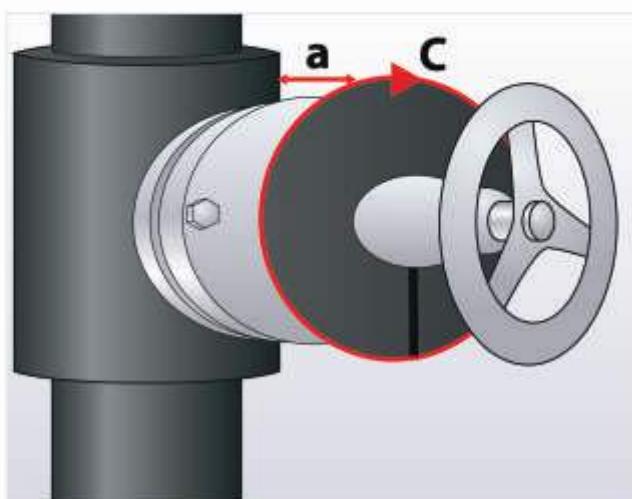
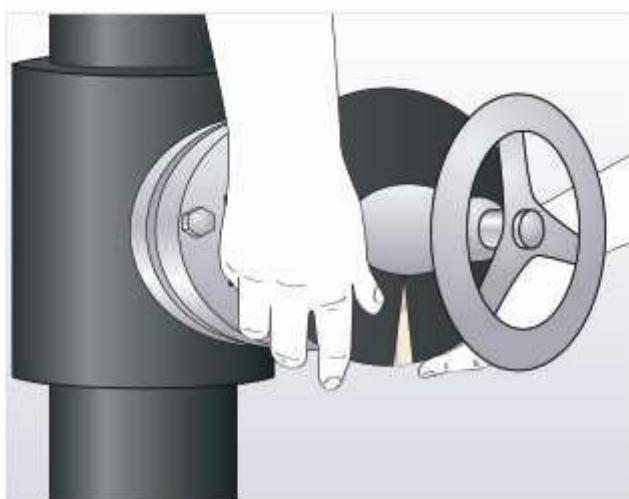
टीप – वॉल्व आवरण को पाईप इन्स्युलेशन के बाद चढ़ाये।

सिवन की सुरक्षा बढ़ाने के लिये सुझाव के अनुसार, पहले मेज पर वॉल्व आवरण सही नाप के अनुसार बना ले।

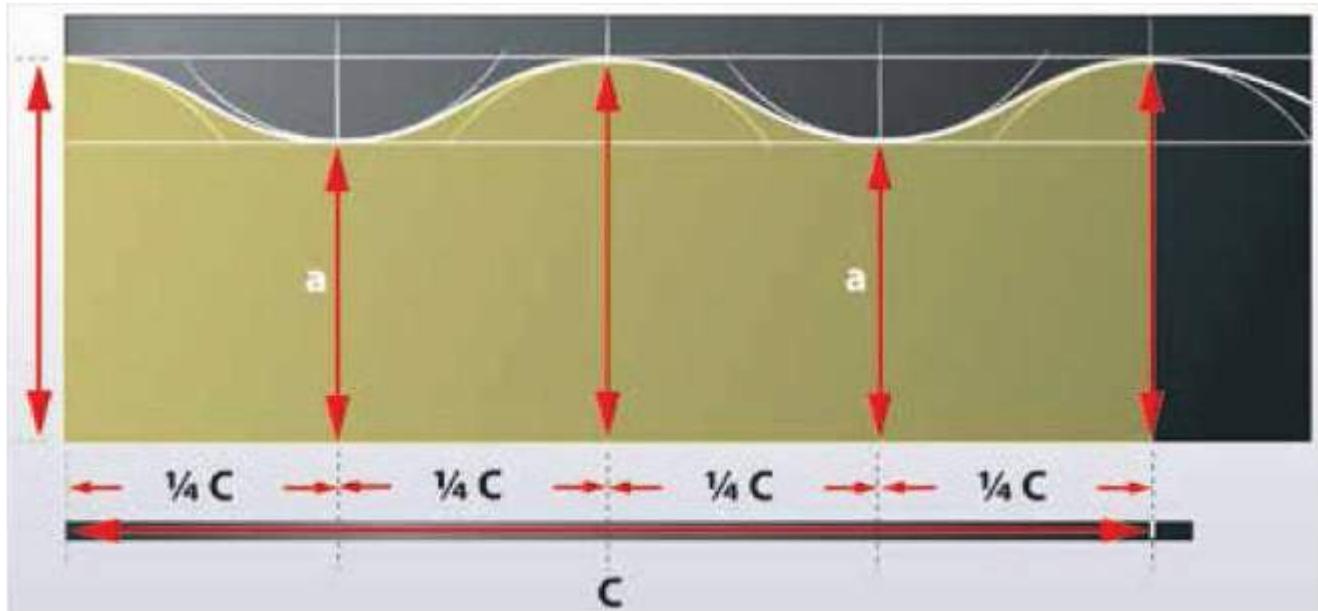
आर्माफ्लेक्स शीट के उपयोग से वाल्व का नेक-टी (T) / पाईप-टी (T) / स्पिंडल नेक बनाने की प्रक्रिया



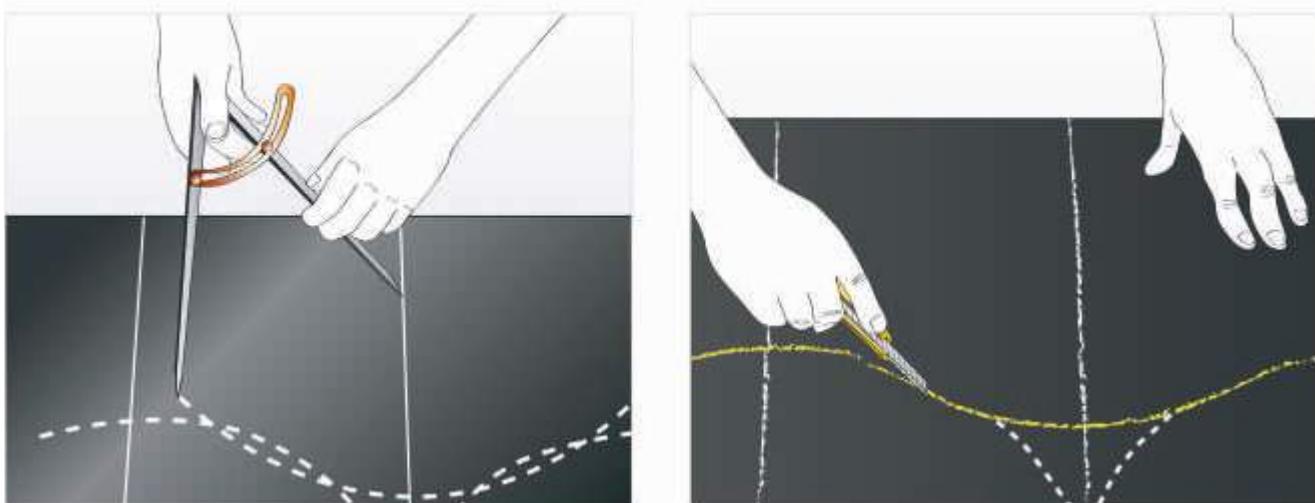
स्पिंडल आवरण फ्लैंज (पॉख) की ऊँचाई और मोटाई नापकर छोर के लिये डिस्क (चकती) बनाये।



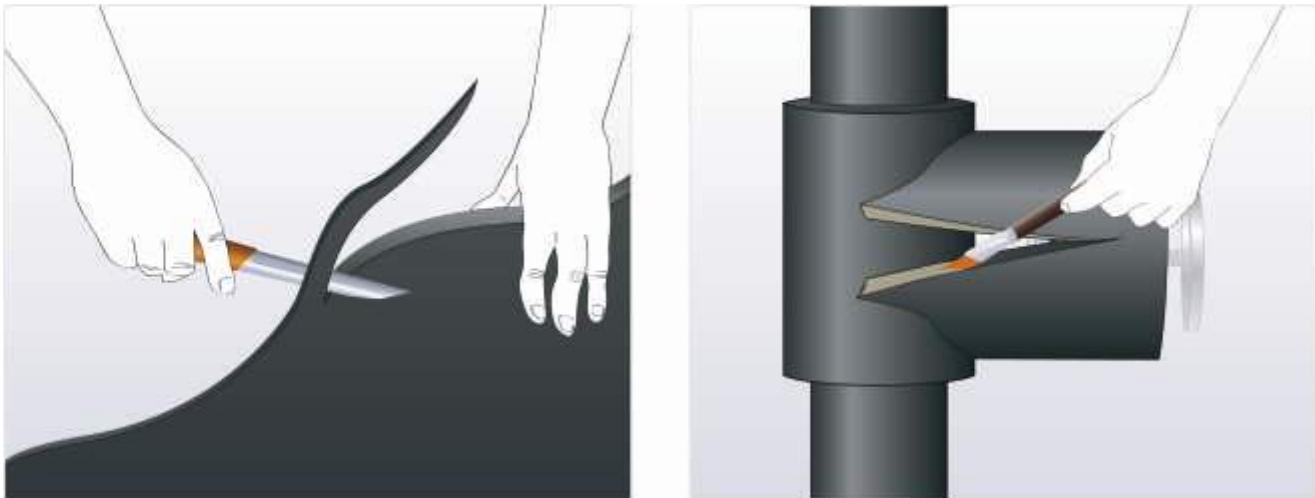
चकती को एक बाजू से काटे और किनारों पर एडेसिव लगाकर सूखने दें। कटी हुई बाजू स्पिंडल पर चढ़ाये। आर्माफ्लेक्स पट्टी लेकर चकती (डिस्क) का सर्कमफरन्स (परिधि) नापे और शीट (चादर) पर अंकित करें।



ऊपर निर्देशित तरीके से चार ऐसे भाग बनाये। स्पिंडल आवरण की निम्नतम गहराई (डेप्थ) और आर्माफिलेक्स डिस्क (चकती) की मोटाई नापकर शीट (चादर) पर अंकित करें।

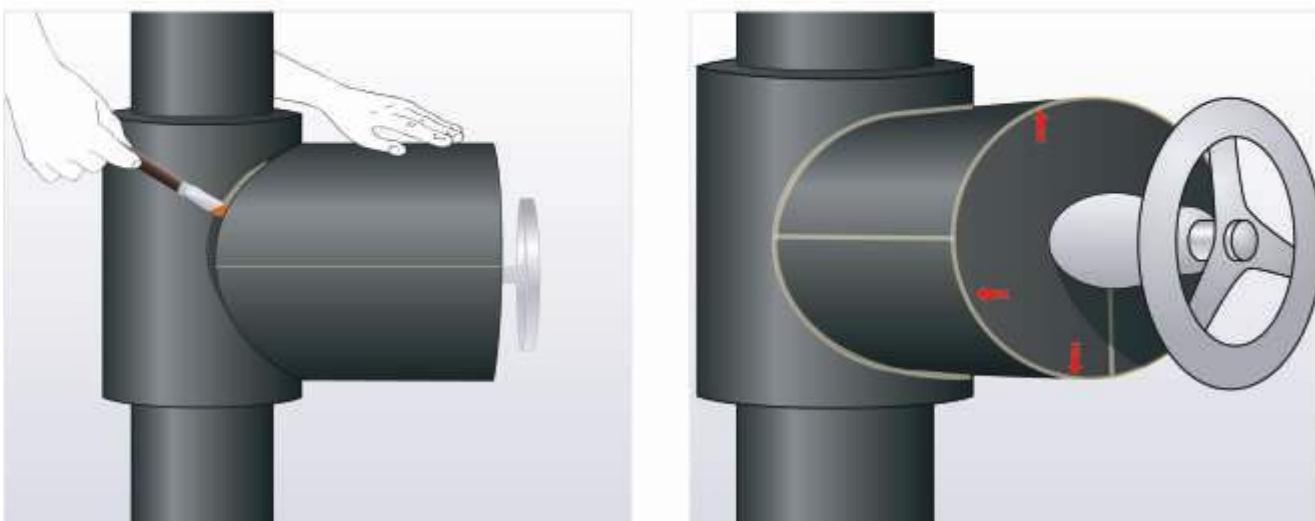


इन्स्युलेटेड वॉल्व की त्रिज्या नापकर रेखाओं के छेदन बिंदुओं पर पांच चाप (आर्क) अंकित करें और अखंड लाइन से जोड़ दें, इस तरह अंकित किये गए नाप से शीट (चादर) काटें।



सबसे ऊपरी स्थान की सतह को अंदर की बाजू (जहाँ शीट (चादर) वॉल्व के साथ स्पर्श कर रही है) को चँफर करें (घिस दें)।

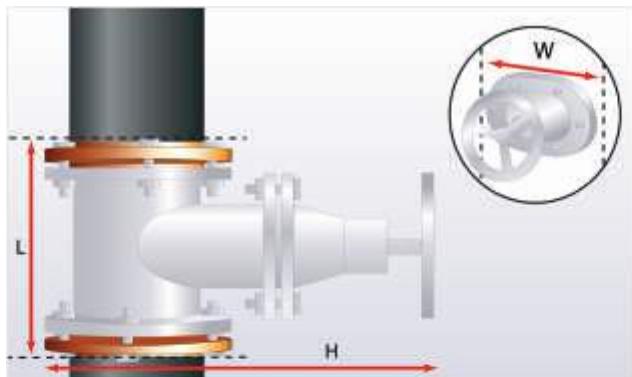
लंबी सिवन पर एडेसिव लगाये, सूखने दें और बाद में स्पिंडल आवरण पर लगा दें।



आवश्यक सूचना – स्पिंडल नेक जहाँ अंदर प्रवेश कर रही हो, उस क्षेत्र पर जोड़ का मजबूत होना जरुरी है।

टिप – स्पिंडल नेक जहाँ प्रवेश करें, उस जगह पर अतिरिक्त सुरक्षा के लिये आर्माफ्लेक्स टेप लगाये।

आर्माफ्लेक्स शीट से 'D-बॉक्स' (अंग्रेजी के 'डी' आकार का डिब्बा) बनाकर 'वॉल्व'

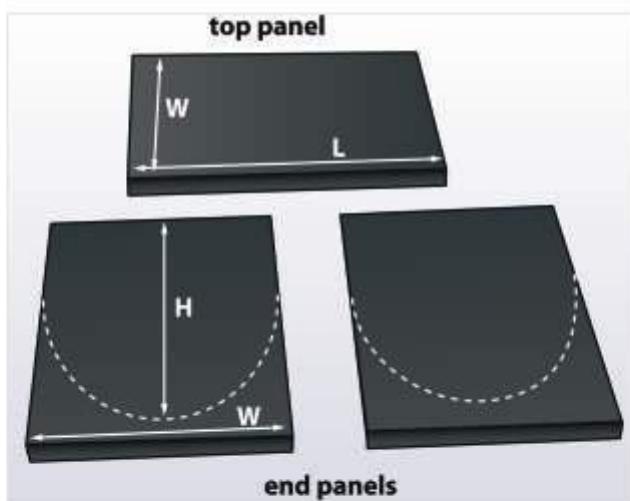


'इन्स्युलेशन' करने की प्रक्रिया निम्नलिखित नाप या मात्रा की इकाई तय करे :

$$L = \text{वॉल्व की लंबाई} + (2 \times \text{इन्स्युलेशन मोटाई})$$

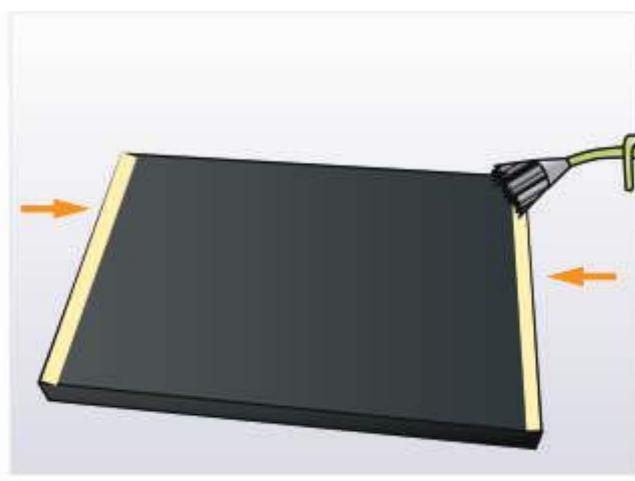
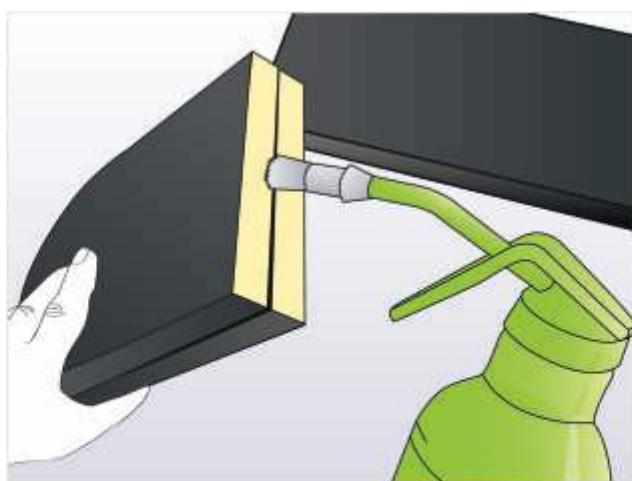
$$H = \text{वॉल्व की ऊँचाई} + (2 \times \text{इन्स्युलेशन मोटाई})$$

$$W = (\text{चिन्ह}) \text{ व्यास} + 90 \text{ मि.मि.}$$



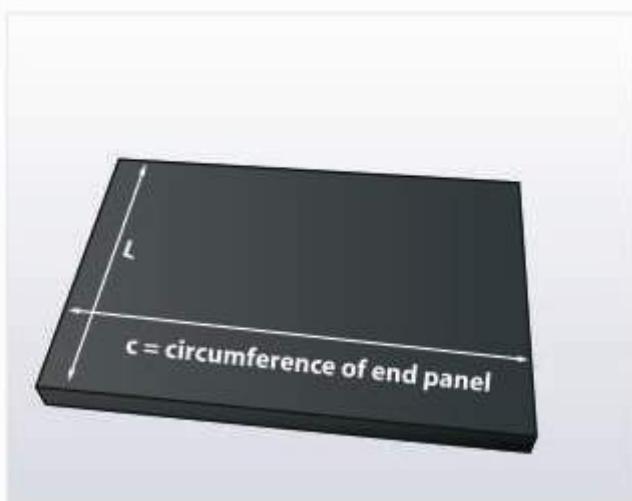
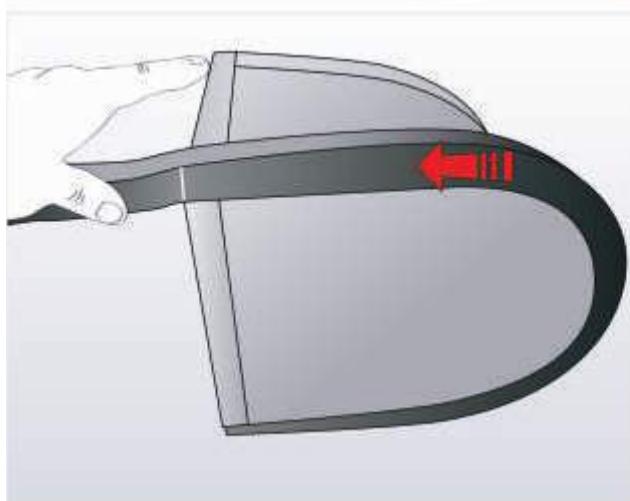
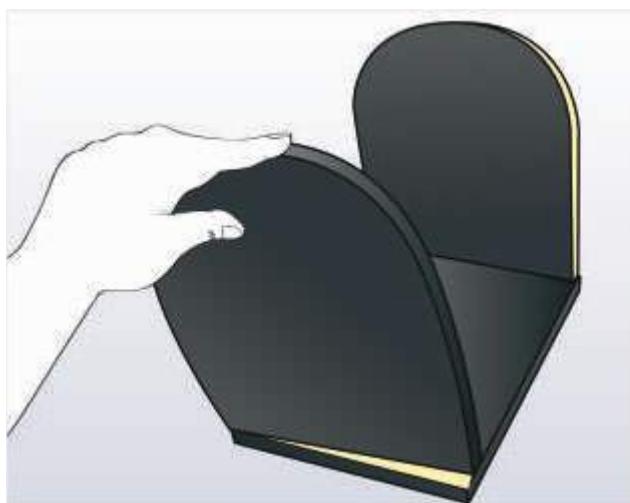
ऊपर दिये निर्देशानुसार दोनों छोर के पैनल्स और एक उपर का पैनल (अंकित किये हुए) काट ले ।

ख्याल रहे कि धारदार चाकू से सफाई पूर्वक काटना जरूरी है ।



बताए गये तरीके से आर्माफ्लेक्स एडेसिव लगाये।

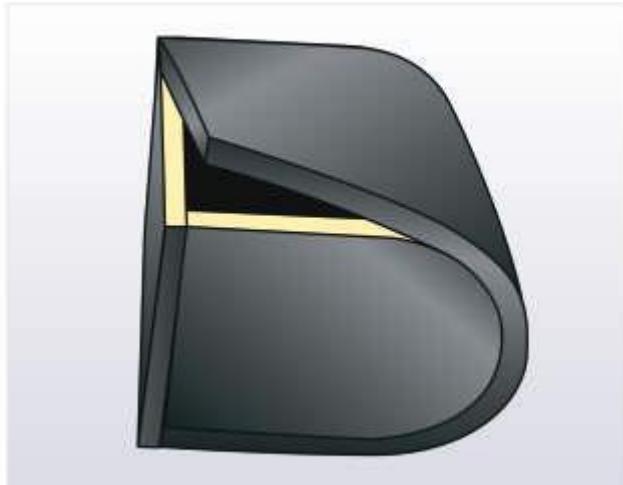
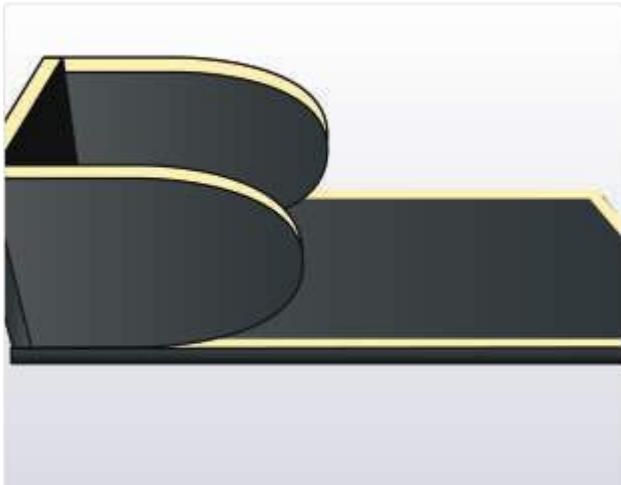
टिप - एडेसिव परत की चौड़ाई आर्माफ्लेक्स शीट की मोटाई के बराबर हो ।



दोनों छोर के पैनल्स और ऊपर के पैनल के कगारों पर एडेसिव लगाये ।

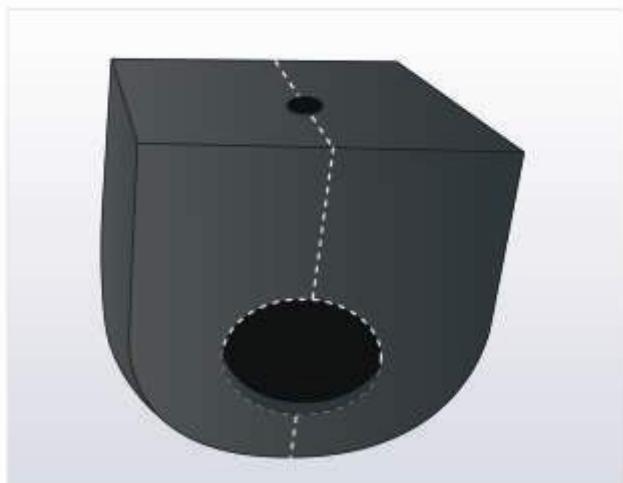
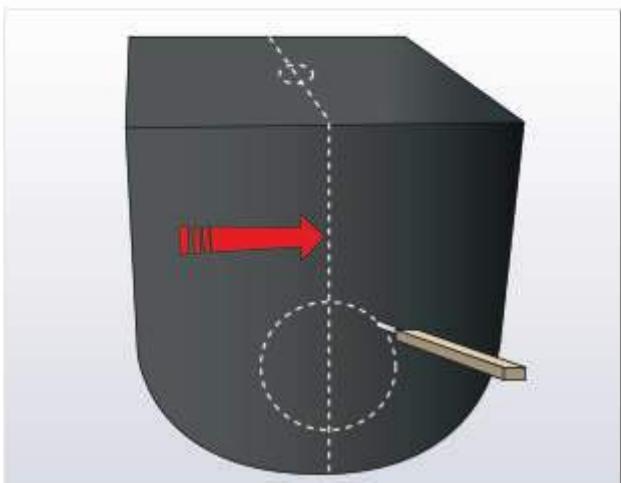
यहां दोनों छोर, पैनल पर और ऊपरी पैनल के साथ अलाईन (सीध में रखकर) करके जोड़े । छोर के एक पैनल और ऊपरी पैनल का सरकमफरन्स (परिधि) आर्माफ्लेक्स पट्टी से नापे ।

(पट्टी की मोटाई इस्तेमाल किये शीट की मोटाई के बराबर हो) ।



हलके से पैनल बॉडी के किनारे, छोर वाले दोनों पैनल पर तब तक चढ़ाये, जब तक कि पैनल बॉक्स (अंग्रेजी के 'डी' आकार का डिब्बा) जैसा दिखे।

0 अब नीचे बने हुए चौकोन को ९० कोण के भुजाओं को जैसा फोटो में दिखाया गया है, बैंड कर लें। इसका खयाल रखें कि सारे किनारे ठीक से जुड़ जाए। इसी तरह से बाकी सारे किनारों को मजबूत कर ले।



दोनों छोर के पैनल पर इन्स्युलेटेड पाईप जोड़ने के लिये छिद्र बनायें, और ऊपर के पैनल में वॉल्व स्पिंडल के लिये अंतिम रूप से काटे, बॉक्स (अंग्रेजी के 'डी' आकार का डिब्बा) को दो भागों में बाँटे और वॉल्व के ऊपर चढ़ाये। सिवन पर एडेसिव लगाके थोड़ा सूखने दे और सिवन जोड़ने का काम पूरा करें।

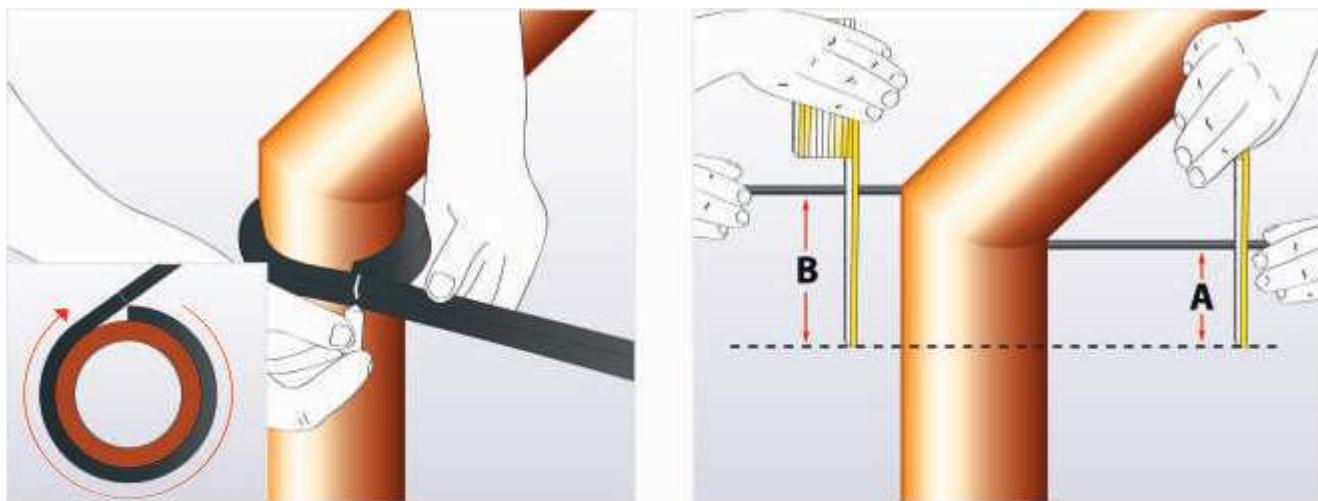
आर्माफ्लेक्स एडेसिव सीधे पाईप्स के जोड़ पर लगा कर जोड़ बंद करें।

महत्वपूर्ण सूचना – स्पिंडल नेक जहाँ अंदर प्रवेश करती हो, उस क्षेत्र को अच्छी तरह जोड़े।

टिप – अतिरिक्त सुरक्षा के लिये स्पिंडल नेक जहाँ अंदर प्रवेश करती हो, उस क्षेत्र में आर्माफ्लेक्स टेप से बंद करें।

“खसका/ठहनी (ऑफसेट) कोण और मोड (बैंड) कोण” में पार्ईप के जोड़ बनाने की प्रक्रिया

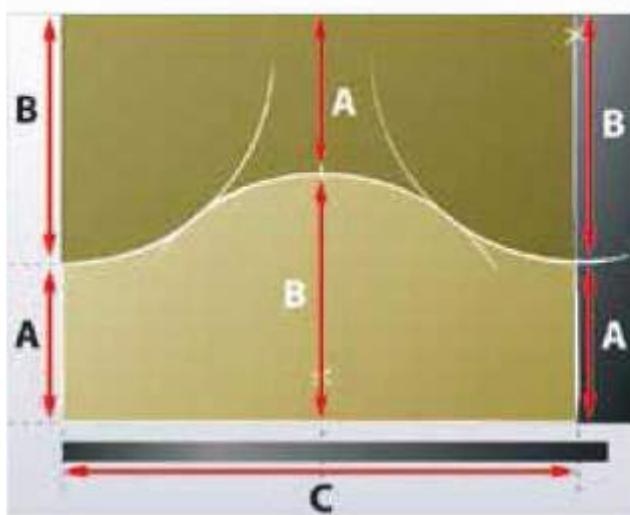
नीचे दिये हुए चित्र, पार्ईप पर मिटर कोण जोड़ या बेवल कोण मोड के जोड़ पर इन्स्युलेशन लगाने की विभिन्न अवस्थाओं को दर्शाता है। समकोण पार्ईप जोड़ के लिये ऊपर दी हुई प्रक्रिया एक जैसी है।



पार्ईप का सर्कमफरन्स (परिधि) निर्धारित करे (C)

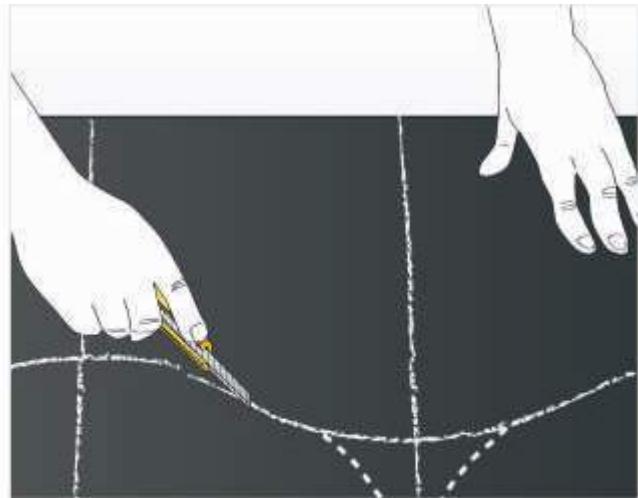
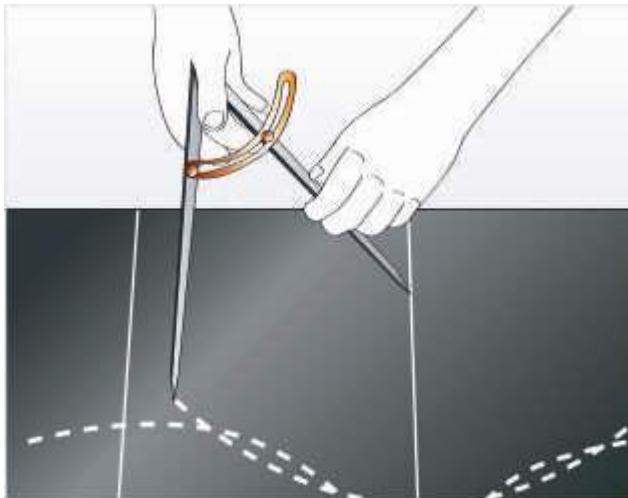
महत्वपूर्ण सूचना – हमेशा आर्माफ्लेक्स शीट से पट्टी काटकर नाप लें। पट्टी को ना खींचें।

मिटर कोण जोड़ की बाहरी ऊँचाई (B) और अंदरुनी चाई (A) नापें।



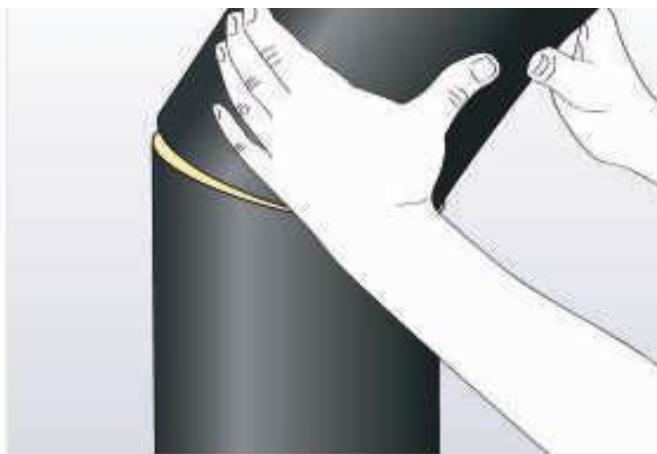
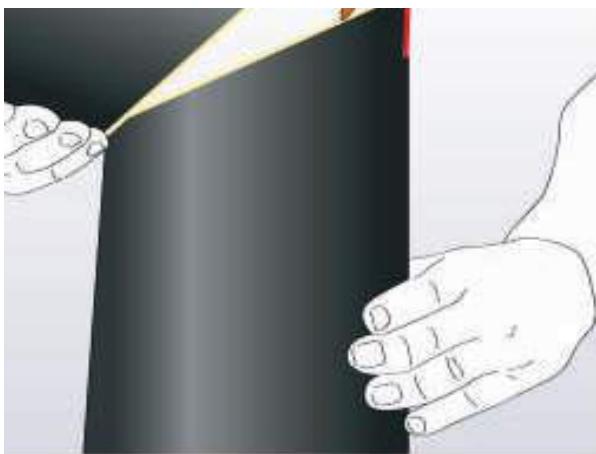
सर्कमफरन्स (परिधि) का व्यास आर्माफ्लेक्स शीट पर अंकित करे

बाहरी और अंदरुनी ऊँचाई अंकित करें।

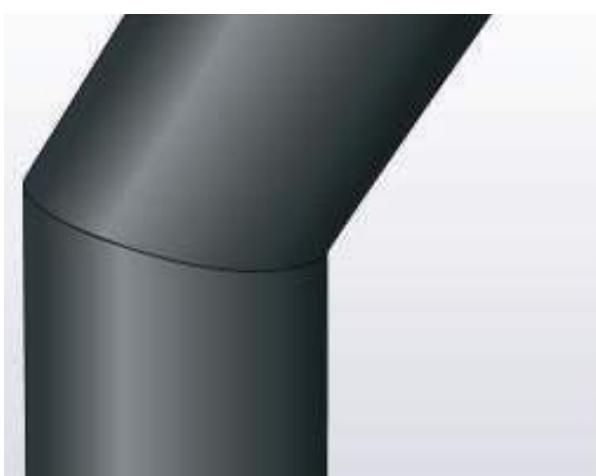


परकार (डिव्हाइडर) से अर्ध सर्कमफरन्स (परिधि) को मापे और तीन चाप (आर्क) अंकित करें।

तीनों चापों (आर्क) को अलग रेखा से जोड़ें। उसे रेखा के हिसाब से काट ले। उन्हें १८० के कोण में एकत्रित करने पर एक दो हिस्सो वाला मिटर जोड़ बन जायेगा।



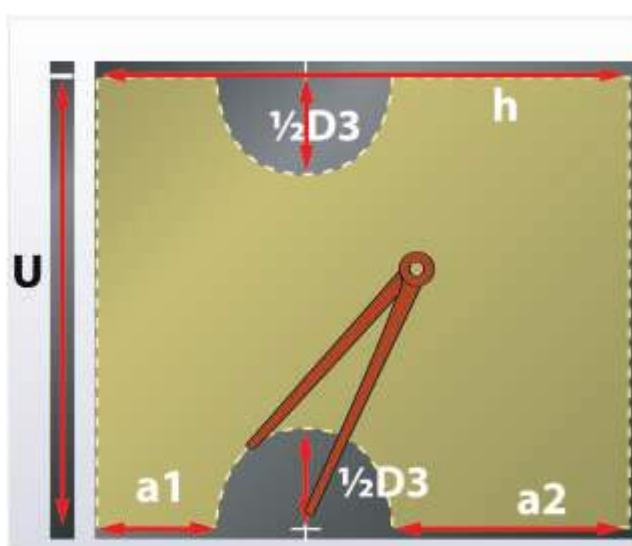
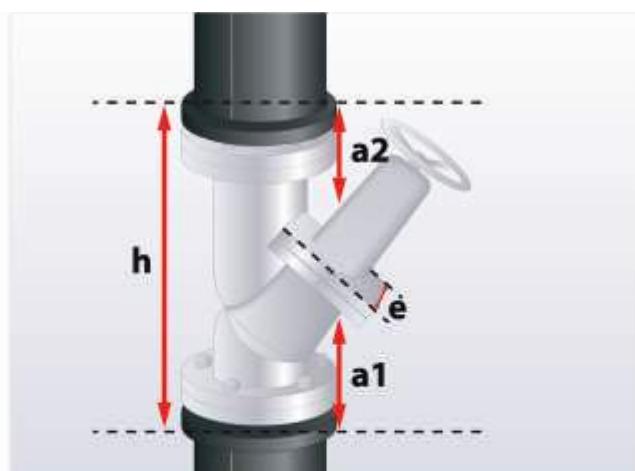
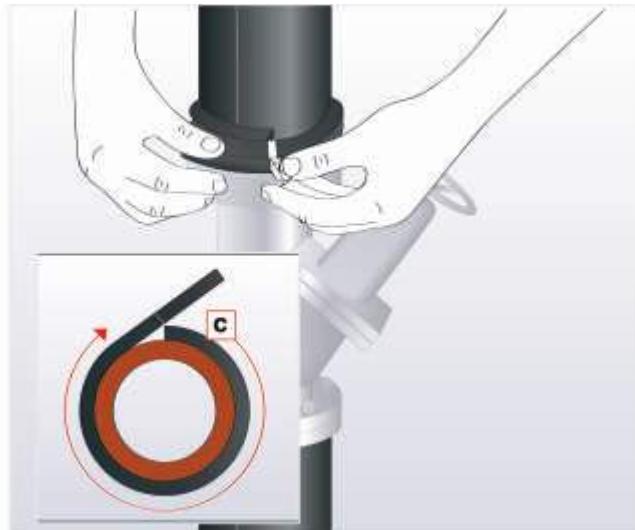
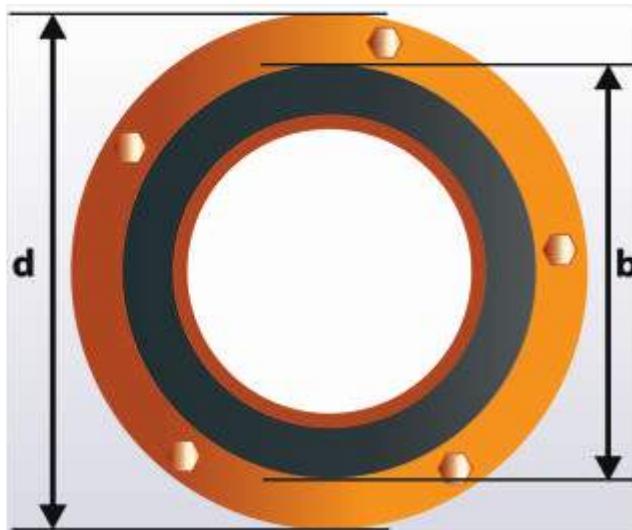
सिवन के लंबे हिस्से में तथा बाद में जुड़ने वाली सिवन पर आर्माफ्लेक्स एडेसिव लगाये।



इस तरह से इन्स्युलेशन का काम पूरा हुआ।

स्ट्रेनर (झरनी), स्ट्रेनर वॉल्वस (झरनी वॉल्व) और मुड़े हुए सिट वॉल्व बनाने की प्रक्रिया

स्ट्रेनर वॉल्व तथा मुड़े हुए सिट वॉल्व के इन्स्युलेशन की पद्धति एक जैसी है। हाँलाकि सिट वॉल्व में अंतिम चक्कती अतिरिक्त लगती है।



पार्ईप को फ्लैंज (पाँख) तक इन्स्युलेशन लगाए।

a = निम्न नाप ले।

b = इन्स्युलेटेड पार्ईप का सर्कमफरन्स (परिधि)

d = फ्लैंज (पाँख) की गहराई (डेप्थ)

h = जगह पर बिठाई हुई चक्कतियों (रिंग) के बीच की दूरी (बाहरी सतह से)

a1 = स्ट्रेनर से निचली चकती के बाहरी सतह तक नाप ले।

a2 = स्ट्रेनर से ऊपरी चकती के बाहरी सतह तक नाप ले।

e = स्ट्रेनर (झरनी) का व्यास नापे।

दो रिंग बनाना।

फ्लैंज (पाँख) का और इन्स्युलेटेड पाईप का कैलीपर्स (परकार) से व्यास नापे। और नाप को आर्माफ्लेक्स शीट पर अंकित करे। लिये गए व्यास के नाप से दो वृत्त (कॉन्सन्ट्रीक) बनाये। इस क्रिया को दोहराते हुए काटकर दो रिंग बना लें।

टिप : कई बार आर्माफ्लेक्स पट्टी को सीधा स्ट्रेनर (झरनी) पर लगाना उचित है। इस तरह से अतिरिक्त (भराव) पैकिंग देने से ज्यादा मजबूती मिलती है और कम तापमान में सिकुड़न कम होती है।

महत्वपूर्ण सूचना : हमेशा नाप लेने के लिये आर्माफ्लेक्स पट्टी की मोटाई इन्स्युलेशन मोटाई के बराबर हो।

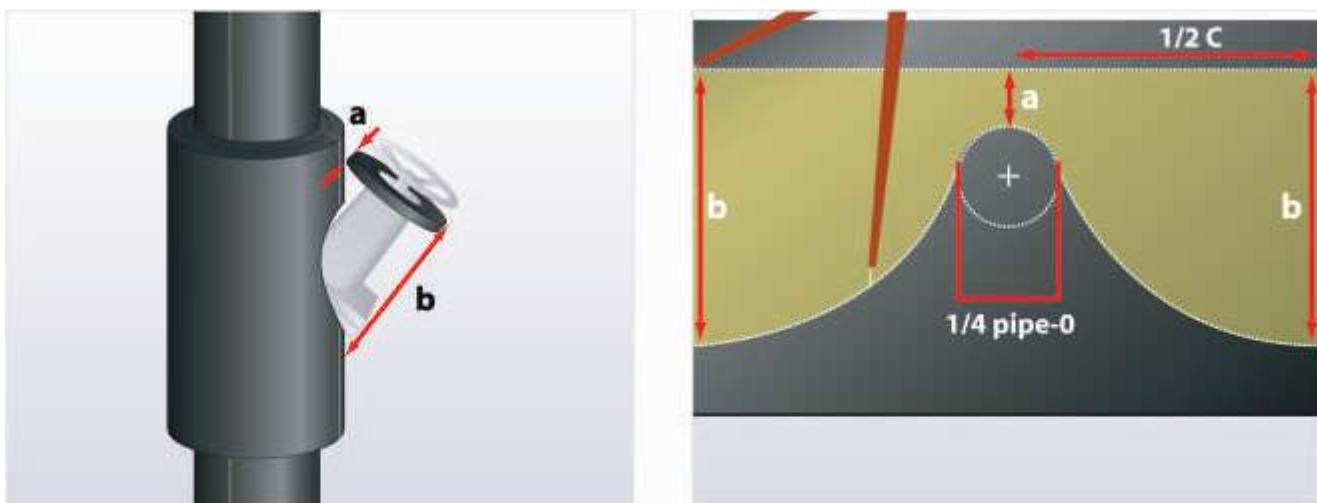
टिप: पट्टी को ना खींचें।

लिये हुए नाप आर्माफ्लेक्स के शीट पर अंकित करे, और सिट वॉल्व बॉडी के हिसाब से कट आउट भी अंकित कर लें।



शीट को काटे और आर्माफ्लेक्स एडेसिव लगाकर वॉल्व पर लगाए।

स्ट्रेनर के ऑफसेट (खसका/ठहनी) पर लगे इन्स्युलेशन के बाहरी व्यास के माप की रिंग काटे। यह रिंग छोर पर बताये गए तरीके से एडेसिव लगाकर चिपकाएं।



निम्न नाप ले

a = स्ट्रेनरबॉडी से इन्स्युलेशन और रिंग के बाहरी सतह के बीच का निम्नतम अंतर

b = स्ट्रेनर बॉडी इन्स्युलेशन और रिंग के बाहरी सतह के बीच का अधिकतम अंतर

स्ट्रेनर ऑफसेट का सर्कमफरन्स (परिधि) लेकर आर्माफ्लेक्स का शीट बनाये।

लाईनर के बाहरी हिस्से पर अंतर ''**b**'' और अंतर ''**a**'' को बीचवाली लाईन पर अंकित करें।



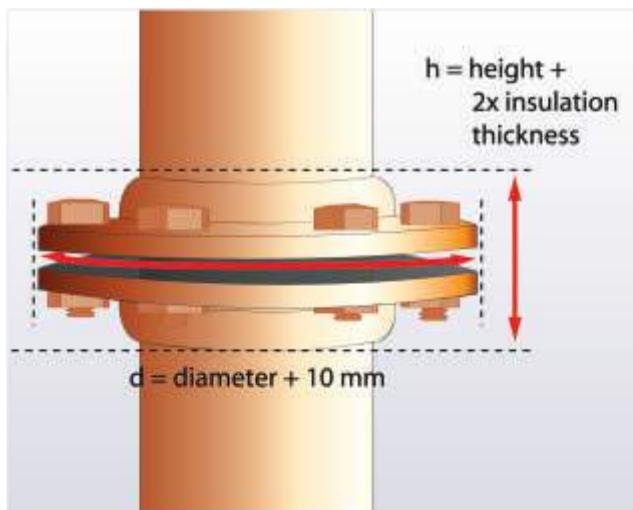
शीट का बचा हुआ हिस्सा काटे।

स्ट्रेनर बॉडी को स्पर्श कर रही इन्स्युलेशन की कगार को घिस दें।

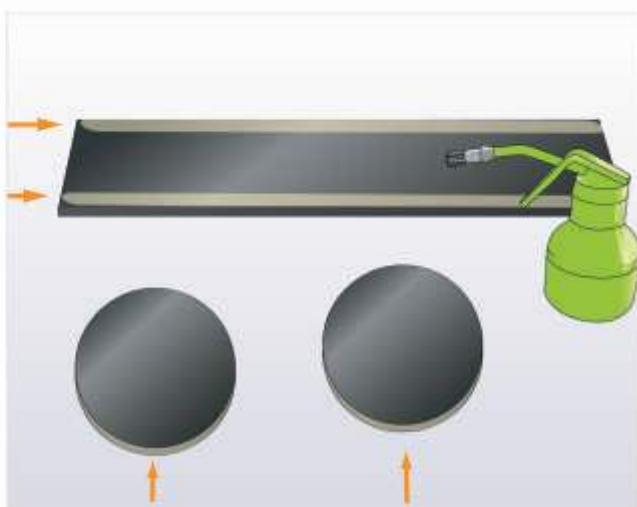
फ्लॅंज (पाँख) बॉक्सेस बनाने की प्रक्रिया

फ्लॅंज को इन्स्युलेट करने की विधि को निम्नलिखित परिच्छेद में दिया गया है।

बर्फीले पानी के पाईप पर या रेफ्रिजरेशन में आर्माफ्लेक्स एडेसिव का, इस्तेमाल करते वक्त दो फ्लॅंजों को जोड़नेवाले नट बोल्ट के बीच की दूरी (गेंप) को पहुंच से बंद करे-

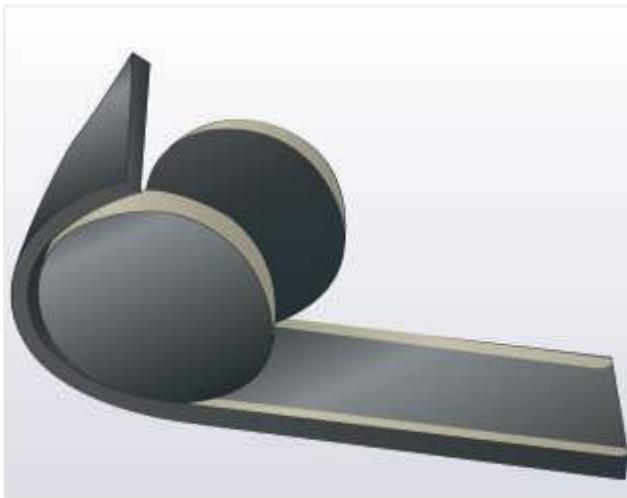


कैलिपर्स से फ्लॅंज सतह का व्यास नापे, इस नाप में १० मि.मि. जोड़े। बोल्ट समेत फ्लॅंज की लंबाई नापकर उसमे मोटाई का दुगना नाप जोड़े।



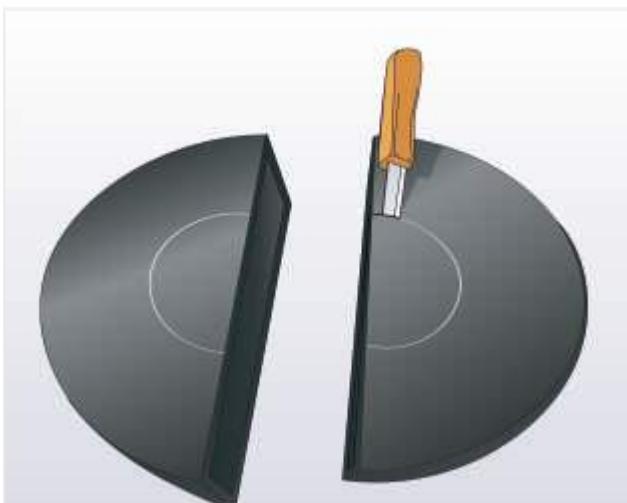
यह नाप आर्माफ्लेक्स शीट पर अंकित करे। दो कॉन्सेन्ट्रीक वृत्त (संकेंद्रीक सर्कल) बनाए। इसी तरह दूसरी शीट के टुकड़े पर अंकित करें और आर्माफ्लेक्स शीट से दो रिंग काटे

चकती (डिस्क) का सर्कमफरन्स (परिधि) निकाले।



हलके से पैनल बॉडी डिस्क (चकती) को किनारों के छोर पर चढ़ाएं। चढ़ाते वक्त शीट को न खींचें। पूर्ण सतह पर सीध (अलाईनमेन्ट) की जाँच करें।

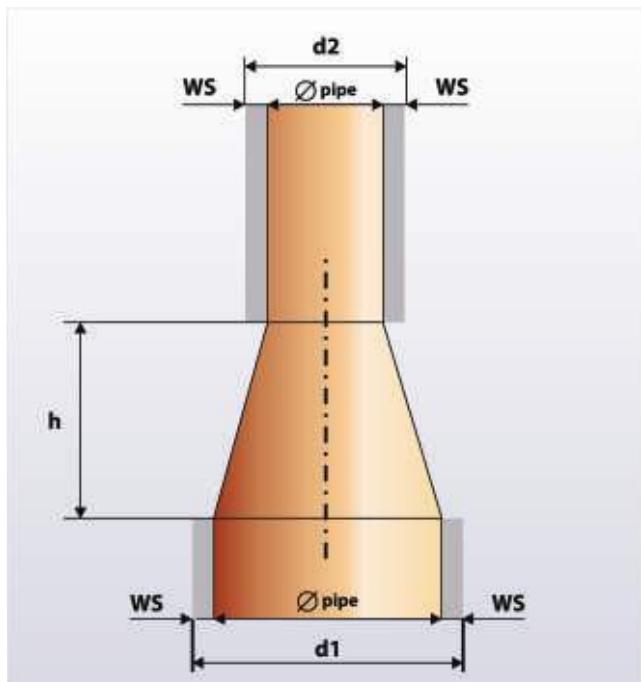
विरुद्ध बाजू की कगारों को एक दूसरे के साथ सिवन पर जोड़ें।



छोटा धारदार चाकू लेकर इन्स्युलेटेड पार्ईप के व्यास के नाप की शीट काटें।

फ्लॅज (पाँख) के ऊपर फ्लॅज बॉक्स (पेटी) के लिये बनाए गए दो अर्धवृत्त लगाएं और सब सिवन और जोड़, इन्स्युलेटेड पार्ईप शाखा पर गीले एडेसिव से जोड़ें।

संकेन्द्रीक सिकुड़ा (कॉन्सेन्ट्रीक रिड्यूसर) इन्स्युलेशन बनाने की प्रक्रिया



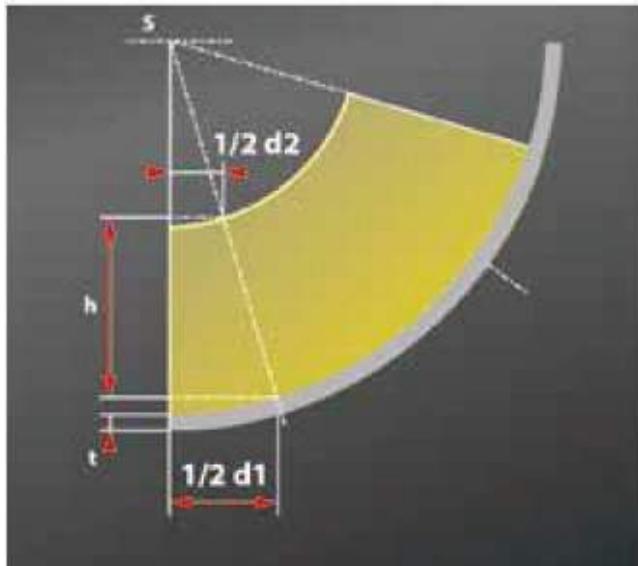
निम्न निर्देशित नाप ले।

h = दोनों वेल्ड (जोड़) सहित रिड्यूसर की ऊँचाई

d_1 = बड़े पाईप का व्यास + $2 \times$ इन्स्युलेशन की मोटाई

d_2 = छोटे पाईप का व्यास + $2 \times$ इन्स्युलेशन की मोटाई

बड़े पाईप पर लगाने वाली शीट की निर्धारित मोटाई की पट्टी लेकर सर्कमफरन्स (परिधि) नापें।

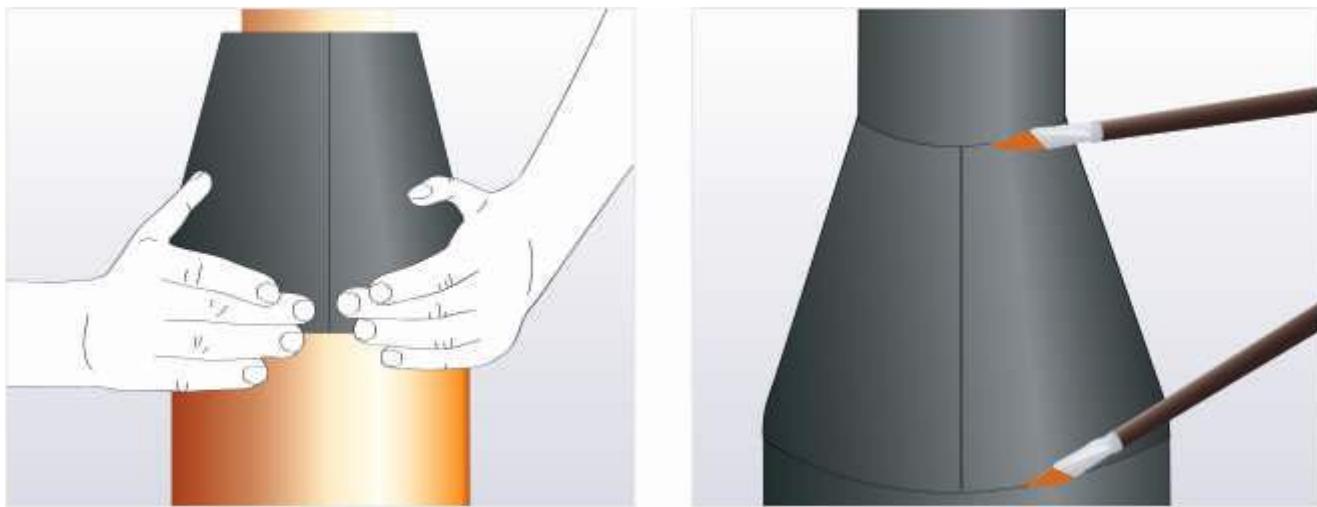


आर्माफ्लेक्स शीट मटेरियल की मोटाई।

t	६ एमएम	१० एमएम	१३ एमएम	१६ एमएम	१९ एमएम	२५ एमएम	३२ एमएम	५० एमएम
-----	--------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------

ऊपर लिये हुए नापों को आर्माफ्लेक्स शीट पर अंकित करें। अतिरिक्त मटेरियल काटने से होने वाले नुकसान को कम करने के लिये आर्माफ्लेक्स शीट के किनारे पर आधा एलीव्हिशन (खड़ा नक्शा) का ड्राइंग बनाए।

धारदार चाकू के शीट से रिड्यूसर (सकेंद्रीक सिकुड़न) के लिये टुकड़ा काटे। (पीला रंग कटने वाले क्षेत्र की रेखाए निर्देशित करती हैं।)

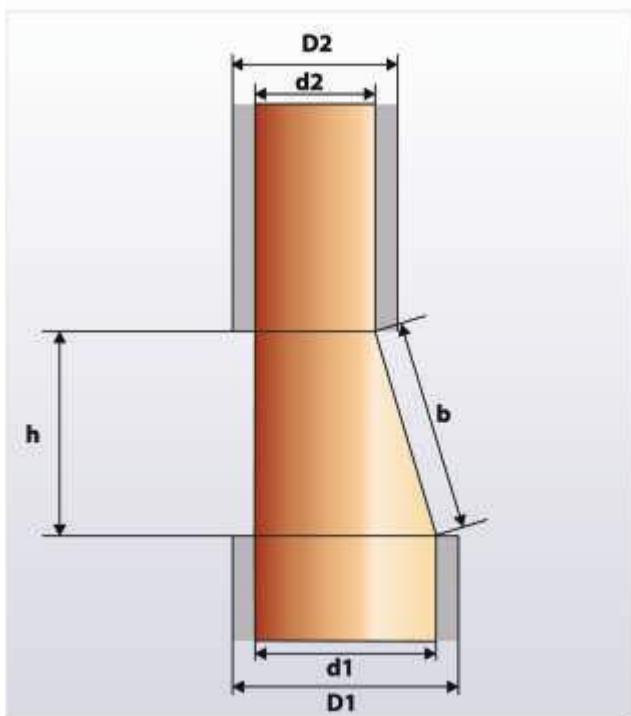


जुड़नेवाले शीट के टुकड़े कि कगार पर एडेसिव लगाए और सूखने दें।

पहले एक छोर पर और फिर दूसरे छोर पर मजबूती से दबाकर जोड़ पूरा करें।

रिड्यूसर (सकेंद्रीक सिकुड़न) के दोनों बाजुवाले पार्ट्स पर इन्स्युलेशन तथा दोनों बट-जार्फ्ट पर गीला एडेसिव लगाकर काम पूरा करें।

अवृत्ताकार सिकुड़ा (एक्सेन्ट्रीक रिड्यूसर) इन्स्युलेशन बनाने की प्रक्रिया



निम्न माप निर्धारित करें।

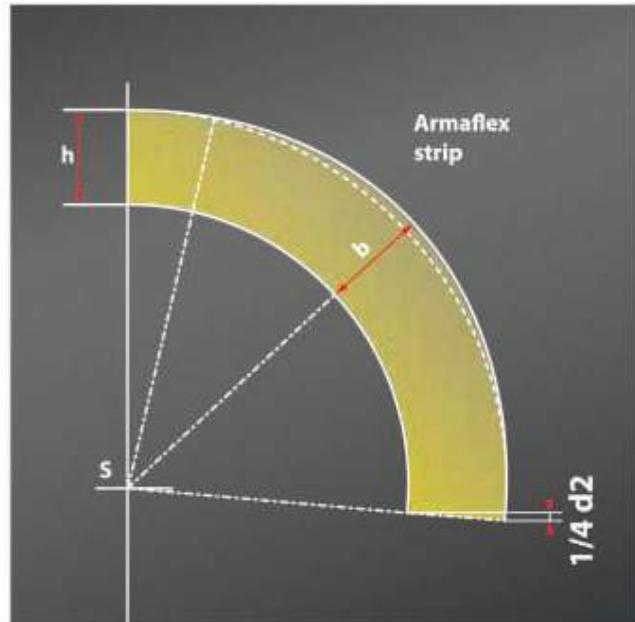
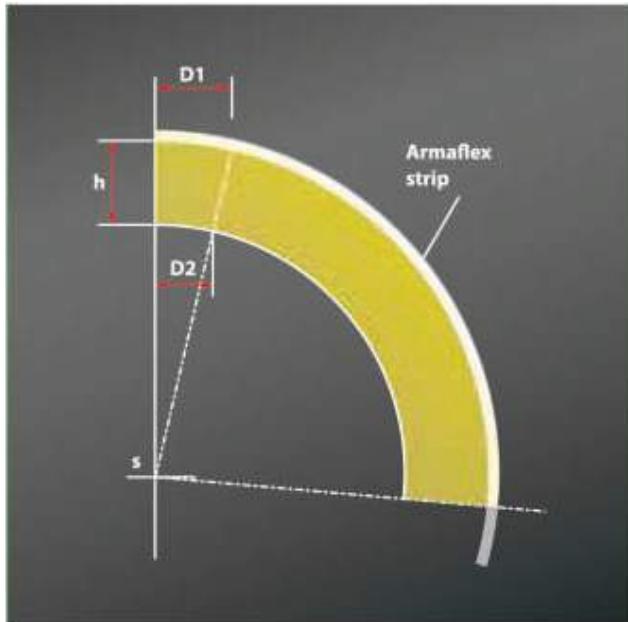
h = दोनों वेल्ड (जोड़) सहित एक्सेन्ट्रीक रिड्यूसर की ऊँचाई

$d1$ = बड़े पार्ट्स का व्यास + 2 × इन्स्युलेशन की मोटाई

$d2$ = छोटे पार्ट्स का व्यास + 2 × इन्स्युलेशन की मोटाई

b = रिड्यूसर की सही लंबाई

बड़े व्यास वाले पार्ट्स पर उपयोग में आनेवाले आर्मफलेक्स शीट की उचित मोटाई वाली पट्टी लेकर सर्कमफरन्स (परिधि) नापें।

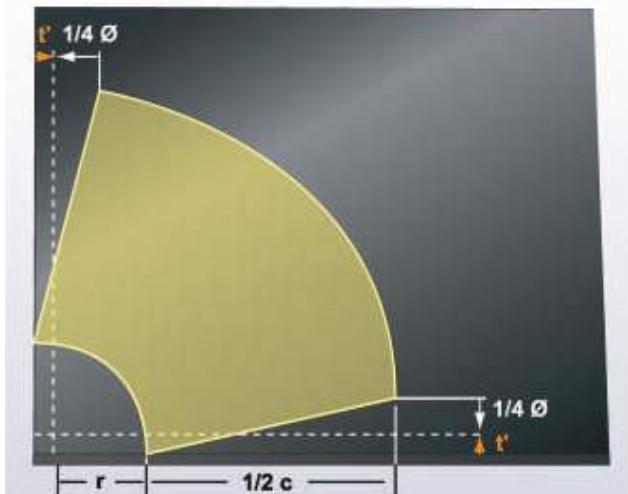


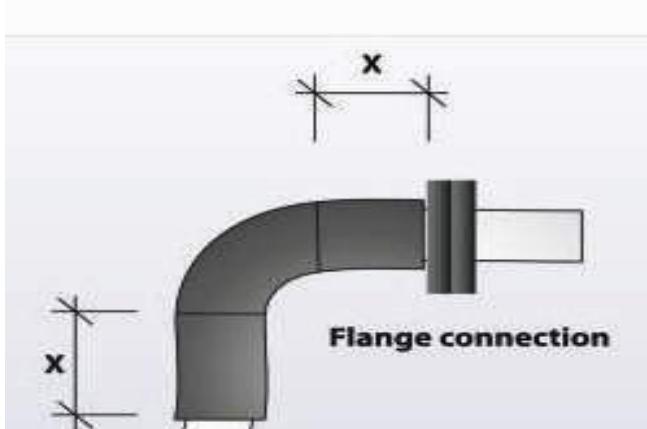
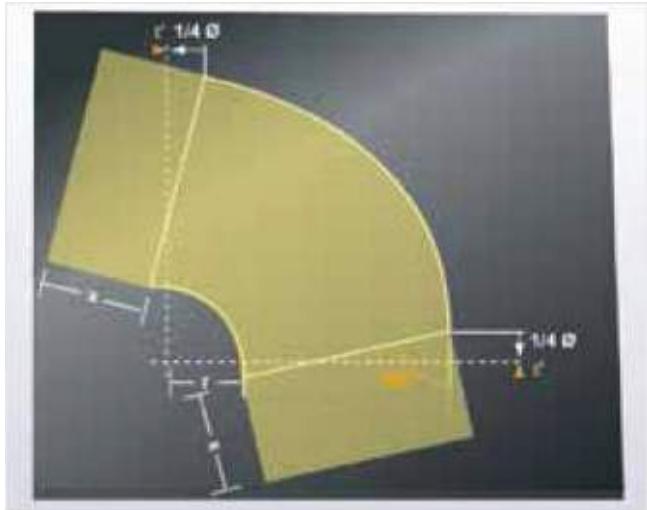
चित्र में बताए गये तरिके से लिये हुए नाप शीट पर अंकित करें।

अंकित किये गए चित्र मे जरुरी हो तो सुधार करें -

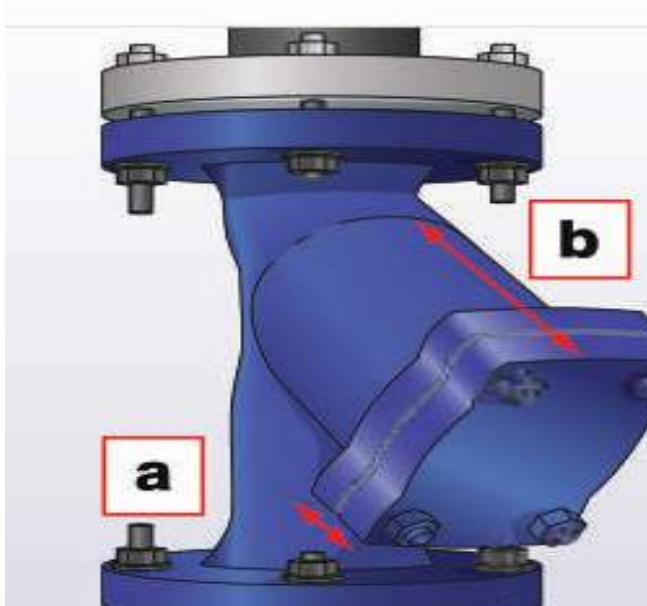
आर्माफ्लेक्स शीट से दो-हिस्से वाला मोड़ विस्तार सहित बनाने की प्रक्रिया

१ कुछ जगह पर फलंज वॉल्व इत्यादि मोड़ (बेन्ड) में सटके लगते हैं। ऐसी स्थितियों में ऐसे क्षेत्र (जगह) पर एकत्रित इन्स्युलेशन लगाना उचित है।

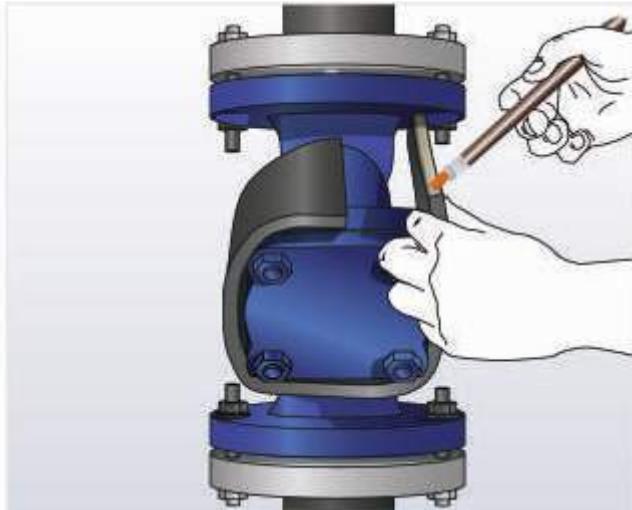
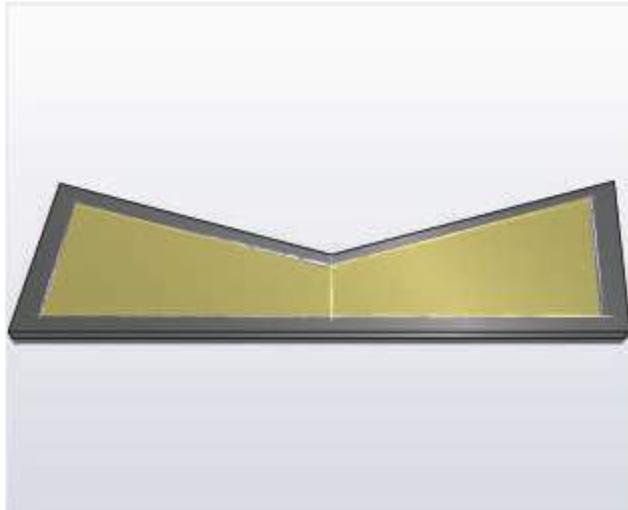




आर्माफ्लेक्स शीट से स्ट्रेनर (झरनी) वॉल्व को इन्स्युलेट करने की प्रक्रिया



- २ मोड़ के दोनों सिरे पर ९० के कोण में बढ़ाया हुआ नाप ''X'' अंकित करें।
- ३ बढ़ाये हुए एल-बो को आधे हिस्से को काटे। काटे हुए टुकड़े को टेम्प्लेट जैसा इस्तेमाल कर दूसरा टुकड़ा काटें।
- ४ बाहरी कगार पर एडेसिव लगाकर दोनों तुकड़ों को जोड़ें।
- ५ एडेसिव को सूखने दे और फिर दोनों तुकड़ों को जोड़ दें। (कृपया पृष्ठ ३४ पर दिये हुए ''आर्माफ्लेक्स शीट (चादर) से द्विमुख - मोड़ बनाने की विधि'' को देखें)
- ६ पाईप मोड़ पर इन्स्युलेशन आवरण लगाए। एडेसिव को थोड़ा सूखने दें और फिर दोनों जोड़ों को मजबूती से दबाके जोड़े।

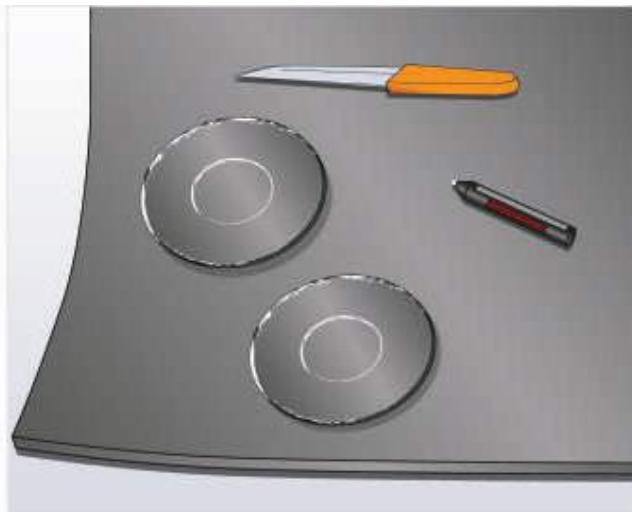
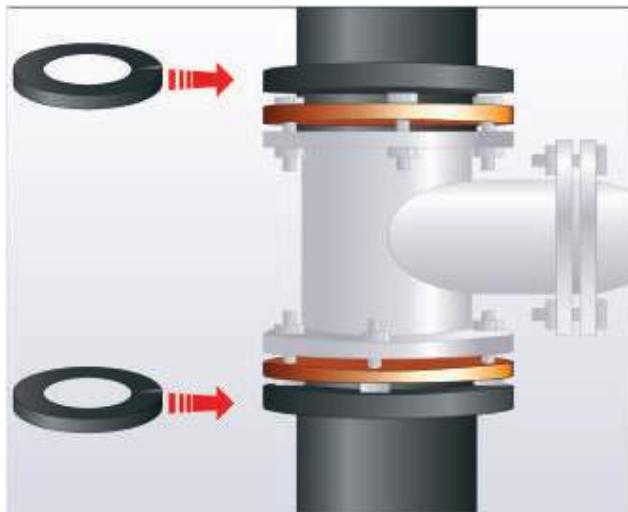


४ सर्कमफरन्स (परिधि) को आर्माफ्लेक्स शीट के ऊपर अंकित करे और एक मध्यरेखा खींचे।

५ हर छोर पर पहले लिये हुए माप (ङ) तथा (ठ) अंकित करें।

टिप : स्ट्रेनर भाग का विस्तार स्ट्रेनर वॉल्व बॉडी के इन्स्युलेशन तक हो सकता है और ऐसी परिस्थिति में ज्यादा लंबाई आवश्यक है, जिससे स्ट्रेनर सेक्शन का इन्स्युलेशन स्ट्रेनर वॉल्व बॉडी के बाहर निकल सकता है।

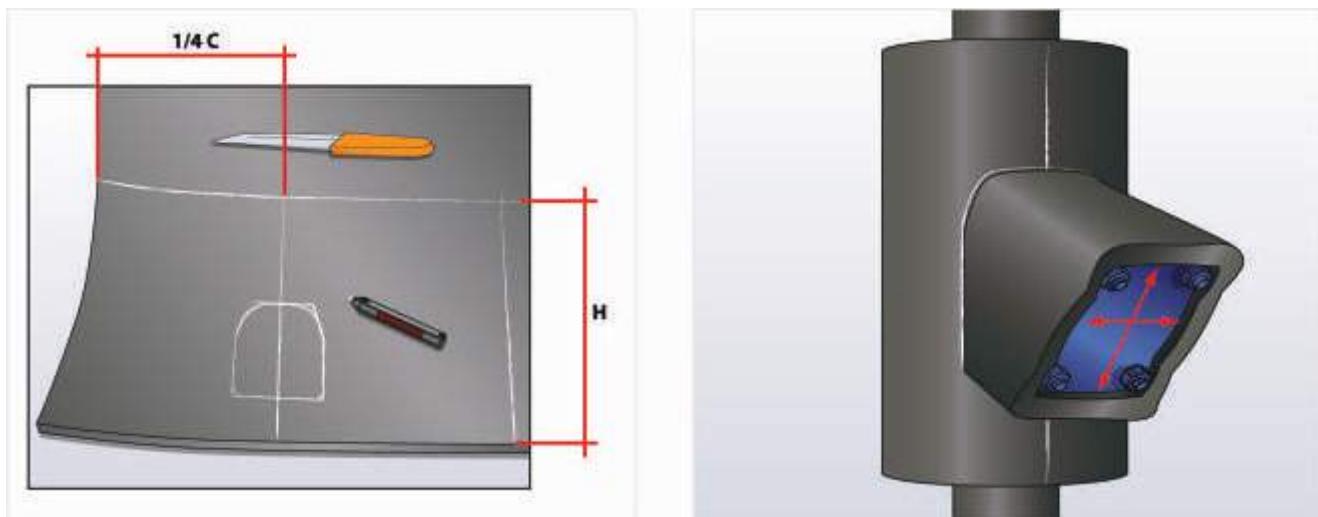
६ शीट के टुकड़े काटकर आर्माफ्लेक्स एडेसिव इस्तेमाल करके स्ट्रेनर पर लगाए।



७ कैलिपर्स (परकार) का इस्तेमाल कर निम्न व्यास नापे।

- अंदर आनेवाली इन्स्युलेटेड पाईप
- स्ट्रेन वॉल्व का फ्लैंज

- ८ उक्त नाप आर्माफ्लेक्स शीट पर अंकित करे। विभाजक (डिव्हायडर) से वृत्त बनाए। इसी तरह दूसरी शीट पर भी नाप अंकित करे। दो आर्माफ्लेक्स चकतियाँ (रिंग) काटकर दोनों फ्लैंजेस पर लगाए।
- ९ दोनों आर्माफ्लेक्स चकतियों के बीच की दूरी बाहरी सतह से सर्कमफरन्स (परिधि) मापें। माप पट्टी की मोटाई, इस्तेमाल किये हुए शीट की मोटाई के बराबर हो।
- १० सर्कमफरन्स (परिधि) और ऊँचाई शीट पर अंकित करे।



- ११ मध्य रेखा अंकित कर के स्ट्रेनर की बाहरी सतह निर्देशित करे। शीट से टुकड़ा काटे और लंबी सिवन पर एडेसिव लगाए। फिर टुकड़े पर एडेसिव लगाके स्ट्रेनर वाल्व बॉडी पर लगाए।
- १२ स्ट्रेनर बॉडी की ऊँचाई और चौड़ाई और शीट की मोटाई नापे। फिर नाप शीट पर अंकित करके डिस्क छोर का आवरण निर्देशित करे।
- १३ डिस्क का सर्कमफरन्स (परिधि) निश्चित करे। हमेशा नाप लेने के लिये आर्माफ्लेक्स शीट की निर्धारित मोटाई की पट्टी इस्तेमाल करे। स्ट्रेनर बॉडी के अंत से-इन्स्युलेटर स्ट्रेनर वॉल्व तक की निम्नतम और अधिकतम दूरी मापे।
- १४ ऊपर लिये हुए नाप शीट पर अंकित करे और अंतिम छोर बिंदु डिवाइडर से जोड़े।



१५ अंकित किये हुए टुकड़ों को काटकर सिवन पर एडेसिव लगाए। कुछ समय सूखने दे और फिर हल्के से डिस्क पर बिना खींचे चढ़ाए। जोड़ो का संपूर्ण मिलान जांच करें।

१६ स्ट्रेनर के ऊपर और स्ट्रेनर, खास करके स्ट्रेनर बॉडी, पर इन्स्युलेशन लगाकर चिपकाए।

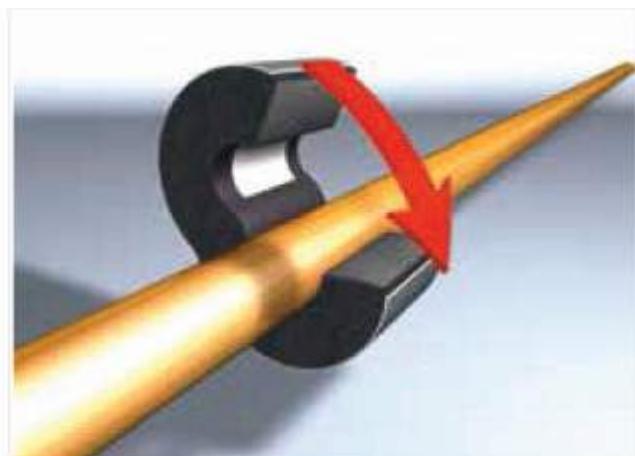
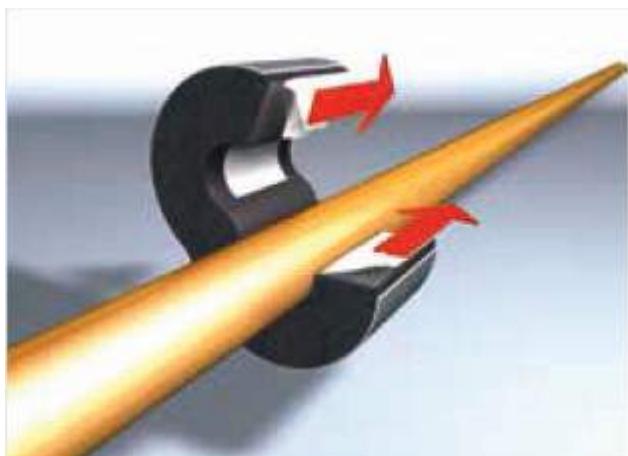
टिप : यद्यपि स्ट्रेनर को समय समय पर साफ करने के लिये खुलनेवाला ढक्कन जरुरी है। फिर भी ठंडे वातावरण में स्ट्रेनर पे ढक्कन का इस्तेमाल करने की सलाह नहीं दी जाती।

आर्माफ्लेक्स इन्स्युलेटेड पाईप सपोर्ट्स को लगाने की प्रक्रिया

अति ठंडे वातावरण में, जहाँ पर आर्माफ्लेक्स लगा हो, वहाँ पाईप से सपोर्ट लगाने से बरफ और दाढ़ (कंडेनशेसन) से बचाव होता है। अतः सपोर्ट लगाना उचित है। जब आर्माफ्लेक्स सपोर्ट का उपयोग ना किया हो ऐसी जगह पर निम्न सूचनाओं का पालन करें।

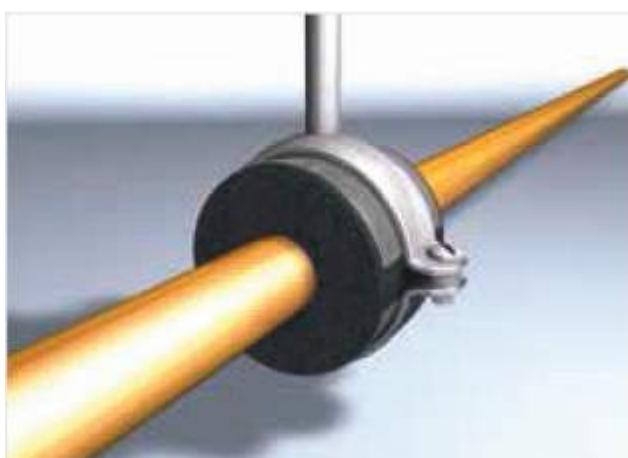
- आर्माफ्लेक्स शीट से मजबूत जोड़ बनाए। हवा और वेपर (सिलन) के प्रवेश को रोकने के लिये जॉइन्ट्स को एडेसिव से बंद करें।
- एडेसिव टेप का उपयोग कर बट – जॉइन्ट को और पाईप का जोड़ बंद करें। टेप लगाने से पहले, सतह से धूल साफ करें।

आर्माफ्लेक्स पाईप सपोर्ट्स, 'आर्माफ्लेक्स सह भारवाहक पीयूआर/पीआयआर इन्सर्ट्स और अल्युमिनियम अच्छादित क्लॅम्प्स' (जकड़) इन भागों से बनाया गया है।



आर्माफ्लेक्स पाईप सपोर्ट को लगाए, दोनों बाजू का सफेद सुरक्षा कागज हटाएं। सीलन को दबाव देकर बंद करें।

टिप : उचित माप वाले सपोर्ट का चयन करें। (ट्युब की निम्नतम मोटाई का ध्यान रखें)।



ब्रैकेट लगाए

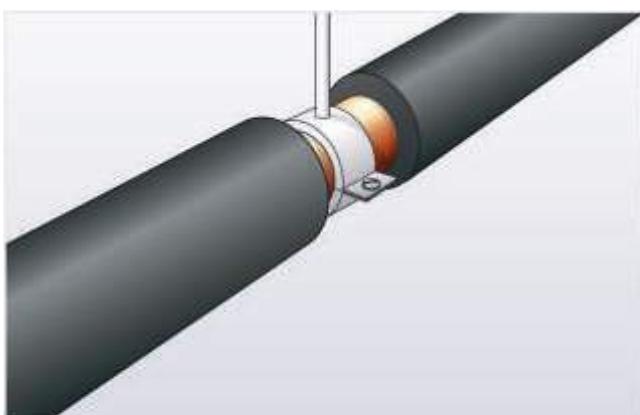
महत्वपूर्ण सूचना : सिर्फ भार पेलनेवाले पीयूआर/पीआयआर सेगमेंट का उपयोग करें। पाईप सपोर्ट के दोनों बाजू आर्माफिलेक्स पाईप को गीले एडेसिव से बंद करें।

टिप : पाईप पर इन्स्युलेशन थोड़े दबाव के साथ लगाए।

पाईप के सपोर्ट्स के ऊपर इन्स्युलेशन (एनकॉप्सुलेटिंग) लगाने की विधि।

मानक (स्टैंडर्ड) ब्रैकेट्स के ऊपर इन्स्युलेशन लगाने के लिये निम्न तरीका इस्तेमाल करें।

सूचना : ठंडे पाईप पर काम करने से पहले सिस्टम की उपयोगिता को जाँच ले।



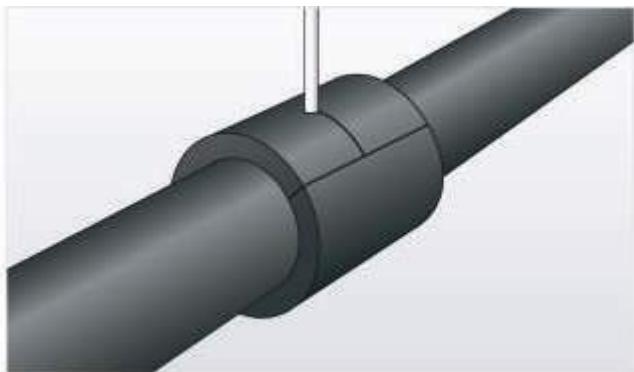
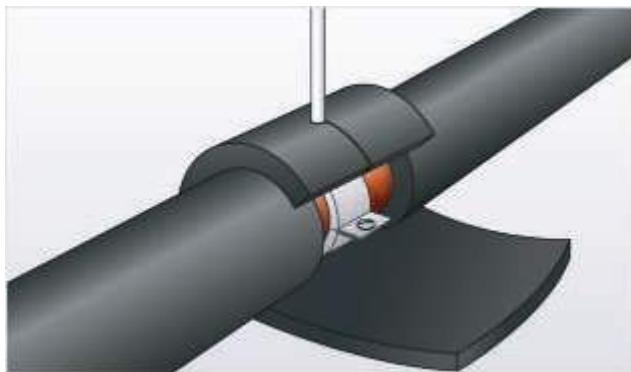
- 1 आर्माफिलेक्स को ब्रैकेट से जितना हो सके, उतना करीब लगाए। ट्युब के सिरे पाईप के साथ एडेसिव से जोड़े।

सूचना : ठंडी पाईप लाइन्स पर ब्रैकेट को आर्माफिलेक्स ट्युब या स्वयं चिपकनेवाला टेप इस्तेमाल करके उसे इन्स्युलेट कर दें।



- 2 आर्माफिलेक्स ट्युब का बड़ा टुकड़ा ले, उसमें ब्रैकेट के ऑर्डल थ्रेड सपोर्ट के लिये एक छोटा छिद्र बनाये और एक छोटे नुकीले चाकू की मदद से ट्यूब को चीर कर सपाट आवरण बनाएं।

सूचना : बड़े व्यासवाले पाईप के लिये आर्माफिलेक्स शीट का उपयोग करें।



३ बनाया हुआ आर्मफिलेक्स आवरण सपोर्ट क्षेत्र पर लगाए, ठीक से अंकित करके आवरण का संर्कमफरन्स निकाले। लगाए हुए इन्स्युलेशन शीट के सिवन और जोड़ो पर एडेसिव लगाकर सील करके बिठाए।

दूसरे पार्ट्स भारवाहक ढाँचा (सपोर्ट्स) पर इन्स्युलेशन करने की प्रक्रिया

पानी और वाष्प (वेपर) से पूरी तरह से सुरक्षा और ठंडे वातावरण में द्रव के पार्ट्स पर जमाव को रोकने के लिये आर्मफिलेक्स पार्ट्स भारवाही ढाँचा एक बेहतरीन (उत्तम) तरीका है।

पीयूआर/पीआयआर से बनी ठंडी पार्ट्स के जकड़ को लटकाने वाली प्रणाली का एक हिस्सा है।

इन हालातों में ठंडी जकड़ और आर्मफिलेक्स इन्स्युलेशन के बीच वाष्परहित जोड़ होना बेहद जरुरी है।

यह जोड़ के बीच तापमान के बढ़ने से द्रव जमा होने की संभावना को टालने के लिये विशेष ध्यान देना जरुरी है।

१ आर्मफिलेक्स क्लिनर से क्लैम्प (जकड़) को साफ करे।

२ जिन सतहों को चिपकाना हो, उन्हें एडेसिव लगाकर थोड़ा सूखने दें।

३ एडेसिव की दूसरी सतह क्लैम्प (जकड़) और आर्मफिलेक्स एडेसिव जोड़ पर लगा कर हल्के से, लेकिन मजबूरी से दबाकर जोड़ बनाएं।

४ ऊपर दिये हुए तरिके से बने हुए जोड़ पर गीला सील लगाकर बंद करे।

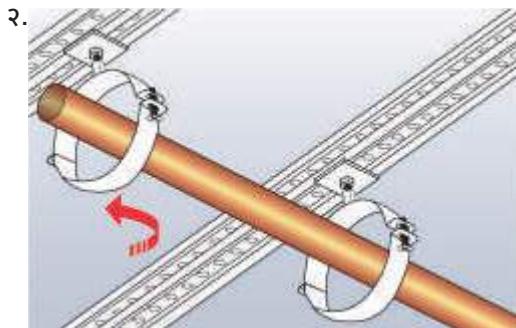
५ अगर जरुरी हो तो आर्मफिलेक्स की मोटाई को दुगना करे।

६ जोड़ को मजबूत करने के लिये आर्मफिलेक्स पट्टी से एडेसिव लगाकर संपूर्ण आच्छादित करें।

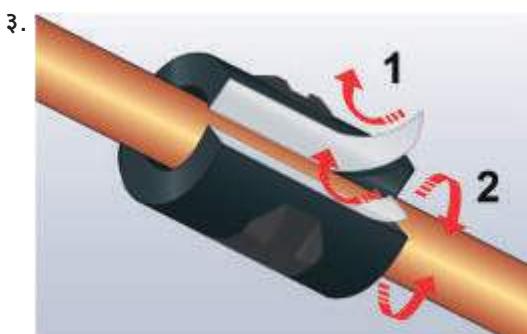
अर्माफिलेक्स एक्स पाईप सपोर्ट को लगाने कि प्रक्रिया



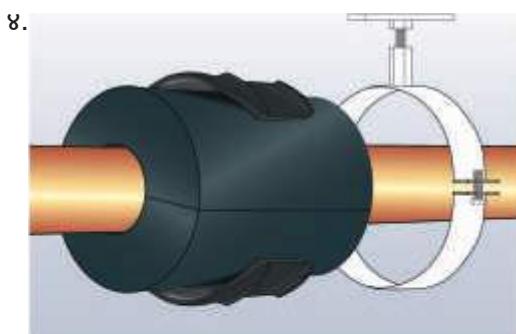
क्लॅम्प को खोलिये।



क्लॅम्प में पाईप डालकर उसे बंद किजीये।



१. आर्माफिलेक्स पाईप सपोर्ट पाईप पर लगाईये।
२. दोनों सतह पर लगे सेल्फ अधेसिव्ह पट्टी को निकालिये।
३. दरार को बंद करे और दबाव दे ताकि जोड़ पक्का हो जाए।



आर्माफिलेक्स से इन्सुलेट किये हुये पाईप सपोर्ट को क्लॅम्प के अदरं बिठाईये।

४.१

४.२

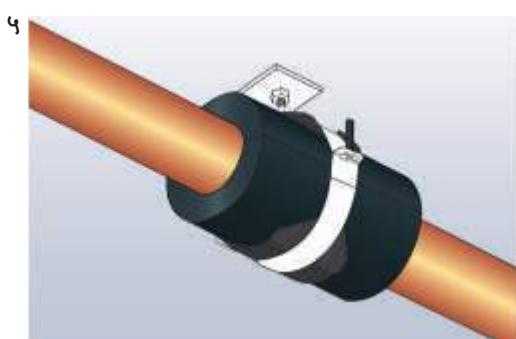
कैरियर एलिमेंट की सही जगह सुनिश्चित करें।

५.१

५.२



फ्लेक्सीबल इलेस्टोमैरिक मटेरियल पर दबाव न आने दे।

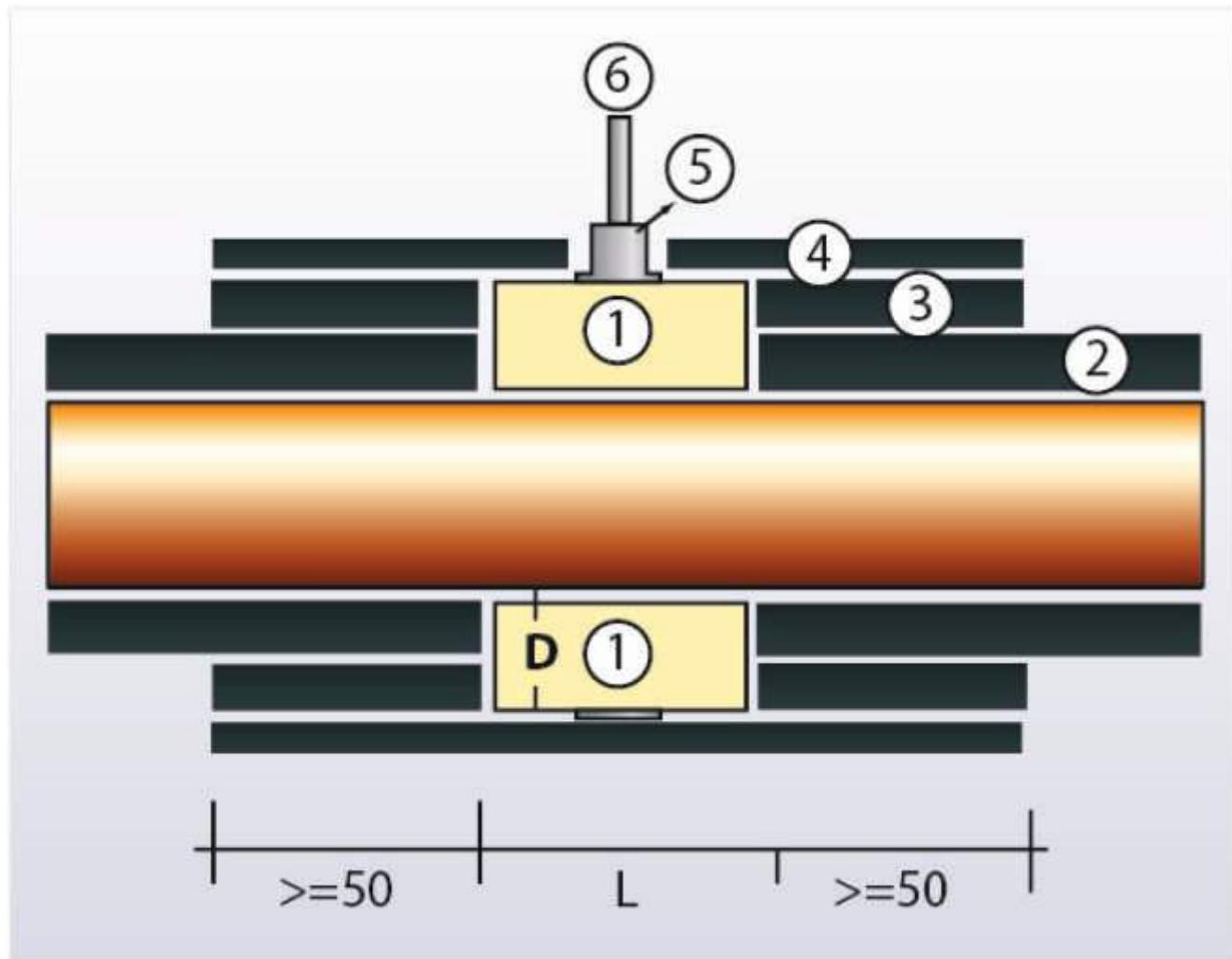


क्लॅम्प को हलकेसे स्कू करे ताकि कैरियर एलीमेंट्स सहि ढंग से बैठ जाए।



पाईप पर इन्सुलेशन लगानेसे पहले आर्माफिलेक्स के दोनों बाजुकों के सतह पर आर्माफिलेक्स अधेसिव्ह लागाईये। इन्सुलेशन को आर्माफिलेक्स पाईपसपोर्ट के दोनों बाजुओं पर लगाईये व बनें हुये जोड़ पर आर्माफिलेक्स अधेसिव्ह लगाकर गिला सिल बंद करें।

आर्माफ्लेक्स ट्यूब के साथ रिजीड पी.यू. फोम से बने क्लैम्प (जकड़) पक्के जकड़ से किये जोड़ का आखेयीय चित्र।



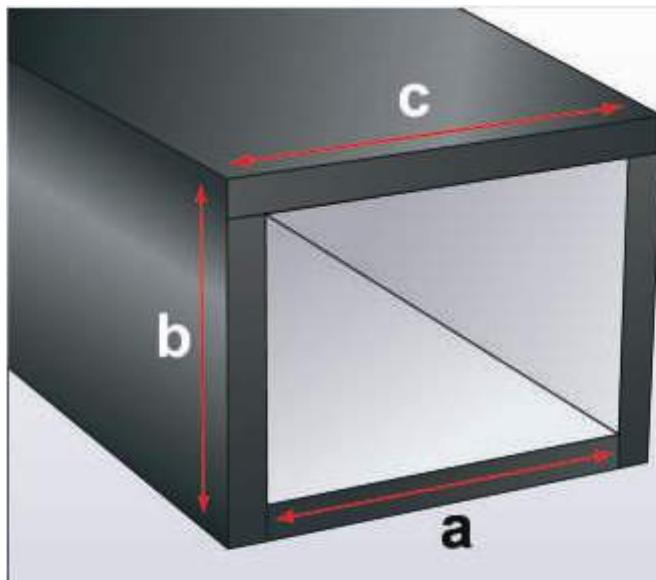
- १ रिजीड पी.यू. फोम से बनी पक्की जकड़
- २ आर्माफ्लेक्स ट्यूब
- ३ आर्माफ्लेक्स की दूसरी परत
- ४ आर्माफ्लेक्स का संपूर्ण आच्छादन (मोटाई ९ एमएम या अधिक)
- ५ जोड़नेवाली पेंच (कनेकटिंग थ्रेड)
- ६ पेंचदार छड़ (थ्रेडेड बार)

डक्टस् (नाली)

आर्माफ्लेक्स शीट से आयाताकार डक्ट को इन्स्युलेट करने की प्रक्रिया

डक्ट की सतहों का नाप लेकर आर्माफ्लेक्स शीट हिसाब से काटे।

सूचना: ५ मि.मि. अतिरिक्त की जगह दबाव के साथ जोड़ने के लिये छोड़े।



$$a = \text{डक्ट की चौड़ाई} + 5 \text{ मिमि}$$

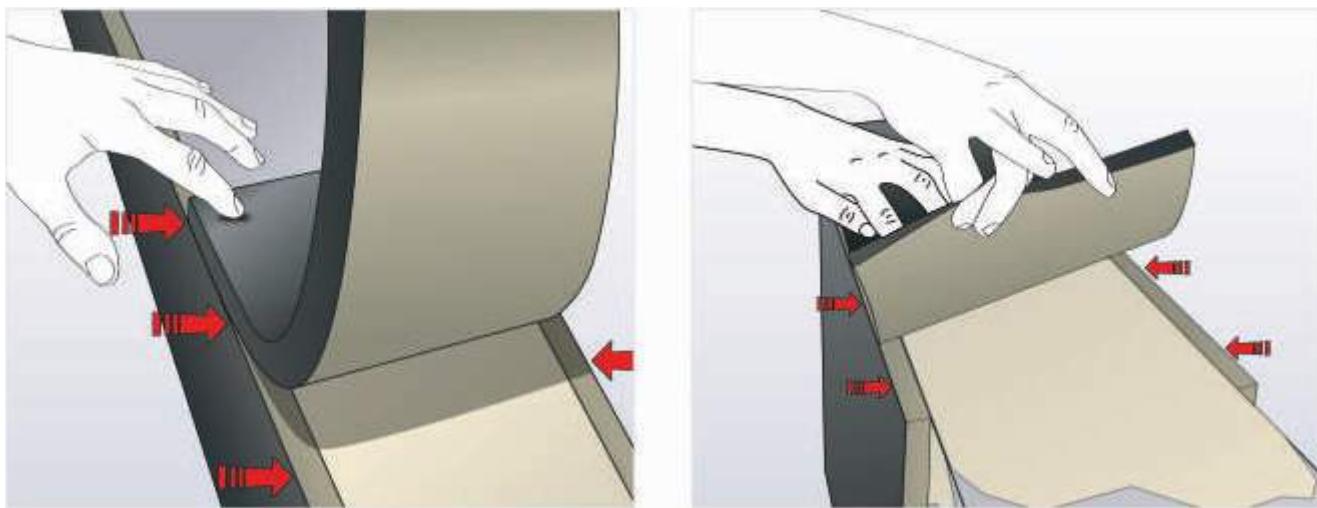
$$b = \text{डक्ट की ऊँचाई} + 5 \text{ मिमि} + \text{इन्स्युलेशन मोटाई}$$

$$c = \text{डक्ट की ऊँचाई} + 5 \text{ मिमि} + 2 \times \text{इन्स्युलेशन मोटाई}$$

सतहों को ग्रीस, तेल, तथा मैल से साफ करने के लिये क्लीनर का उपयोग करें। शीट को उचित नाप से काटे।

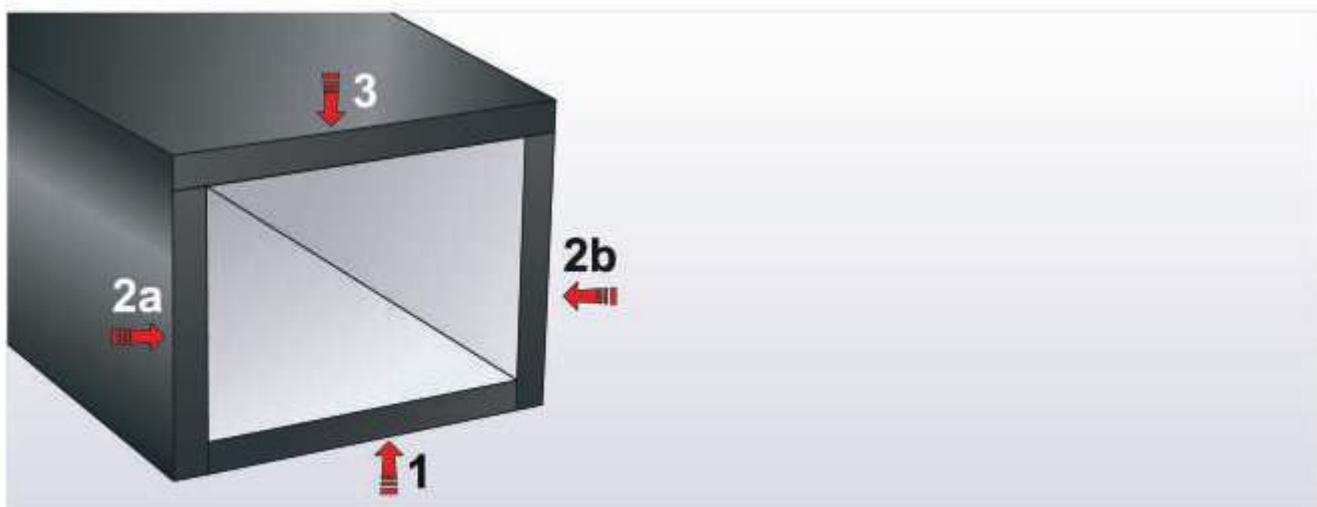


एडेसिव की पतली परत, मेटल सतह पर तथा आर्माफ्लेक्स शीट पर फैला दे।



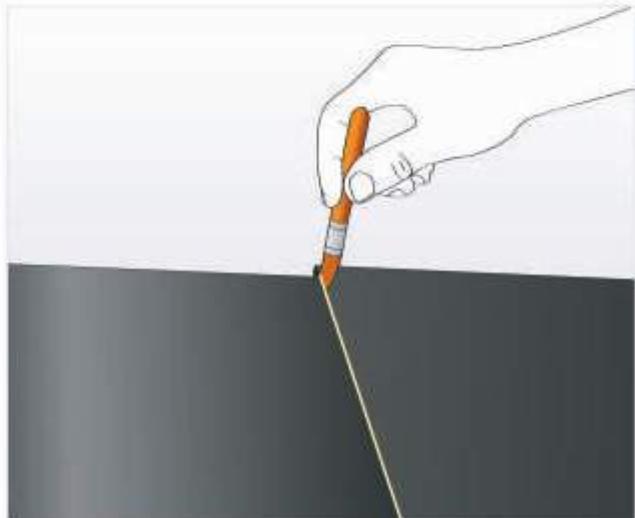
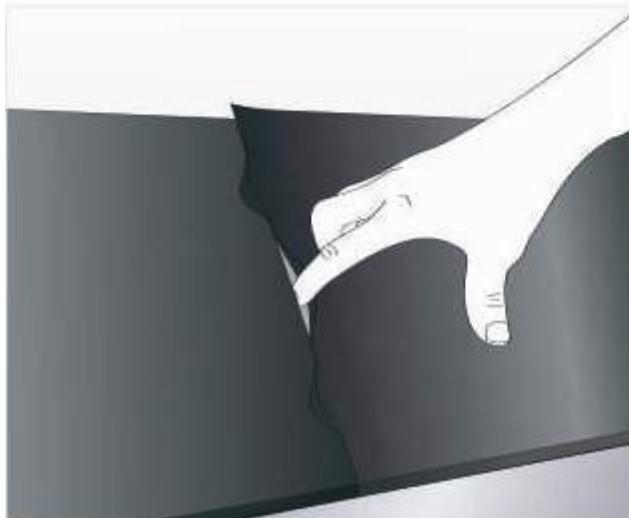
एडेसिव थोड़ा सूखने पर (नाखून से परीक्षण करके) आर्माफ्लेक्स को लगा कर मजबूती से दबाकर पक्का जोड़ बनाए। दोनों सतहों पर और कगारों पर एडेसिव लगाए। उसे थोड़ा सूखने दे और मजबूती से दबाकर सही जगह से चिपकाए।

सूचना : यह ध्यान में रहे कि शीट को रोल (घुमाके) करके इन्स्युलेटेड किनारों/पर धीरे धीरे नीचे लाकर सही जगह लगाना है।





काटी हुई शीट को ५-१० मि.मि. का अतिच्छादन ध्यान में रखकर जगह पर रखे। आर्माफ्लेक्स शीट पर या डक्ट (नाली) के सतहों पर एडेसिव ना लगाए, शीट और डक्ट (नाली) की सतहों पर ३० मि.मि. की पट्टी जगह (बिना एडेसिव लगाए) छोड़े।

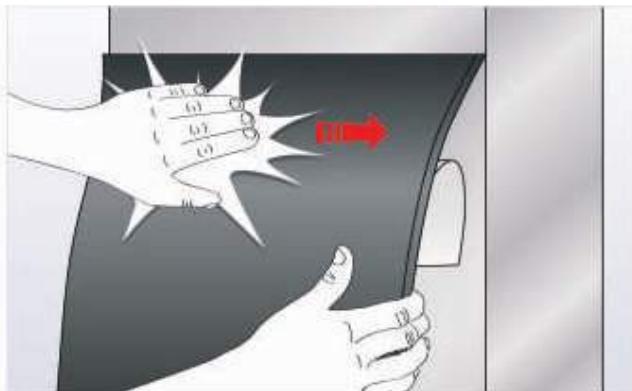
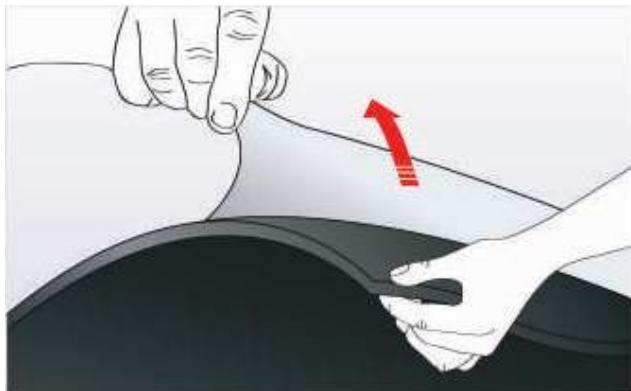


साथ में जोड़ते समय (बिना खींचे) दाब दे।

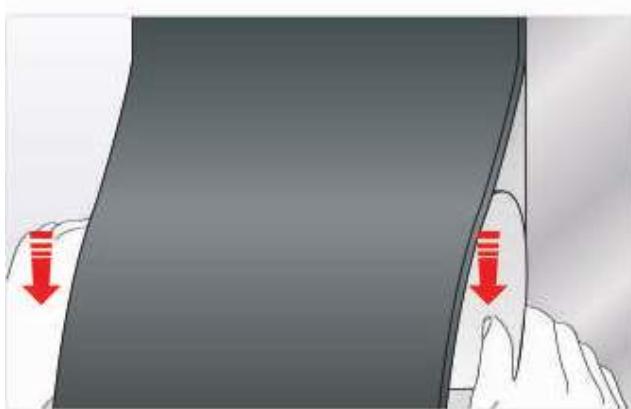
बट-जोड़ो पर अतिरिक्त गीला एडेसिव लगाए।

आर्माफ्लेक्स आयाताकार डक्ट (नली) को इन्स्युलेशन करने की विधि

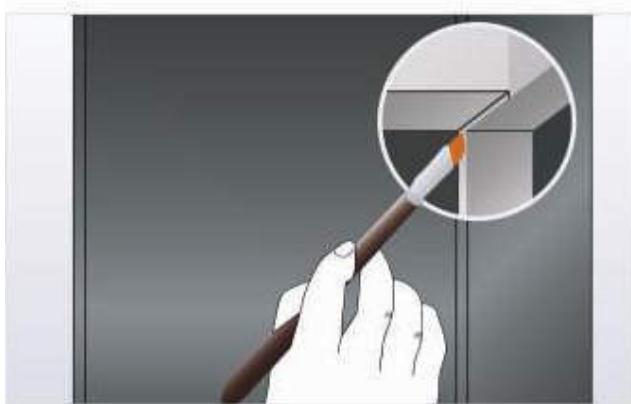
सतहों को ग्रीस, तेल, मैल इत्यादि से साफ करने के लिये आर्माफ्लेक्स क्लीनर इस्तेमाल करें।



रिलीज पेपर को १०-१२ से.मि.तक खींचे और शीट को जगह पर रखें। एडेसिव से चिपकने के लिए मजबूती से दबाएं।



रिलीज पेपर निकालते समय शीट सीधी लाईन मेरखकर मजबूती से दबाएं। बट जोड़ पर ५ मि.मि. की अतिरिक्त आच्छादन दाब देने के लिये रखें।

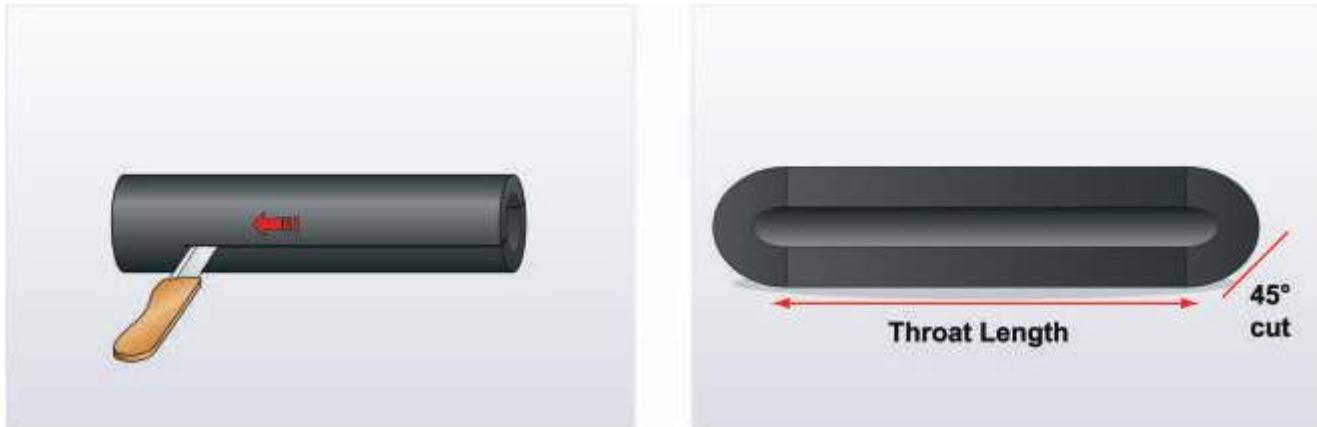


गीली सील के बट-जोड़ो पर लगाएं।

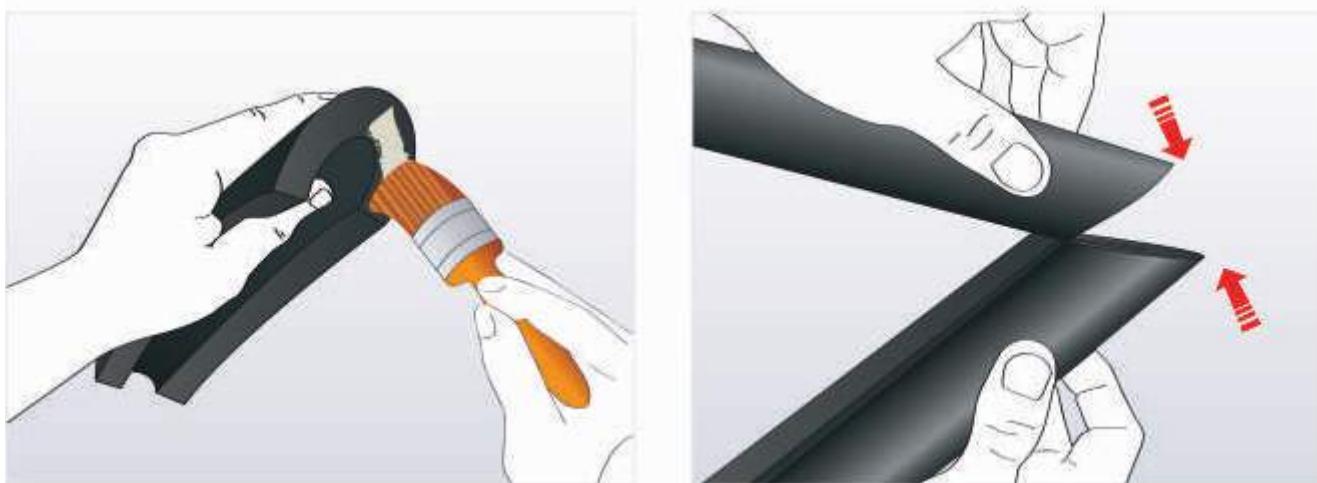
आर्माफ्लेक्स से नाली के ब्रैकेट को इन्स्युलेट करने की प्रक्रिया

आर्माफ्लेक्स ट्युब से नाली के ब्रैकेट पर इन्स्युलेशन।

कम खर्च और उच्च उपयुक्तता के लिये आर्माफ्लेक्स ट्युब को नाली के इन्स्युलेशन के लिये उपयोग में ला सकते हैं।

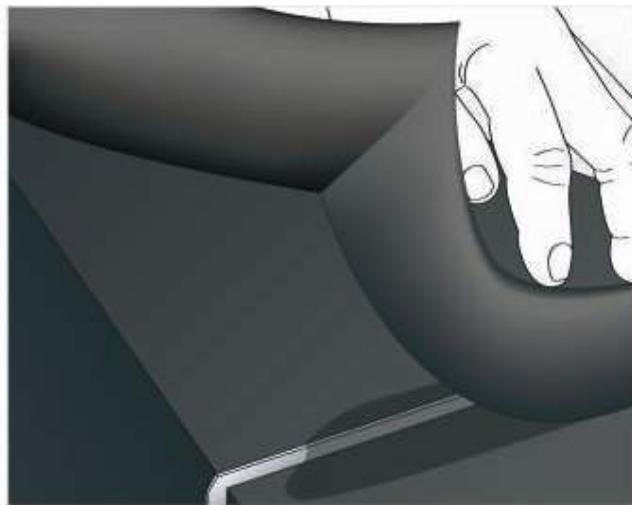


- १ नाली के मोटाई के समान मोटाई वाली अनकटी ट्युब इस्तेमाल करे। ट्युब को धारदार चाकू से चीरकर दो हिस्सों में काटे।
- २ नाली (डक्ट) के चारों बाजुओं का माप ले।
- ३ मिटर बॉक्स या आर्माफ्लेक्स टेम्प्लेट लेकर आर्माफ्लेक्स को ४५ कोण में काटे।
- ४ बचे हुए ३ बाजुओं को बताए गए तरीके से काटे।



- ५ ब्रश से तीनो ४५ कोण में कटे हुए सेटस् पर एडेसिव की पतली परत लगाएं।

६ एडेसिव थोड़ा सूखने दे और उसके पश्चात कोणों को साथ जोड़कर समान दबाव दे।



७ आर्माफ्लेक्स ट्यूब से बने पिक्चर फ्रेम को नाली (डक्ट) के किनारों पर लगाए तथा एडेसिव को कोणीय हिस्से और जोड़ पर लगाने का काम पुरा करे।

८ काम संपूर्ण करने के लिये गिला एडेसिव फ्रेम पर लगाए।

आर्माफ्लेक्स शीट से नाली ब्रैकेट पर इन्स्युलेशन करने की प्रक्रिया



एकल पट्टी पद्धति – चार एकल पट्टीयों को इन्स्युलेशन पर लगाना।



त्रिभुजा बॉक्स (पेटी) पद्धति – अतिरिक्त आवरण पट्टी के साथ बनाई गई बाजू की



पट्टी सलग एकल पट्टी पद्धति – पूर्णतः एक निरंतर पट्टी

ऊपर बताई गई पद्धतियों में आर्माफ्लेक्स ब्रैकेट के आवरण शीट की मोटाई नाली (डक्ट) के मोटाई के समान है। सलग वाष्परहित प्रणाली (सिस्टम) में इन्स्युलेशन को अच्छी तरह से लगाकर गीले एडेसिव से बंद करे।

आर्माफ्लेक्स शीट से वर्तुलाकर नाली को इन्स्युलेशन करने की प्रक्रिया

वर्तुलाकार नाली को इन्स्युलेशन करने के लिये, “बड़े व्यासवाले पाईप पर आर्माफ्लेक्स से इन्स्युलेशन” और “६०० मि.मि. बड़े व्यासवाले पाईप पर एडेसिव का इस्तेमाल,” पढ़े।

हेसल्स और टैंक्स

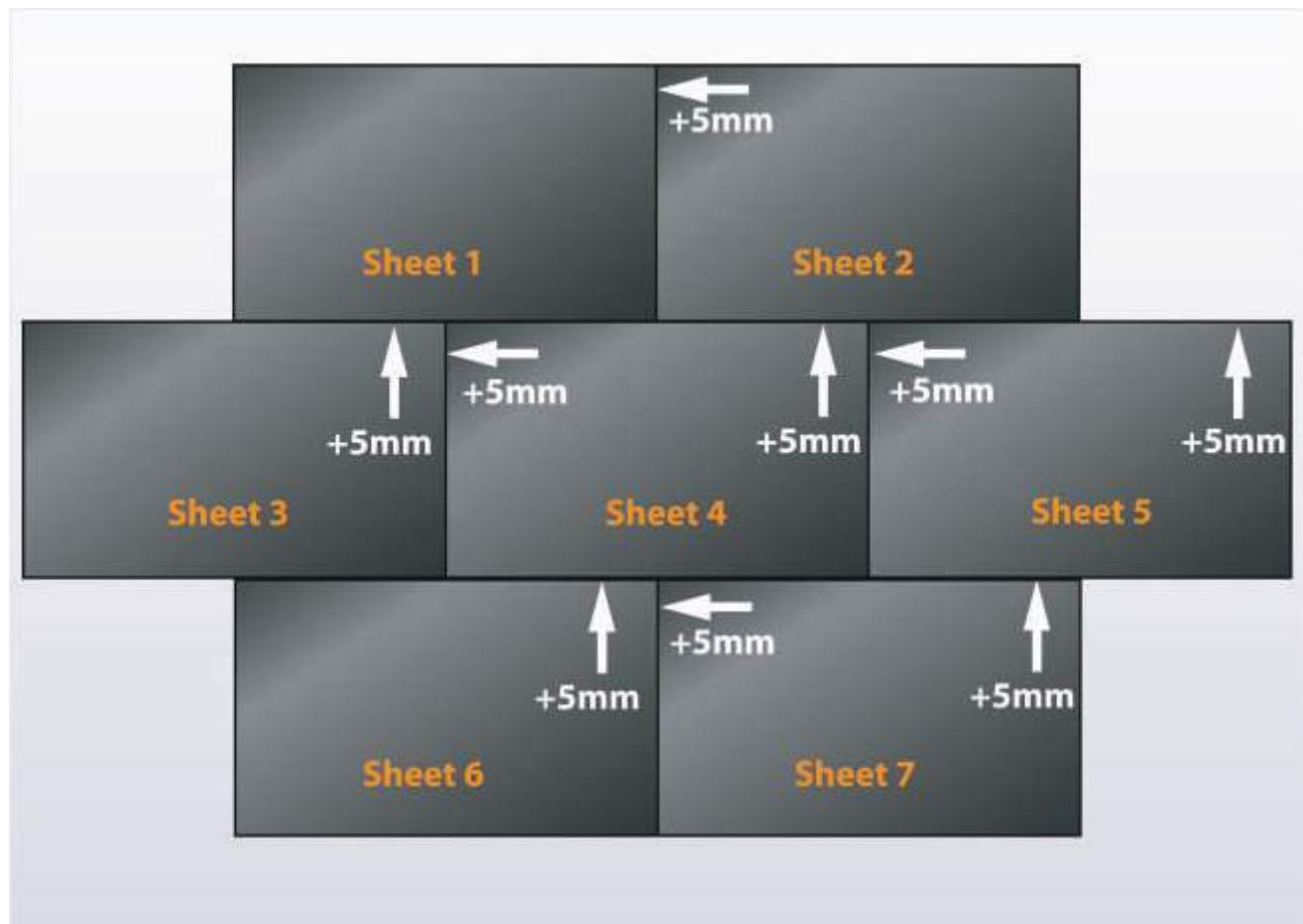
आर्माफिलेक्स शीट के साथ हेसल्स और टैंक्स का इन्स्युलेशन करने की प्रक्रिया

शीट को विभिन्न माप में काटने के लिये अनुसूची बनाये।

आर्माफिलेक्स शीट (2×0.5 मीटर) या (कन्टीन्यूअस रोल) सलग शीट (१ मीटर मोटी और लंबाई ३ से १५ मीटर तक उसके मोटाई के अनुसार) को आवरण के उपयुक्तता के अनुसार काटे।

बड़े हेसल्स और टैंक्स के लिये आर्माफिलेक्स शीट का लेआउट बनाएं।

शीट के जोड़ों को अलग-अलग रखें (जोड़ एक के ऊपर एक न लगाएं)



दबाव देकर बनाए गए जोड़।

आर्माफिलेक्स रोल या शीट को काटते वक्त ५ मि.मि. की अतिरिक्त जगह सभी बाजुओं पर छोड़े।

हमेशा जोड़ दबाव के साथ बनाए। वर्तुलाकार सतहों पर आर्माफ्लेक्स शीट की मोटाई के समान मोटाई की पट्टी से सर्कमफरन्स (परिधि) नापे। पट्टी को ना खींचे।

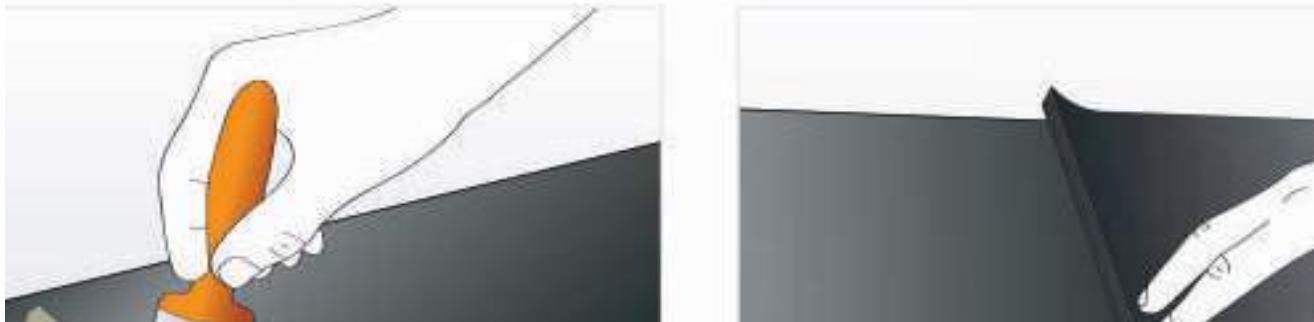


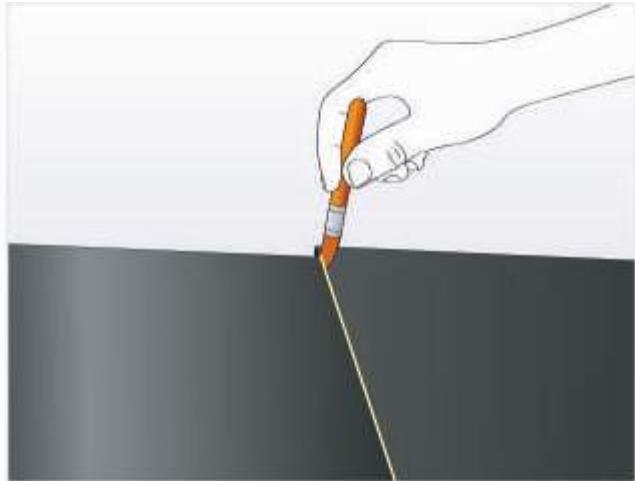
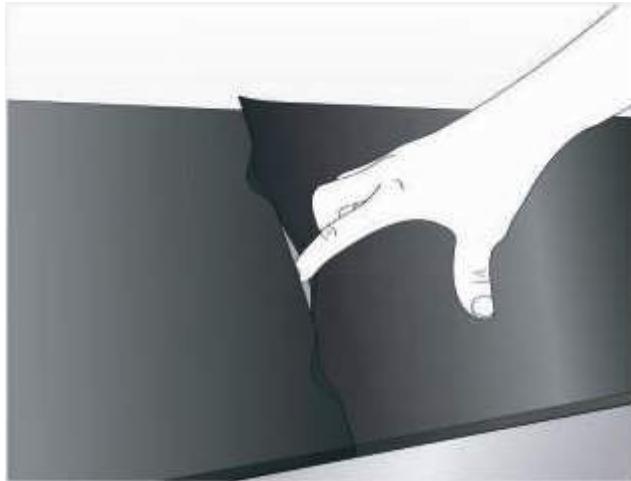
चिपकाने की विधिपहले

आर्माफ्लेक्स एडेसिव के इन्स्युलेशन शीट पर लगाए और उसके बाद मेटल की सतह पर लगाए।

सभी सिवन पर गीला एडेसिव लगाए। आर्माफ्लेक्स शीट पर 30 मि.मि.जगह बिना एडेसिव लगाए छोड़ दे। जुड़नेवाली शीट पर एडेसिव लगा कर (५ मि.मि. अति आच्छादन के लिये जगह पकड़कर) बट्जो डो को दबाव देकर जोड़े।

समतल सतहों पर जोडो को गीला सील लगाके बंद करे।





बहु परत जोड़ करने की प्रक्रिया

जहाँ बहु परत इन्स्युलेशन किया गया है, वहाँ जोड़ के ३६ घंटे बाद (पेज नं २० के उपर “पाईप पर बहु परत इन्स्युलेशन” देखिये) पावडर, चॉक, मैल, ग्रीस और आर्ड्रता को क्लीनर से साफ करे। दूसरी परत के सभी सिवन और बट-जोड़ो को पहली परत के सिवन और बट-जोड़ो से अलग रखें।

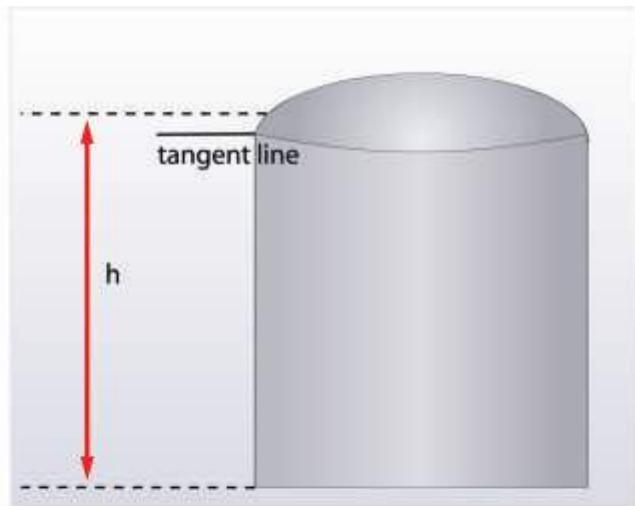
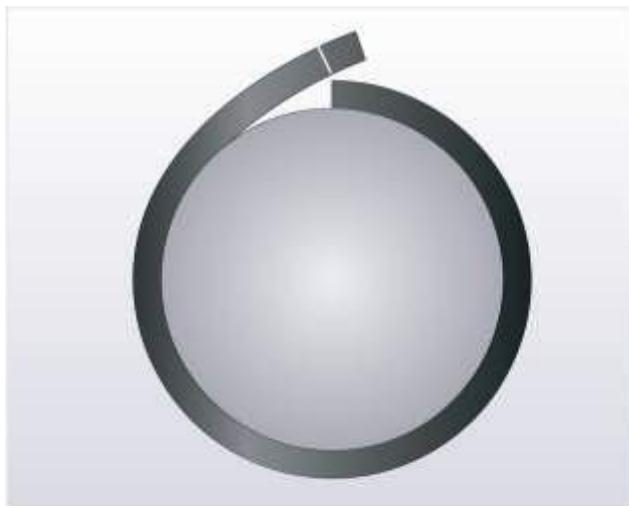
विचित्र आकार

विचित्र आकार के उपर इन्स्युलेशन करने के लिये बॉडी की आकार शीट को मेटल सतह पर स्टाइ और चॉक से रेखांकित करे, रेखांकित किया हुआ आकार धारदार चाकू से काटे।

बाहरी वातावरण में कार्य करने की प्रक्रिया

बाहरी वातावरण में सभी आर्माफ्लेक्स सामग्री (मटेरिअल) (एच टी/अर्माफ्लेक्स को छोड़कर) को अल्ट्रावॉयलेट किरणों से से बचाव करना जरुरी है। इसलिये हम आर्माफिनिश एफआर रंग या किसी एक आर्मा-चेक प्रणाली (पन्ना नं. ११ पर “आर्माफ्लेक्स का बाहरी वातावरण में उपयोग” देखें) का उपयोग करने की सलाह देते हैं।

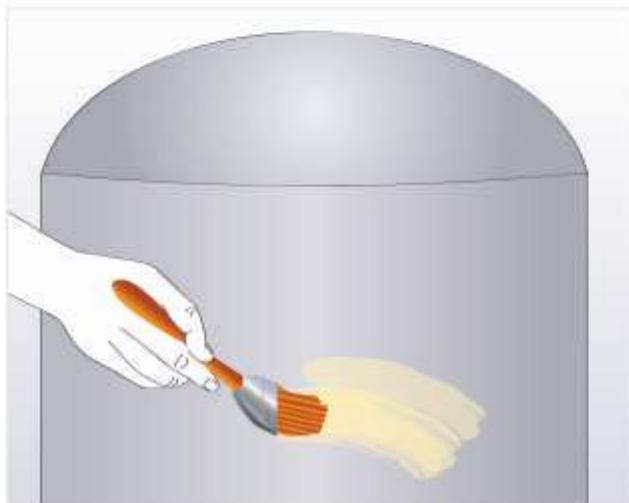
आर्माफिलेक्स शीट से छोटे (१.५ मिटर से कम व्यासवाले) टैंक्स और व्हेसल्स पर इन्स्युलेशन बनाने की प्रक्रिया



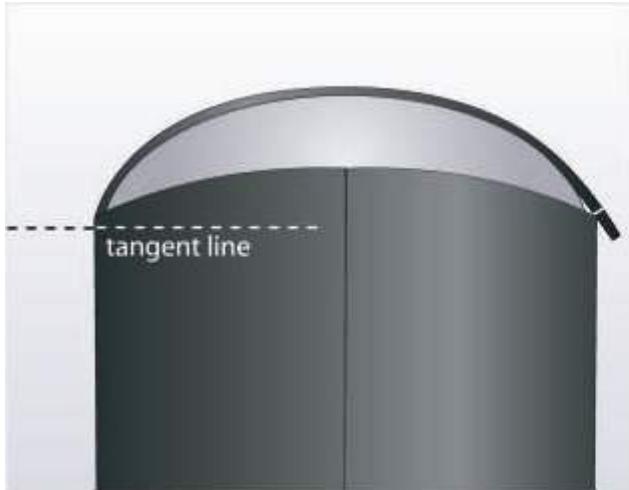
१ टैंक्स का सर्कमफरन्स (परिधि) निकालो।

महत्वपूर्ण सूचना : हमेशा आर्माफिलेक्स के मोटाई के समान मोटाईवाली पट्टी लेकर माप ले।

टिप : पट्टी को ना खींचें।



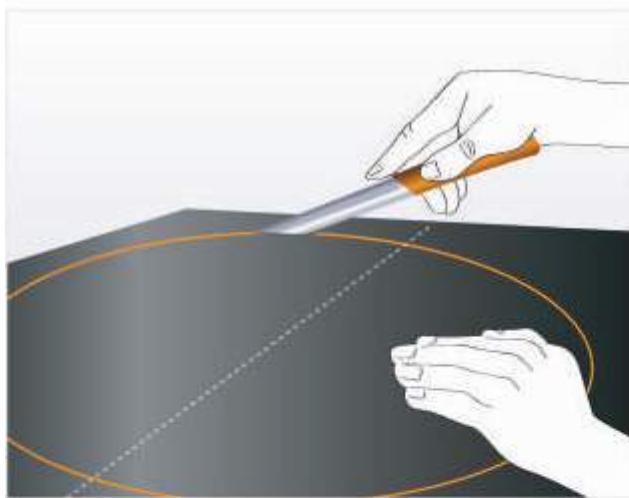
२ सर्कमफरन्स (परिधि) का नाप आर्माफिलेक्स शीट पर अंकित करे। पहले आर्माफिलेक्स शीट पर उसके बाद मेटल सतह पर एडेसिव लगाए। एडेसिव थोड़ा सूखने पर आर्माफिलेक्स शीट को जगह पर रखकर दबाकर जोड़े। इस तरह से पहली शीट, स्पर्श रेखा (टैंजेन्ट लाईन) से ५० मि.मि. ऊपर लगाए।



३ घुमट के आकार वाले सतह के वक्र की लंबाई

महत्वपूर्ण सूचना : हमेशा आर्माफिलेक्स के मोटाई के समान मोटाईवाली पट्टी लेकर माप ले।

टिप : पट्टी को ना खिचें।



४ घुमट की वक्र लंबाई लेकर आर्माफिलेक्स शीट पर पूरी चकती (डिस्क) अंकित करें। अगर चकती (डिस्क) शीट के हिसाब से ज्यादा बड़ी हो, तो पहले शीटस बहुपरत में जोड़ें।

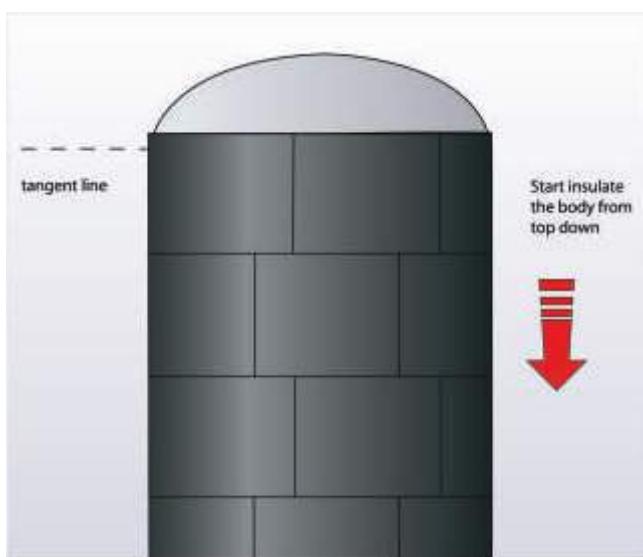
५ चकती (डिस्क) के आजूबाजू काटें।

६ एडेसिव शीट के पिछली बाजू में तथा मेटल सतह पर फैलाएं।



- ७ एडेसिव सूख जानेके बाद (नाखून से परिक्षण) आर्माफ्लेक्स शीट को टैंक के उपरी भाग तक लगाके और टैंक कि सतह छूटने से बचाने के लिये, मध्य से दबाते हुए पूरी सतह पर मजबूती से दबाए ताकि जोड़ पक्का हो।
- ८ टैंक की उपरी सतह की कगारों पर अतिरिक्त गीला एडेसिव लगाए।
- ९ एडेसिव सूखने का निर्धारित समय खत्म होने के पश्चात सिवन के किनारों को मजबूती से दबाए।

बड़ी व्हेसल्स (१.५ मि. से बड़ा व्यास) पर मुख्य प्रारंभिक प्रक्रिया



आर्माफ्लेक्स शीट पैनल को डोम के निचले भाग से (जैसा कि चित्र में दर्शाया गया है।) लगाना शुरू करे। दोनों सतहों पर पुरी तरह से एडेसिव लगाए।

डोम के सतह पर आर्माफ्लेक्स शीट पैनल उचित दबाव देकर लगाए। उसके बाद टैंक की सतह पर आर्माफ्लेक्स शीट पैनल लगाए। (जैसा कि चित्र में दर्शाया गया है।)



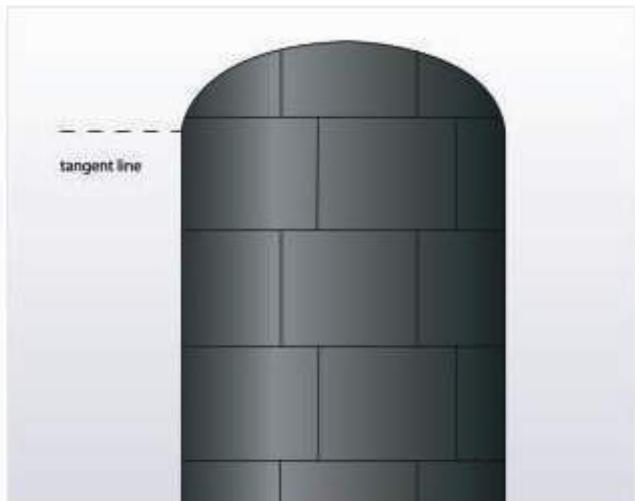
किनारों पर लगने वाली शीट का उपयुक्त नाप लेने के लिये व्हेसल बॉडी के बाहरी किनारों पर रखकर चॉक से रेखांकित करे।

डोम के बाहरी किनारों पर बैठनेवाली शीट का अनुरूप नाप लेकर ५०मि.मि. अतिरिक्त आवरण के लिये नापकर शीट को काटे। शीट को चॉक से रेखांकित भाग पर रखकर थोड़ा दबाए। इससे शीट की निचली बाजू पर चॉक की रेखा अंकित होगी।

रेखांकित शीट को तेज धारवाले चाकू से काटकर पूरी तरह एडेसिव लगाकर ही मार्क की गयी सही जगह पर लगाए।

सूचना : डोम के वतुलाकार किनारों पर एडेसिव ना लगाए। इसे बाद में गीले एडेसिव से (नीचे बताई गई विधिनुसार) बंद करें।

डोम के उपर इन्स्युलेशन पैनल लगाए।



काम खत्म करने के लिये गीला एडेसिव डोम को और व्हेसल को लगाके बंद करें (जैसे कि १.५ मि.व्यास से छोटे व्हेसल के लिये बताया गया है)

अतिरिक्त विशेष उपयोग

अतिरिक्त विशेष उपयोग के लिये नीचे निर्देशित विस्तारित विधि का प्रयोग करें।

आर्माफ्लेक्स शीट के उपर अतिरिक्त मेटल आवरण (कवच)

कभी-कभी आर्माफ्लेक्स आवरण शीट को बाहरी चोट से तथा बाहरी वातावरण में यू.वी. (अल्ट्रावॉयलेट) रेडिएशन की वजह से होने वाले नुकसान से बचाने के लिये अतिरिक्त सुरक्षा मेटल आवरण जरुरी होता है।

मेटल सुरक्षा प्रदान करते समय इन्स्युलेशन मोटाई का ध्यान रखना जरुरी है। विशेषतः गर्म सतह से निकलने वाली गरम हवा की वजह से ऊष्मा स्थानांतरण गुणांक (कोईफिशियंट ऑफ हीट ट्रान्सफर), गणना (कैलक्युलेशन) पर असर डालता है।

आर्माफ्लेक्स के उपर मेटल आवरण चढ़ाते वक्त दोनों के बीच हवा न रहने दे। यह एक उचित तरीके के तहत अनिवार्य है। आर्माफ्लेक्स शीट पर आवरण करने के लिये स्क्रू को शीट में लगाना जरुरी है। इस वजह से इन दोनों के बीच एक थर्मल जोड़ तैयार होता है, जिसके चलते इन्स्युलेशन मोटाई बढ़ाना जरुरी हो सकता है।

दूसरी पद्धति के अंतर्गत मेटल आवरण शीट के ऊपर लगाते समय दोनों के बीच शीट के टुकड़े लगाकर दूरी बनाए रखें। (१५ मि.मि.) इसके अतिरिक्त १० मि.मि. के छिद्र, आवरण के निचली बाजू कमसे कम ३०० मि.मि. पर करें।

सूचना: इस बात का ध्यान दें कि दोनों सतहों के बीच (हवा की सतह में) आर्द्रता जमा न होने पाए। इस वजह से होने वाले ऊष्मा स्थानांतरण गुणांक (कोईफिशियंट ऑफ हीट ट्रान्सफर) का ध्यान रखें, क्योंकि यह इन्स्युलेशन मोटाई पर असर कर सकता है।

आर्माफ्लेक्स शीट को जमीन की तह के नीचे लगाने की विधि

मिट्टी को पुर्णभरण करते वक्त आर्माफ्लेक्स शीट की ऊपरी सतह पर दबाव की वजह से शीट की मोटाई पर असर होकर वह दब सकती है। आर्माफ्लेक्स को दबाव से बचाने के लिये इन्स्युलेटेड पाईप को सख्त जमीन में या निकासी करने वाले इनेज पाईप में लगाए।

१ बाहरी सुरक्षा पाईप के संपर्क से लचीले सेलुलर मटेरियल को सिकुड़न से रोकने के लिये, इंस्युलेटेड पाईप असेंबली के बाहरी व्यास से पर्याप्त बड़े निकास पाईप का चयन करें।

२ सुरक्षा प्रदान करने वाले पाईप को पूरी तरह से जकड़ कर रखें (जैसे आजूबाजू के मिट्टी में पूरी तरह से दबाके) जिससे कि ड्रेन पाईप सुरक्षित रहे। जोड़ और जुड़ाव के टुटने की संभावना ज्यादा है।

प्लास्टिक पाईप पर आर्माफ्लेक्स इन्स्युलेशन बनाने की विधि ।

औद्योगिक एवं इमारतों में इस्तेमाल होनेवाले प्लास्टिक पाईप पर आर्माफ्लेक्स इन्स्युलेशन और आर्माफ्लेक्स एडेसिव ५२०/एच टी ६२५ आसानी से इस्तेमाल होते हैं।

पी.व्ही.सी. पाईप-सी, पीई-एक्सए और पीई-एचडी प्लास्टिक पाईप पर आर्माफ्लेक्स आसानी से मेटल पाईप पर लगाने की विधि के अनुसार लगाया जा सकता है।

हालाँकि आर्माफ्लेक्स को पॉलिप्रापलीन पाईप पर चढ़ाते वक्त इस बात का ख्याल रहें कि यह संपूर्णतः उपयुक्त तरीका नहीं है। इस कारण मजबूत जकड़ बनाने के उद्देश्य से आर्मसेल के निर्देशानुसार प्लास्टिक पाईप की सतह को एडेसिव लगाने से पहले खुरदरा कर ले।

अगर आर्माफ्लेक्स एबीसी पाईप पर चिपकाया गया हो तो सॉल्वेंट को सतह से हटा दे क्योंकि वक्त के साथ एबीसी पाईप में दरारें पड़ सकती हैं। एबीसी पाईप पर विभाजित तरीके से लगाने वाली शीट के टुकड़ों को सिधे पाईप पर न लगाए, हालाँकि विभाजित जगह पर स्वयं चिपकनेवाली एडेसिव पट्टी लगाए और फिर शीट को चिपकाए। इसके विपरीत, लंबी सिवन को चिपकाते वक्त शीट को सिधा चिपकाया जा सकता है। क्योंकि एडेसिव में मौजूद सॉल्वेंट का वाष्पीकरण जोड़ लगाने पहले से ही हो जाता है।

आर्माफ्लेक्स शीट और आर्माफ्लेक्स एडेसिव कि प्लास्टिक पाईप पर उपयोगिता

प्लास्टिक पाईप	केपेबिलिटी	रीमार्क्स्
पीव्हीसी-सी	हाँ	-
पीई-एक्सए	हाँ	-
पीई-एचडी	हाँ	जोड़ मजबूत करने के लिये (जहाँ विभाजित तरीके से शीट लगाना हो) प्लास्टिक सतह खुरदरा करे।
एबीएस	हाँ	जहाँ विभाजित तरीके से शीट लगाना हो वहाँ पहले आर्माफ्लेक्स स्वयं एडेसिव पट्टी लगाए। सूचना : अगर एबीसी पाईप का तापमान ३०० से से ऊपर हो तो एचटी / आर्माफ्लेक्स या एनएच / आर्माफ्लेक्स का उपयोग करे।

संदर्भ

इस नियमावली के अतिरिक्त नीचे दर्शाए गए दस्तावेज आर्मासेल के पास निःशुल्क उपलब्ध हैं। कृपया हमारे ग्राहकसेवा केंद्र से संपर्क करें।

- स्टेनलेस स्टील के उपर आर्माफ्लेक्स से इन्स्युलेशन करने की प्रक्रिया तकनीकी क्रिया संचालन विधि तहत गरम और शीतल इन्स्युलेशन में जंग संरक्षण

ठंडे वातावरण में आर्माफ्लेक्स से लगाने के लिये निर्देश

ठंडी पाईप पर, जहाँ तापमान - ५० डिग्री से -१९६ डिग्री से. हो, इन्स्युलेशन लगाना

आर्माफ्लेक्स सेल्युलर ग्लास पर लगाना

आर्माफ्लेक्स सेल्युलर ग्लास के सतह पर सीधा लगाने के लिये निर्देश

अतिरिक्त तरीके से आर्माफ्लेक्स से लगाने के लिये निर्देश

- आर्मचिक लगाने के लिये निर्देश
- एचटी/आर्माफ्लेक्स लगाने के विशेष निर्देश
- आर्मसाइंड औद्योगिक प्रणाली के लिये उपयोग मार्गदर्शक पुस्तिका
- व्हीडीओ द्वारा उपयोग के लिये निर्देश

गणना उपकरण

आर्मविन

आर्मविन यह एक तकनीकी प्रणाली (प्रोग्राम) है। जिससे इन्स्युलेशन की मोटाई तय की जाती है। इन्स्युलेशन की मोटाई सतह पर आर्द्धता जमा होने से और ऊर्जा के व्यय को कम करती है।

इस तकनीकी प्रोग्राम की मदद से पाईप, डक्ट (नाली) और टैंक में गरम हवा का बहाव, तापमान के बदल, तथा “यू” वैल्यू को नापा जा सकता है।

की टेक. आयएसओ १५६६५

इससे उपयुक्त आर्मसाइंड औद्योगिक प्रणाली को निर्धारित करें।

आर्माफिलेक्स के उत्पादन

क्लास और आर्माफिलेक्स

आर्द्रता को काबू में रखने के लिये एएफ/आर्माफिलेक्स भरोसेमंद, परिस्थितिनुरूप अनुकूल (फ्लेक्सिबल) इन्स्युलेशन है, जो लंबे समय तक काम देता है। यह कम गर्म हवा का बहाव और पानी की बाष्पता रोधक तत्वों के अनूठे मिलाप के कारण सफलतापूर्वक काम करता है। इससे इन्स्युलेट किया हुआ प्लांट अतिरिक्त ऊर्जा कार्यक्षमता से लंबे समय तक चलता है। परिणामस्वरूप प्लांट चलाने के लिये होने वाले खर्चों में कटौती होती है।

मायक्रोसेल संरचना (स्ट्रक्चर) के कारण क्लास और आर्माफिलेक्स ज्यादा मजबूत और लगाने में आसान है।

जल्दी और आसानी से इस्तेमाल के कारण वक्त और खर्चों में बचत होती है।

क्लास और आर्माफिलेक्स प्लस

यह फ्लेक्सीबल इलेस्टोमेरिक इन्स्युलेशन पदार्थ है, जिसमें मायक्रोबैन कि वजह से अंदरूनी हवा कि गुणवत्ता में बढ़ोत्तरी होती है।

तकनीकी तरीके, जाँचे हुए गुण और नये मायक्रोसेल संरचना (स्ट्रक्चर) से अतिरिक्त फायदे मिलते हैं।

आर्मासाइंड सुपर सायलेंस डक्टलायनर

उच्च प्रदर्शन का अकाउस्टिक इन्स्युलेशन अधिक शांत वातावरण के लिये जिसमें मायक्रोबैन रक्षा प्रॉडक्ट के जिवनकाल तक निरंतर रहती है।

आर्माफिलेक्स आलु

यह फ्लेक्सीबल इन्स्युलेशन सिल्वर सतह के साए आता है। जो उसकी सुंदरता बनाये रखता है। साथ हि साफसुथरा रखने आसान है।

आर्माचेक सिलहर ३५०

यह एक व्यवसायिक अवरण है, जिसे उत्तम व सुंदर दिकावत के लिये उपयोग में लाया जाता है। यह साफ रखने में और इन्स्युलेशन का यांत्रिक, यु. व्ही. व पर्यावरण के दुष्परिणामोंसे बचाव करने में श्रेष्ठ है।

आर्माचेक जी सी

यह एक किफायती अवरण है, जो इन्स्युलेशन को यु. व्ही. यांत्रिक व तेल के दुष्परिणामोंसे संरक्षण देता है। यह वजन में हल्का और लगाने में असान है।

आर्माफिलेक्स पाईप सपोर्ट

यह भारवाहक (पीयूआर/पी आई आर) इन्स्टर्ट और अल्युमिनियम आवरण के साथ बनाया गया है, जो अतिरिक्त दबाव से बचाव करता है।

आर्माफिलेक्स साहाय्यक उपकरण (अँक्सेसरीज)

आर्माफिलेक्स एडेसिव ५२०, डक्टसिल, पाईपसिल और आर्माफिलेक्स अल्टीमा ७००, नायट्राइल रबर से बने आर्माफिलेक्स चिपकाने के लिये और आर्माफिलेक्स एडेसिव ६२५ इपीडीएम रबर से बने आर्माफिलेक्स को चिपकाने के लिये हैं।

धब्बा छुपाने के लिये या यू.वी. किरणों से बचाने के लिये आर्माफिनिश ९९ इस्तेमाल करते हैं।

Armacell India Pvt Ltd

GAT No. 744-745, Village Lonikand, Pune Nagar Road • 412216 Pune •
Maharashtra • India
Phone +91 20 66782000
www.armaflex.com • info.imea@armacell.com
CIN: U24293PN2005FTC131939